प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

समझदार व्यक्ती जब संबंध निभाना बंद कर देता है, तो समज लेना उसके आत्मसम्मान को कही न कही ठेस पहुंची है!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

www.purvanchalsurya.com

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤दिल्ली➤देवघर से प्रकाशित

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 224 | दैनिक | रांची | शुक्रवार 29 मार्च 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

पहली बार गायों में मिला बर्ड फ्लू का वायरस

ये प्रवासी पक्षियों से आया; इससे दूध गाढ़ा और उसका रंग फीका हो रहा

टेक्सास (एजेंसी)। गायों में पहली बार बर्ड फ्लू का वायरस पाया गया है। इस बीमारी के कारण गाय का दूध गाढ़ा हो रहा है और इसका रंग फीका पड़ रहा है। अमेरिका की गायों में ये बीमारी प्रवासी पक्षियों से आई है।

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ने इसकी पुष्टि की है। विभाग ने कहा कि टेक्सास और कैनसस के 4 डेयरी फार्मों में गायों में एवियन इन्फ्लूएंजा का टेस्ट पॉजिटिव आया है। न्यू मेक्सिको में भी मामलों की पुष्टि की गई है। हालांकि प्रभावित डेयरी फार्मों की संख्या नहीं बताई है।

पाश्चराइजेशन कंज्यूमर्स को वायरस से बचाएगा- इलिनोइस यूनिवर्सिटी के पशु चिकित्सक और इन्फ्लूएंजा रिसर्चर जिम लोव ने बताया कि दूषित दूध सिरप जैसा गाढ़ा दिखता है। अगर यह प्रोडक्ट लोगों तक पहुंच भी गया हो, तो भी पाश्चराइजेशन कंज्यूमर्स को वायरस से बचाएगा।

प्रवासी पक्षियों से आया गायों में वायरस

कुछ किसानों ने अपने खेत पर मरे हुए प्रवासी जंगली पक्षियों को देखा है, जिससे पता चला कि ये वायरस इन्हीं से आया है। अब तक इस वायरस से बहुत कम गायों की मौत हुई है, लेकिन संक्रमण के कारण दूध उत्पादन में 40 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

● लोगों को कोई खतरा नहीं

टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर का कहना है कि वह वायरस के फैलने की मॉनिटरिंग कर रहा है। वहीं कमिश्नर सिड मिलर ने कहा कि लोगों की जान को इससे कोई खतरा नहीं है और दूध की सप्लाई में कोई कमी नहीं होगी।

● क्या है बर्ड फ्लू वायरस?

इसे एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस भी कहते हैं। बर्ड फ्लू के सबसे कॉमन वायरस का नाम एच5एन1 है। यह एक खतरनाक वायरस है जो चिड़ियों के साथ इंसान और दूसरे जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, एच5एन1 को 1997 में खोजा गया था। इस वायरस से संक्रमित होने पर 60 प्रतिशत मामलों में मौत हो जाती है।

गोविंदा शिवसेना शिंदे गुट में शामिल

मुंबई नॉर्थ-वेस्ट से चुनाव लड़ सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर गोविंदा महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। वे गुरुवार (28 मार्च) शाम करीब 5 बजे सीएम शिंदे के साथ मुंबई स्थित शिवसेना ऑफिस पहुंचे। इसके थोड़ी देर बाद उन्होंने पार्टी जॉइन कर ली।शिवसेना जॉइन करने के बाद गोविंदा ने कहा- मैं 2004 से 2009 तक राजनीति में था। ये संयोग है कि 14 साल बाद मैं फिर से राजनीति में आया हूं। मुझ पर जो विश्वास किया गया है, मैं उसे पूरी तरह से निभाऊंगा। शिवसेना गोविंदा को मुंबई की नॉर्थ-वेस्ट लोकसभा सीट से टिकट दे सकती है। महाराष्ट्र में भाजपा 27, शिवसेना 14 और एनसीपी 5 सीटों पर लड़ सकती है चुनाव महाराष्ट्र में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन के बीच लोकसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से भाजपा 27 पर, शिवसेना 14 पर और एनसीपी 5 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होने की संभावना है।

अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से लगा झटका

1 अप्रैल तक ईडी की रिमांड पर रहेंगे दिल्ली के सीएम

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की हिरासत बृहस्पतिवार को एक अप्रैल तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल की सात दिन की हिरासत का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने कहा कि उन्हें एक अप्रैल को दिन में 11 बजे अदालत में पेश करना होगा। ईडी ने केजरीवाल को राउज एवेन्यू अदालत की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया क्योंकि उनकी वर्तमान हिरासत बृहस्पतिवार को समाप्त हो रही थी।

- **मुख्यमंत्री जवाब देने में टालमटोल कर रहे- ईडी-** ईडी ने केजरीवाल की और सात दिन की हिरासत का अनुरोध करते हुए कहा कि मामले से जुड़े कुछ लोगों से उनका आमना-सामना कराने की जरूरत है। ईडी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जवाब देने में टालमटोल कर रहे हैं और अपने डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड का खुलासा नहीं कर रहे हैं। केजरीवाल ने अपनी दलील में कहा, ''आबकारी नीति मामले में चार गवाहों ने मेरा नाम लिया है। क्या किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए चार बयान पर्याप्त हैं?
- **भ्रष्ट होने की झूठी तस्वीर पेश की गई : केजरीवाल** - केजरीवाल ने आरोप लगाया कि शरत चंद्र रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 55 करोड़ रुपये का चंदा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मेरे पास इसके सबूत हैं। लेन देन साबित हो चुका है क्योंकि उन्होंने (रेड्डी) गिरफ्तारी के बाद धनराशि दान की थी।

मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया

केजरीवाल ने कोर्ट के समक्ष अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा, मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया जबकि किसी भी अदालत ने मुझे दोषी नहीं माना है।

ईडी की मंशा मुझे अरेस्ट करने की थी। मेरा नाम सिर्फ चार लोगों के बयान में आया। जिन लोगों ने मेरे पक्ष में बयान दिया था उनके बयान जबरन मेरे विरोध में दिलावाए गए हैं। इस पर जज ने कहा कि आपने लिखित में बयान क्यों नहीं दिए।

वकीलों के पत्र पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

'दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति'

● देश के 600 से अधिक वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लिखा पत्र, न्यायपालिका पर खतरा-न्यायपालिका को बचाना'

नईदिल्ली (एजेंसी)। देश के 600 से अधिक वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया है कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह 'बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। अब इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। 5 दशक पहले उन्होंने स्वयं 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' का आह्वान किया था - वे बेशर्मी से अपने स्वार्थों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से बचते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं।

इससे पहले सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत अनेक वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि एक निहित स्वार्थ वाला समूह 'बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 26 मार्च को लिखे गए पत्र में कहा गया है, ''उनकी दबाव की रणनीति राजनीतिक मामलों में, विशेषकर उन मामलों में सबसे ज्यादा स्पष्ट होती है जिनमें भ्रष्टाचार की आरोपी राजनीतिक हस्तियां होती हैं। ये रणनीतियां हमारी अदालतों के लिए हानिकारक हैं और हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को खतरे में डालती हैं। आधिकारिक सूत्रों द्वारा साझा किए गए पत्र में बिना नाम लिए वकीलों के एक वर्ग पर निशाना साधा गया है और आरोप लगाया गया है कि वे दिन में राजनेताओं का बचाव करते हैं और फिर रात में मीडिया के माध्यम से न्यायाधीशों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। पत्र में कहा गया है कि यह समूह अदालतों के कथित बेहतर अतीत और सुनहरे दौर की झूठी कहानियां बनाता है और इसकी तुलना वर्तमान में होने वाली घटनाओं से करता है। पत्र में दावा किया गया है कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य अदालतों को प्रभावित करना और राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें असहज करना है।

उत्तराखंड के नानकमत्ता डेरा प्रमुख की हत्या

● बाइक सवार बदमाशों ने तरसेम सिंह पर बरसाईं गोलियां

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के नानकमत्ता डेरा के प्रमुख जत्थेदार बाबा तरसेम सिंह की गुरुवार सुबह हत्या कर दी गई। बाइक से पहुंचे दो बदमाशों ने डेरे के अंदर उन पर गोलियां दागीं। उन्हें खटीमा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। गुरुवार सुबह 6.15 बजे दो हमलावर मौके पर पहुंचे और वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। बाबा तरसेम सिंह की पहचान पूरे राज्य में थी।

रामटहल चौधरी हुए कांग्रेस में शामिल

विशेष संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने गुरुवार को भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन पवन खेड़ा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और कांग्रेस विधायक दल नेता आलमगीर आलम ने कांग्रेस का अंग पट्टिका पहनाकर श्री चौधरी को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने गुलदस्ता देकर रामटहल चौधरी का स्वागत किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि रामटहल चौधरी झारखंड की राजनीति में एक बड़ा नाम हैं। श्री चौधरी ने समाज के लिए 40 वर्ष से लगातार अपनी सेवा भावना अपने कार्यों से जनता में अपनी एक अलग छवि बनाई है। इसी वजह से दो बार विधायक रहने के बाद पांच बार लगातार रांची के सांसद रहे। लेकिन भाजपा द्वारा 2019 के चुनाव में अहमियत ना दिए जाने के कारण इन्होंने स्वतंत्र रूप से भी चुनाव लड़ा, लेकिन बावजूद उसके आज के जमाने में भी इनकी अपनी अहमियत उनके आदर्शों की कीमत है। इन्होंने 30-40 वर्षों में वहां के जनता के लिए हर स्तर पर आवाज बुलंद की है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है इसके लिए मैं इन्हें बधाई देता हूं। इनके आने से झारखंड में कांग्रेस को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि श्री चौधरी झारखंड में पिछड़ों के मसीहा के तौर पर जाने जाते हैं। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान झारखंड में जो 5 दिनों का समय गुजारा है उससे झारखंड में बहुत से लोग प्रभावित हैं। झारखंड में भाजपा में भगदड़ मची हुई है और यह सही है कि श्री चौधरी पांच बार सांसद रहे हैं। लेकिन भाजपा से इनका मोह भंग पहले ही हो चुका था। क्योंकि जिस तरह की नीति भाजपा की है और वहां जैसे लोग हैं, उसमें इनका मन नहीं लग रहा था और अब यह अपना कीमती समय पार्टी को देने का काम करेंगे और पार्टी इन्हें पूरा सम्मान देगी। यह सही है कि सही समय में सही कदम उठाना उचित होता है और इसी कड़ी में यह कदम उठाया गया है। मैं पार्टी में इनका स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उक्त जानकारी सोनाल शांति,प्रवक्ता,प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दी।

स्व.दुर्गा सोरेन की मौत संदेहास्पद, हो उच्चस्तरीय जांच : सीता सोरेन

विशेष संवाददाता

रांची। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद शिबू सोरेन की बड़ी बहू ,जामा की पूर्व विधायक और दुमका संसदीय क्षेत्र की लोकसभा प्रत्याशी सीता सोरेन गुरुवार को नई दिल्ली से रांची पहुंची। एयरपोर्ट पर रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

रांची की धरती पर सीता सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा एवं स्व. दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीता सोरेन का काफिला भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचा, जहां उनका महिला मोर्चा की बहनों ने जोरदार स्वागत किया।

सीता सोरेन ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू,प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक भानु प्रताप शाही सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और परिचय प्राप्त किया।प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अंगवस्त्र व पुष्प गुच्छ से सीता सोरेन का स्वागत किया।

प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सीता सोरेन ने झामुमो एवं राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा

सीता सोरेन ने कहा कि झामुमो को अपने खून पसीने से सींचने वाले झामुमो के कद्दावर नेता उनके पति स्व दुर्गा सोरेन का अपमान उन्हे कतई बर्दाश्त नहीं।उन्होंने बड़ा निशाना साधते हुए स्व दुर्गा सोरेन की मौत को संदेहास्पद बताते हुए उसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की।

कहा कि उन्होंने परिवार में कई बार इस बात को उठाया लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। उन्होंने कहा कि मैंने परिवार में दर्द और पीड़ा सहते हुए अपनी बच्चियों का लालन पालन किया है।कहा कि झामुमो अब स्व दुर्गा सोरेन के जमाने की पार्टी नहीं रही।यह पार्टी अब दलाल और बिचौलियों की पार्टी बनकर रह गई है।जहां जाइए जिलों में भी केवल दलाल और बिचौलिए ही पार्टी पर हावी हैं।

उन्होंने कहा कि कल्पना सोरेन ने भी स्व दुर्गा सोरेन का अपमान किया है। अपनी राजनीतिक पारी की शुरुवात करते हुए उन्होंने राज्य के अन्य शहीदों का नाम लिया लेकिन स्व दुर्गा सोरेन जी को उन्होंने याद नहीं किया।उन्होंने कहा कि पार्टी की सरकार ने राज्य को केवल भ्रष्टाचार दिया है।भ्रष्टाचार से राज्य का सिर झुक गया है।राज्य का मान सम्मान गिरा है।कहा कि झामुमो में महिलाओं का सम्मान नही है। वे लगातार पार्टी और परिवार में अपमानित महसूस कर रही थी। इसलिए बड़ा राजनीतिक फैसला लिया।उन्होंने कहा कि आज भाजपा ही देश और प्रदेश का विकास कर सकती है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और दुनिया में भारत का झंडा बुलंद हुआ है। देश का गौरव बढ़ा है। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।उन्होंने कहा कि गांव, गरीब, किसान दलित पिछड़े महिला सभी विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में मोदी सरकार का संकल्प पूरा हो रहा। महिलाओं केलिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था हुई। देश के सर्वोच्च पद पर आदिवासी समाज की महिला आसीन हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14सीट एवं देश में एनडीए 400 सीट का आंकड़ा पार करेगा।

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने किया स्वागत

मंच पर प्रेसवार्ता के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने श्रीमती सोरेन का स्वागत करते हुए कहा कि झामुमो को राज्य की जनता नकारने के लिए तैयार है। आदिवासी मूलवासी के साथ झामुमो ने केवल छलावा किया है। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक एवं प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव भी उपस्थित थे।

सैमसंग का गैलेक्सी सीरीज लॉन्च

वरीय संवाददाता,रांची। सैमसंग ने गैलेक्सी ए55 5जी और गैलेक्सी ए 35 5जी को लॉन्च करने की घोषणा की है। नई ए सीरीज के डिवाइस में कई प्रमुख फीचर्स दिए गए हैं, जिसमें गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन, एआई संवर्धित कैमरा फीचर्स और टैपर-प्रतिरोधी सुरक्षा समाधान, सैमसंग नॉक्स वॉल्ट समेत कई अन्य नए फीचर्स शामिल हैं। पहली बार, गैलेक्सी ए 55 5जी को मेटल फ्रेम में और गैलेक्सी ए 35 5जी को प्रीमियम ग्लास बैंक के साथ पेश किया गया है। ये फोन तीन ट्रेंडी रंगों ऑसम लिलैक, ऑसम आइस ब्लू और ऑसम नेवी में उपलब्ध हैं। इन्हें आईपी67 रेटिंग दी गई है।

6.6-इंच एफएचडी+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले और न्यूनतम बेजेल्स के साथ, 120एचजेड रिफ्रेश रेट बेहद स्मूथ परफॉर्मेंस प्रदान करता है। ये स्मार्टफोन फ्रंट और बैक पर कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन जैसी ड्यूरेबिलिटी के साथ आते हैं। ये नए ए सीरीज स्मार्टफोन यूजर्स के कंटेंट गेम को अगले स्तर पर ले जाने के लिए कई इनोवेटिव एआई-एन्हांस्ड कैमरा फीचर्स के साथ आते हैं। इन सुविधाओं में फोटो रीमास्टर, इमेज क्लिपर और ऑब्जेक्ट इरेज़र समेत कई अन्य फीचर्स शामिल हैं। गैलेक्सी ए55 5जी और ए35 5जी एआई इमेज सिग्नल प्रोसेसिंग (आईएसपी) द्वारा एन हैंड्स नाइटोग्राफी के साथ 50 एमपी ट्रिपल कैमरा के साथ आते हैं।

जो ए-सीरीज़ पर पहले कभी नहीं देखी गई बेहद कम रोशनी में भी शानदार तस्वीरें लेता है। गैलेक्सी ए55 5जी और ए35 5जी स्मार्टफोन सेगमेंट और देश में सबसे तेजी से बढ़ते मिड-प्रीमियम (30,000-50,000 रुपये) सेगमेंट में अपने नेतृत्व की स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा।

एचडीएफसी बैंक की कडरू शाखा का शुभारंभ

विशेष संवाददाता ,रांची। एचडीएफसी बैंक के कडरू शाखा का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। शाखा का उद्घाटन जोनल हेड अभिषेक कुमार ने किया। इस उदघाटन के मौके पर अभिषेक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में बैंक खुलने से लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इस क्षेत्र के विकास में बैंक सहभागी बनेगी। इस मौके एचडीएफसी बैंक के क्लस्टर हेड आदित्य पांडे ने कहा कि इस शाखा में बैंकिंग से संबंधित सारी सुविधाएं दी जाएगी और आस पास के लोगों की डे टू डे बैंकिंग आसन हो जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि यह शाखा झारखंड की 91वीं शाखा है।

इस दौरान रांची 2 क्लस्टर के सभी शाखा प्रबंधक और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसी व एसपी ने किया केंद्रीय कारा का औचक निरीक्षण

प्रतिनिधि,हज़ारीबाग। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार में गुरुवार को उपायुक्त नैंसी सहाय व पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने औचक निरीक्षण किया।

लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन हर पहलुओं पर नजर बनाए हुए है। अहले सुबह केंद्रीय कारा के औचक निरीक्षण के क्रम में सदर एसडीएम शैलेश कुमार समेत सात दंडाधिकारी एवं लगभग सौ की संख्या में पुलिस के जवान औचक निरीक्षण की कार्रवाई में शामिल थे। निरीक्षण लगभग ढाई घंटे तक चला।

औचक निरीक्षण में जिला प्रशासन की टीम ने केंद्रीय कारागार के अस्पताल, कैंटीन,बैरक व अन्य जगहों का निरीक्षण किया।

उपायुक्त ने निरीक्षण की कार्रवाई के उपरान्त बताया कि नियमित अंतराल में जेल का औचक निरीक्षण किया जाता है। जिला प्रशासन विधि व्यवस्था को लेकर हर बिंदुओं पर नजर रख रही है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामग्री प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 की तिथि जारी हो गई है, इसे लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सभी विभाग को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि किसी प्रकार की घटना को रोका जा सके।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि औचक निरीक्षण एक रूटीन जांच प्रक्रिया भी है जो हर एक या दो माह में की जाती है। आगामी लोक सभा चुनाव के मद्देनजर विधि व्यवस्था के संदर्भ में यह महत्त्वपूर्ण कार्रवाई थी।

अपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण व विधि व्यवस्था संधारण को लेकर पुलिस अधिकारी ने गौरियाकरमा में की बैठक

प्रतिनिधि, बरही। बरही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार के निर्देश पर प्रखंड के गौरियाकरमा पंचायत मुख्यालय में बरही थाना की ओर से अपराधिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से मुखिया प्रतिनिधि राजन ओम सहित कई वार्ड सदस्य और ग्रामीण जनता मौजूद रहे। जानकारी देते हुए मुखिया प्रतिनिधि राजन ओम ने बताया कि बैठक में बरही थाना के सब इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने पंचायत को अपराध मुक्त बनाने हेतु जागरूक करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि छोटे मोटे मामले को ग्राम पंचायत स्तर पर ही सुलझाए। प्राथमिकी या अन्य कानूनी पेंच में जाने से ग्रामीणों को रोकें। इसके साथ ही अपराधिक छवि के लोगो पर निगरानी रखने और अवैध कारोबार करने वालो की जानकारी थाना को देने की बात कही गई। पंचायत को अपराधमुक्त व शांतिपूर्ण बनाने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के संबंध में इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि बरही को शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त बनाने के लिए बरही पुलिस दृढ़संकल्पित है। वर्तमान में लोकसभा का चुनाव की घोषणा हो चुकी है। इसे स्वच्छ और शांत वातावरण में करवाने हेतु पुलिस प्रशासन संकल्पित है। इसी उद्देश्य से प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों संग बैठक कर वस्तुस्थिति से जानकारी ली जा रही है। बैठक में संजय कुमार वर्मा, मनौवर आलम, प्रकाश विश्वकर्मा, प्रकाश प्रजापति सहित कई लोग मौजूद थे।

होली में छाया फागुआ बयार, कला संगम ने प्रकाश सहाय के आवास पर किया होली मिलन समारोह

- कला संगम के सदस्यों द्वारा संगीतमय माहोल में जमकर खेले गए गुलाल
- ब्राह्मण समाज ने कोरोना काल के बाद इस बार होली मिलन समारोह चैती का आनंद के साथ बहुत धूमधाम से मनाया

पूस प्रतिनिधि

गिरिडीह। आपसी प्रेम व भाईचारे का त्योहार होली में चारो ओर फगुआ की बयार बहती रही। लोगों पर होली की खुमारी एक सप्ताह पहले से ही चढ़ने लगी थी। हालांकि इस दौरान सामाजिक समरसता की भी झलक देखने को मिली। विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के साथ साथ कार्यालयों व शिक्षण संस्थानों में होली मिलन का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इस दौरान कला संगम के द्वारा प्रकाश सहाय के आवास पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। वहीं ब्राह्मण समाज,कला संगम,बरनवाल सेवा समिति,चन्द्रवंशी समाज, अग्रवाल समाज,पतंजलि सहित कई संगठनों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस क्रम में शहर के पचंबा स्थित अधिवक्ता प्रकाश सहाय के आवास पर कला संगम द्वारा भी जमकर होली उत्सव मनाया। मौके पर रितेश पांडे,शशिधर पांडे,मुकेश पांडे,रवि शंकर पांडे,मोतीलाल उपाध्याय,सुधीर पांडे,विकास पांडे,राजेंद्र पांडे,परमानंद पांडे,गणेश पांडे,अवध पंडा,अमित पांडे,कृष्णानंद उपाध्याय,अनंत पांडे,शैलेश पांडे,शुभम झा, प्रकाश सहाय,पुनम प्रकाश सहाय,सतीश कुंदन,राजू बगडिया,अनिल सिन्हा,शिवेंद्र उर्फ गब्बू,सुनील मंथन, डॉ पी सहाय,नीतीश आनंद,अजय कुमार,अंकिता सहाय सहित संस्थान के लोगो ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

होली के शुभ अवसर पर रोटरी गिरीडीह द्वारा रोटरी नेत्र चिकित्सालय में कार्यरत कर्मियों के बीच होली के रंग पिचकारी एवं मिठाइयों का वितरण किया गया,साथ ही कोलडीहा 6 नंबर स्थित बस्ती में बच्चों के बीच पिचकारी,रंग,गुलाल एवं मिठाई का वितरण किया गया।

इस अवसर पर रोटरी गिरीडीह के अध्यक्ष मनीष तर्वे,प्रदीप डालमिया, बिजय सिंह,संतोष अग्रवाल,अमित गुप्ता,अंशुल जैन,मयंक राजगढ़िया,प्रशांत बगड़िया,सिद्धार्थ जैन सहित क्लब के कई सदस्य मौजूद रहे।

सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 का उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया

84मिलियन टन उत्पादन कर बनाया कीर्तिमान

विशेष संवाददाता

रांची। सीसीएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए निर्धारित कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन 4 दिन शेष रहते प्राप्त किया। ज्ञात हो कि 84 मिलियन टन अभी तक का सबसे अधिक उत्पादन लक्ष्य था। सीसीएल के अधिकतर क्षेत्र समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया है जो की बहुत प्रशंसनीय है।

भारत सरकार, राज्य सरकार, कोल इंडिया लिमिटेड , सहयोगी कंपनियों ,स्थानीय प्रशासन तथा हितधारकों के सराहनीय मदद से सीसीएल ने समय से पहले अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त किया।

सीसीएल के सीएमडी, निदेशकगण, मुख्यालय के विभागाध्यक्षों एवं क्षेत्रों के महाप्रबन्धकों को लेकर एक टीम बनाई गयी थी , जो लगातार उत्पादन प्रक्रिया का मॉनिटरिंग एवं सहयोग कर रही थी। यह टीम क्षेत्रों में जाकर कामगारों के उत्साह वर्धन कर रही थी ताकि सीसीएल के सभी अधिकारी एवं कर्मी एक टीम भावना के तहत कार्य करें जिसके फलस्वरूप सीसीएल ने समय से पहले ही अपना उत्पादन लक्ष्य प्राप्त कर लिया। ज्ञात हो कि सीसीएल झारखंड के आठ जिलों - रांची, रामगढ़, हज़ारीबाग़, चतरा, बोकारो, गिरिडीह, पलामू और लातेहार में खनन गतिविधियां संचालित कर रहा है। सीसीएल द्वारा कोयले की आपूर्ति उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों सहित देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों को की जा रही है। सीसीएल अपने कमान क्षेत्रों एवं आस-पास के हितधारकों के समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सीसीएल द्वारा अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं परिचालित किये जाते हैं। इन योजनाओं का लाभ सीसीएल का कमान क्षेत्रों एवं आस-पास के लोगों को मिलता है। सीसीएल प्रतिदिन श्रमिक दिवस एवं प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को कोयला उत्पादन दिवस मना रहा है।

खरवार भोगता समाज विकास संघ ने मनाया नीलांबर-पीतांबर शहीद दिवस

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए हर्ष अजमेरा

प्रतिनिधि, हजारीबाग। गुरुवार को खरवार भोक्ता समाज विकास संघ के द्वारा शहर के नीलांबर पीतांबर चौक के समीप स्थित न्यू स्टेडियम में नीलांबर पीतांबर का शहीद दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बालदेव गंझू ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी हर्ष अजमेरा एवं करण जायसवाल के साथ ही संघ के कई पदाधिकारी मंचासीन हुए। वहीं इस कार्यक्रम में जेपी पटेल भी मौके पर पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत संघ के गणमान्य लोगों द्वारा नीलांबर पीतांबर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन कर अतिथियों को बुके देकर स्वागत किया गया।अपने अध्यक्षीय भाषण में बालदेव गझू ने शहीद नीलांबर पीतांबर के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए आज के युवाओं को उनसे सीख लेते हुए राष्ट्र निर्माण में सहयोग देना चाहिए।अपने संबोधन में समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने शहीदों को नमन करते हुए उनकी वीरता की प्रशंसा की। कहा कि जब भी स्वतंत्रता संघर्ष की चर्चा होगी,नीलांबर पीतांबर की शहादत स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।कार्यक्रम में सचिव खुलेश्वर कुमार भोक्ता, कोषाध्यक्ष विजय सिंह भोक्ता, गौतम गंझु, धनराज सिंह भोक्ता, मालती देवी, बबिता देवी समेत सैकड़ों की संख्या में भोगता समाज के लोग मौजूद थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

प्रतिनिधि,बड़कागांव। हजारीबाग लोकसभा भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के बड़कागांव स्थित आवास पर पश्चिमी मंडल भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक मंडल अध्यक्ष आदित्य साहू सोनी की अध्यक्षता में की गई। बैठक का संचालन महामंत्री नरसिंह प्रसाद एवं इंद्र भूषण ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में बड़कागांव पश्चिम मंडल के 12 पंचायत को 4 कलेक्टर में विभक्त कर सर्वेक्षण दल का गठन किया गया। यह सर्वेक्षण दल पूर्व से किए गए बूथ स्तरीय कमेटी का पुर्ननिरीक्षण किया जाएगा। पहला कलस्टर चेपाकला, सिंदुआरी,डाडीकला पंचायत को मिलाकर एक कलेक्टर बनाया गया है।दूसरा कलस्टर में सिकरी, सिरमा, कांडतरी पंचायत को शामिल किया गया है।तीसरा कलस्टर में बड़कागांव पश्चिम, मध्य एवं पूर्वी पंचायत शामिल है।जबकि चौथा कलस्टर में सांढ,चंदौल एवं महुगाईकला पंचायत शामिल है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधानसभा संयोजक पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि सभी कार्यकर्ता निष्ठा पूर्वक अपने-अपने कार्यों का निर्वहन में लग जाए। बैठक में टुकेश्वर प्रसाद, अवधेश मिश्रा, पुष्कर अग्रवाल, कैलाश साव, नर्सिंग प्रसाद, इंद्र भूषण, बैजनाथ कुमार साव, अवध किशोर यादव, ज्ञानेश्वर शर्मा, गणेश साव, शिव शंकर मेहता, कैलाश साव अनुज कुमार यादव, रामचंद्र महतो, रामेश्वर चौरसिया, खेमानी साव, अवध किशोर यादव, बैजनाथ साव, रीता देवी, प्रदीप कुमार दांगी, नंदलाल महतो, भोला प्रसाद दांगी, राजकुमार राणा,पुष्कर अग्रवाल, लालमणि महतो, नर्सिंग प्रसाद, शिव शंकर कुमार, तीला नाथ साव,अनीता देवी, अरुण मालाकार, इंद्र भूषण, मोहन साव, चंदन सिंह, मेवालाल नाग, ललित कुमार, स्वरूप नारायण महतो उपस्थित थे।

सीएमपीडीआई परिवार के चार सदस्य सेवानिवृत्त

वरीय संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई परिवार के चार सदस्यों के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आज संस्थान के ''कांफ्रेंस हॉल'' में एक विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इनमें अशोक प्रसाद-महाप्रबंधक (उत्खनन), राज किशोर यादव-सहायक सुरक्षा अवर निरीक्षक, शिव प्रसाद राम-यूडीसी एवं अनिता एक्का-वरीय डीईओ शामिल हैं।

इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पौधा, मान-पत्र, प्रतीक चिह्न व शॉल देकर कम्पनी की ओर से सम्मानित किया और सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदान की प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार एवं निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) अच्युत घटक, वरीय सलाहकार (माइनिंग) एके राणा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के योगदान की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।

मौके पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्षगण ने भी सभी सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिवारजनों के लिए मंगल कामना की।इस अवसर पर यूनियन के प्रतिनिधि प्रलय भट्टाचार्या एवं टुकलाल, सीएमओएआई के प्रतिनिधि राम स्वरूप खिलेरी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण उप महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) सुमन रस्तोगी, मंच का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन उप प्रबंधक (राजभाषा) अभय मिश्र ने किया।

उक्त जानकारी संजय कुमार दुबे

महाप्रबंधक (टीएस/ जनसम्पर्क) ने दी।

हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से जेपी पटेल बनें कांग्रेस के उम्मीदवार, बरही के कांग्रेसियों ने किया मुलाकात, दी बधाई

स्व. टेकलाल महतो की पहचान उत्तरी छोटानागपुर में आंदोलनकारी नेता के रूप में थी, उनके पुत्र है जेपी पटेल - अब्दुल मनान वारसी

प्रतिनिधि, बरही। कांग्रेस ने मांडू विधायक जेपी पटेल को हजारीबाग संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। उम्मीदवार बनाये जाने के बाद बरही के कांग्रेसियों ने हजारीबाग कांग्रेस कार्यालय में जेपी पटेल से मुलाकात करते हुए उन्हें बधाई दी। बरही प्रखण्ड कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जेपी पटेल के साथ धार्मिक न्यास बोर्ड अध्यक्ष जयशंकर पाठक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र यादव भी मौजूद थे। इस दौरान कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने कहा कि जेपी पटेल वंशानुगत राजनीतिक कार्यकर्ता है। कहा कि गिरिडीह के पूर्व सांसद और मांडू से पांच बार विधायक रहे झामुमो नेता स्व. टेकलाल महतो की पहचान पूरे उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में आंदोलनकारी नेता के रूप में थी। महाजनी प्रथा व धान पेडी की लेवी के खिलाफ चलाये गये आंदोलन के अलावा झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी सक्रियता रही। बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर शिवाजी समाज का गठन कर बाल विवाह के अलावा अन्य सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाया था। साधारण धोती-कुर्ता और कंधे पर हमेशा एक हरा गमछा उनकी पहचान थी। कहा कि वर्ष 1997 में एकीकृत बिहार विधानसभा में टेकलाल महतो ने ही सर्वप्रथम झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित कराया था। इनके पिता स्व. दौलत महतो साधारण किसान तथा और माता स्व. रेशमी देवी गृहिणी थीं। तीन भाइयों में मंझले टेकलाल महतो का जन्म 15 फरवरी 1945 को हुआ था। रांची से एलएलबी की पढ़ाई की थी। शिक्षा विभाग में उन्हें नौकरी मिली थी, लेकिन जनसेवा के जुनून के कारण नौकरी छोड़ कर राजनीति में सक्रिय हो गये। श्री वारसी कहा 70 के दशक में हजारीबाग के विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत खरकी पंचायत के लकमा में महाजनी प्रथा के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय ग्रामीण साधु, सैयनाथ व शनिचर महतो की मौत सीआरपीएफ की गोली से हो गयी थी। इस आंदोलन का नेतृत्व टेकलाल महतो कर रहे थे। उन्होंने धान पेडी की लेवी को काला कानून बताया था। इसके तहत किसानों को 10 रुपये क्विंटल की दर से धान सरकार को बेचना था। झारखंड व छोटानागपुर क्षेत्र के किसान इसके खिलाफ गोलबंद हुए। आंदोलन की अगुवाई कर रहे टेकलाल महतो का कहना था कि सिंचाई की सुविधा नहीं है तो लेवी भी नहीं देंगे। इस आंदोलन ने संयुक्त बिहार सरकार को हिला दिया और उसे झुकना पड़ा था। जेपी पटेल उनके पुत्र है और कांग्रेस पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया है। मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन अंसारी, मंडल अध्यक्ष रघुवीर यादव, किसान मोर्चा अध्यक्ष महेश यादव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजू राणा, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष गुलजार अंसारी, गोविंद यादव, मो रिजवान, छोटेलाल यादव, बिरेन्द्र यादव सहित अन्य कांग्रेसी शामिल थे।

गिरिडीह स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। गिरिडीह स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा हुट्टी बाजार स्थित शहीद सीताराम उपाध्याय चिल्ड्रेन पार्क में गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।मौके पर एसोसिएशन के द्वारा स्वयं सेवी संस्था खिदमत के सेक्रेटरी सईद अख्तर और सलूजा गोल्ड के डायरेक्टर सतविंदर सिंह सलूजा को वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग के विजेता खिलाड़ी मोहम्मद उस्मान और हम्माद अख्तर ने शॉल ओढ़ाकर व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मौके पर खिदमत के सेक्रेटरी सईद अख्तर और सलूजा गोल्ड के डायरेक्टर सतविंदर सिंह सलूजा ने यह सम्मान देने के लिए दोनों विजेता खिलाड़ियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोहम्मद उस्मान और हम्माद अख्तर ने हैदराबाद में आयोजित हुए वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गिरिडीह ही नही बल्कि पूरे राज्य का नाम रौशन किया है। उक्त चैम्पियनशीप में मोहम्मद उस्मान ने एक गोल्ड और एक कांस्य पदक जीता था। वहीं हम्माद अख्तर ने एक रजक पदक हासिल किया था। कहा कि ऐसे होनहार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में हम लोग हर संभव मदद करेंगे।

वहीं स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन के दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि उनकी इस सफलता के पीछे खिदमत के सेक्रेटरी सईद अख्तर और सलूजा गोल्ड के डायरेक्टर सतविंदर सिंह सलूजा का सराहनीय योगदान रहा। कहा कि उनका का सहयोग इसी तरह मिलता रहा तो वेलोग ओर बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

नवजात बाछी को चुराते हुए युवक ने बचाया

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। गिरिडीह में मधुबन स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थस्थल पार्श्वनाथ के पहाड़ पर एक नवजात बाछी को चुराते हुए डुमरी प्रखण्ड के युवक ने एक अन्य युवक को रोका।जिसके बाद पार्श्वनाथ पर्वत पर चोपड़ा कुंड से कुछ दूरी पर स्थित आसपास के ढाबों से लोग निकल कर घटनास्थल पर सामने आए। उन्होंने बताया कि हाल ही में गाय ने उक्त बाछी को जन्म दिया है।जबकि धनबाद से पहुंचा उक्त युवक उक्त बाछी को लेकर भाग रहा था।जिस पर अपने साथियों के साथ जैनियों के भगवान महावीरजी के निर्वाणस्थल पार्श्वनाथ के दर्शन कर लौटने के क्रम में डुमरी के भानु शक्ति की उक्त बाछी को लेकर भागते हुए उक्त युवक पर नज़र पड़ी,तो उसने अपनी मां से अलग कर लिए जा रहे बाछी को छुड़ाया और उक्त युवक से मुक्त कराकर उसे ढाबे वाले को सौंपकर गौ माता तक पहुंचा दिया।

इधर बताया जाता है कि मधुबन स्थित गोशाला में रखे जा रहे गोवंशीय पशुओं को उन्मुक्त रूप से चरने के लिए पहाड़ के जंगलों में असुरक्षित रूप से छोड़ दिया जाता है।

यहां बता दें कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गोवंशीय तस्करों के पास से पकड़े गए गोवंशीय पशुओं को मधुबन गोशाला पहुंचाया जाता है।जबकि ये बेजुबान मासूम पशुएं वहां भी सुरक्षित नहीं जान पड़ती हैं।जिस पर प्रशासन को विशेष नजर रखने की आवश्यकता है।

सारथी सहायता संगठन वाहन दुर्घटना में चोटील लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है

प्रतिनिधि,चौपारण (हजारीबाग)। वाहन दुर्घटना में चोटिल लोगों के लिए सारथी बनकर सारथी सहायता संगठन उभर रहा है। सारथी सहायता संगठन के सदस्यों ने चौपारण के प्रखण्ड कार्यालय हरि मार्केट में हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह सह वार्षिक समेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में होली मिलन के साथ साथ संगठन के कुछ सदस्य जो वाहन दुर्घटना में चोटिल हो गए थे जो कि अब बिल्कुल स्वस्थ हो गए हैं उन्हें आर्थिक सहयोग देकर मदद भी की गई। जिनमें मृत्युंजय कुमार सिंह हरदिया को 2,25000 रुपया का चेक, उज्ज्वल कुमार सिंह केंदुआ को 28,602 रुपया का चेक, प्रभात कुमार सिंह महुंगाई को 41,407 रुपया का चेक,राम प्रवेश सिंह रानिक 42,750 रुपया का चेक,पप्पू कुमार सिंह खराहुवां को 15,427 रुपया का चेक देकर मदद किया गया। कार्यक्रम में मौके पर संगठन के अध्यक्ष गौतम सिंह,कार्यकारी सदस्य पंकज कुमार सिंह,कोर कमेटी सदस्य चंदन कुमार सिंह, राम सागर सिंह, मनीष कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, रवीश सिंह कर्मवीर सिंह, शिव कुमार सिंह, सौरव कुमार सिंह कृष्णा सिंह, एवं सैकड़ों की संख्या में संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट, 6 लोग भेजें गए जेल

प्रतिनिधि,इटखोरी (चतरा)। इटखोरी होली के दिन धनखेरी चौक पर दो पक्षों के कुछ युवाओं ने मामूली बात को लेकर मारपीट कर लिया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुछ युवक आंशिक रूप से घायल हुए हैं। बाद में इसकी सूचना इटखोरी पुलिस को दी गई। पुलिस सूचना के बाद तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों के लोगों को समझा बूझाकर मामला शांत करवाया। फिर दोनों पक्षों के लोगों ने इटखोरी थाना में मारपीट में शामिल युवकों के विरुद्ध अलग-अलग आवेदन देकर मारपीट करने संबंधित मामला दर्ज करवाया। जिसमें पुलिस ने एक पक्ष से निखिल कुमार यादव, अजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार यादव और दूसरे पक्ष के क्यूम आलम, मोहम्मद अरबाज एवं मोहम्मद फिरोज को गिरफ्तार कर बुधवार को चतरा जेल भेज दिया है।

युवक युवती का शव कुएं से बरामद, मची सनसनी

प्रतिनिधि,मेराल(गढ़वा)। मेराल थाना क्षेत्र के रजबंधा गांव में सरकारी विद्यालय के पास रामनाथ ठाकुर के पक्का कुएं से एक युवक और एक युवती का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जिसकी खबर आग की तरह फ़ैल गई, इसके बाद दोनों के शवों को देखने के लिए घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठी हो गई। इसकी सूचना ग्रामीणों ने मेराल थाना को दी। जिसके बाद पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंच कर शवों को कुएं से निकालकर अपने कब्जे में लेते हुए छानबीन में जुट गई। मृतक युवक की पहचान नगर उंटारी थाना क्षेत्र के गंगटी गांव निवासी सीताराम विश्वकर्मा(उम्र करीब 32 वर्ष) पिता स्व. बच्चा विश्वकर्मा के रूप में की गई, जबकि युवती वर्षा कुमारी(उम्र करीब 20 वर्ष) पिता लाल सिंह रजबंधा गांव के ही रहने वाली थी। युवक के परिजनों ने मृतक लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस अधीक्षक गढ़वा दीपक पाण्डेय एवं एसडीपीओ नीरज तिवारी भी मामले की जांच करने घटनास्थल पर पहुंचे। जांच के बाद दोनों के शव को पुलिस ने अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया।

स्वीप कार्यक्रम के तहत बगोदर व जमुआ प्रखंड में मतदाता जागरूकता अभियान चला

मतदाताओं को जागरूक करने लिए अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। लोकतंत्र का महापर्व लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को बगोदर व जमुआ प्रखंड के विभिन्न क्लस्टरों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप के तहत लोगों को जागरूक किया गया। मौके पर सभी को लोकतांत्रिक देश का जिम्मेदार नागरिक होने के नाते अपने मत का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा मतदान के महत्व तथा निर्वाचन प्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही 1950 वोटर हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो। यदि किसी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं है तो उसे बीएलओ के माध्यम से या वोटर हेल्प लाइन एप के माध्यम से फॉर्म 6 अवश्य भरने और प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्हें शपथ दिलाई गई कि वे लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही अपने घरों व आस पड़ोस के लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने का हर संभव प्रयास करेंगे। साथ ही उन्हें अपने स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने लिए अपनी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया।

शतचण्डी सह दुर्गा प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर बुचई गाँव में हुआ ध्वजारोपन

प्रतिनिधि, बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत तुईयो पंचायत के बुचई गाँव में आगामी 9 अप्रैल से होने 11 दिवसीय श्री श्री 108 श्री शतचण्डी महायज्ञ सह दुर्गा प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर भूमि पूजन व ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोपन की विधिवत कार्य कथावाचिका कृष्ण नन्दी जी वृंदावन, यज्ञाचार्य श्री प्रकाश पाण्डेय जिला हजारीबाग के द्वारा संयुक्त रुप से वैदिक मंत्रोच्चारण कर किया गया। तत्पश्चात गाजे-बाजे के साथ क्षेत्र भ्रमण किया ! जिसमें पूरा इलाका वैदिक संस्कृति के मंत्रोच्चारण और जय श्री राम के नारों और जय माँ दुर्गा से गूंज उठा, विदित हो की आगामी 9 अप्रैल से भव्य कलश शोभायात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ किया जाएगा ! मौके पर विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, पंचायत समिति प्रतिनिधि संतोष शर्मा, पूर्व मुखिया दशरथ यादव, शंकर यादव, परमेश्वर , संजय यादव, सिकंदर , सहदेव तेजलाल राणा, संतोष , त्रिवेणी यादव, सरोज , राजकुमार राणा समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाज़ार में लगी भीषण अग्निकांड में 10 दुकानें जलकर खाक

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। गिरिडीह में बगोदर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार की सुबह करीब 5:30 बजे बगोदर बाजार के 10 फुटपाथ दुकानों में भीषण आग लग गई।इस अग्निकांड में सभी दुकानें पूरी तरह से जलकर राख हो गई।पर्याप्त समय तक फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नहीं होने की वजह से दुकानदार तथा आसपास के लोग मूक दर्शक बनकर इस भीषण अग्निकांड को देखते रह गए।कुछ नहीं कर पाए। अग्निकांड के समय पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंच चुके थे, लेकिन दमकल बहुत देर से पहुंची जिसके कारण कुछ बचाया न जा सका।

घटना की सूचना मिलने पर बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह तथा पूर्व विधायक नागेंद्र महतो भी घटनास्थल पर पहुंचे।उन्होंने घटना का जायजा लिया।साथ ही घटना पर दुख जताया।मिली जानकारी के मुताबिक सभी दुकानों को मिलाकर लगभग 30 लाख रुपये मूल्य के सामान का नुकसान बताई जा रही है।इस अग्निकांड ने यहां के कई परिवारों के जीवन तथा आशाओं को मुश्किल में डाल दिया है।

करोड़ों के असंख्य योजनाओं का ढिंढोरा पीटने वाले नेताओं तथा प्रशासन की अदूरदर्शिता के कारण किसी तरह जीवन यापन कर रहे ये लोग फिर से सड़क पर आ गए हैं क्योंकि इनके रोजगार छिन गए।लोगों ने आशा व्यक्त की है कि स्थानीय प्रशासन उनके रोजगार की तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था एवं सहयोग की दिशा में अवश्य पहल करेगी।वैसे लंबे समय से पर्याप्त समय में फायर बिग्रेड उपलब्ध कराने की मांग लंबे समय से उठती रही है।

पोस्टल बैलेट को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बैठक

पोस्टल बैलट से मतदान करने के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का उचित अनुपालन होगा

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। लोकसभा आम निर्वाचन एवं 31गांडेय विधानसभा उप चुनाव 2024 के निमित्त पोस्टल बैलेट को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी,श्री नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकसभा चुनाव में आवश्यक सेवा में लगे अनुपस्थित वोटर्स को पोस्टल बैलेट द्वारा मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने पर विमर्श किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों को अब्सेंटी वोटर्स की सूची तैयार करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के दिन ड्यूटी पर रहनेवाले भी वोट दे सकेंगे। उन्हें पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाएगी। जिले में पोस्टल बैलेट वोटरों का डाटाबेस तैयार होगा। इसके अलावा जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि रेलवे, बीएसएनएल, अग्निशमन, जीआरपी, एफसीआई, पीठासीन व मतदान पदाधिकारी, सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट, सुरक्षा कर्मी, चुनाव में प्रयोग किए जाने वाले वाहनों के चालक सहित लोकसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन कर्तव्य के लिए किसी भी रूप में प्रतिनियुक्त व्यक्ति का डाटाबेस तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पोस्टल बैलट से मतदान करने के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन होगा। एक बार जो भी कर्मी पोस्टल बैलट से मतदान करने के लिए फॉर्म जमा करेंगे। उन्हें पोस्टल बैलट से ही मतदान करना होगा।

बैठक में उपरोक्त के अलावा उप निर्वाचन पदाधिकारी, सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी,सभी जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी समेत निर्वाचन विभाग के अधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल

प्रतिनिधि,मनिका(लातेहार)। मनिका थाना क्षेत्र के रांची - डाल्टनगंज मुख्य मार्ग के करमाही के समीप गुरूवार की शाम लगभग 6 बजे बाइक अनियंत्रित हो जाने से बाईक में बैठे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि कोपे पंचायत के जेरूवा गांव निवासी आशीष सिंह और मनोज सिंह जोगनाटांड से मेला देखकर आ रहे थे। इसी दौरान करमाही के समीप बाइक चालक असंतुलित हो गया और सड़क किनारे गिर गया। जिसमें दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। समाजसेवी अख्तर अंसारी ने घायल युवको को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। वहीं घायल युवको को डॉक्टरों ने प्रथमिक उपचार किया।

मारवाड़ी युवा मंच के प्रेरणा शाखा द्वारा अन्नपूर्णा रसोई का वितरण

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। गुरुवार को मारवाड़ी युवा मंच गिरिडीह प्रेरणा शाखा के द्वारा अन्नपूर्णा रसोई का वितरण हर माह की तरह इस माह भी जरूरतमंद के बीच किया गया।गुरुवार को अन्नपूर्णा रसोई का वितरण समाज की सम्मानित महिला श्रीमती राखी झुनझुनवाला के जन्मदिन के शुभ उपलक्ष्य पर करवाया गया। इस नेक कार्य हेतु गिरिडीह प्रेरणा शाखा ने उनका आभार व्यक्त कर अभिनंदन किया। साथ ही गिरिडीह की तमाम जिले वासियों से यह आग्रह किया है कि आगे बढ़कर आप भी इस नेक काम का हिस्सा बने और पुण्य के भागी बने। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा की सदस्य सोनू चौधरी, किरण शर्मा, सचिव रूचि खैतान, प्रेरणा शाखा की सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

पूसू प्रतिनिधि,गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत सिहोडीह स्थित पटेल नगर में चोरों ने एक बंद घर को अपना निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया।जिसमें चोरों ने बंद घर का ताला तोड़ कर लाखों रुपए के जेवरात, दो एलईडी समेत अन्य सामान और 15 हजार रुपए नगद पर हाथ साफ कर लिया। घटना के बारे में गृह स्वामी को तब पता चल जब वह गांव से होली का पर्व मना कर वापस लौटे। इस संबंध में गृह स्वामी सिविल कोर्ट के कर्मी राजदेव रजक ने बताया कि होली का त्योहार मनाने वह अपने पूरे परिवार के साथ चतरो स्थित अपने गांव गए हुए थे। चार दिन बाद जब वह गांव से वापस लौटे तो देखा कि ग्रील का छिटकनी टूटा हुआ है और घर में चोरी हो गई है। लोगों ने बताया कि बीते दो महीने के अंदर इस इलाके में चोरी की आठ घटना घट चुकी है।

माँ नगीना शाही महिला महाविद्यालय में स्वीप के तहत कार्यशाला सम्पन्न

प्रतिनिधि,गढ़वा। दिनांक 28 मार्च दिन गुरूवार को गढ़वा जिले के नगर उंटारी स्थित माँ नगीना शाही महिला महाविद्यालय में आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु स्वीप कोषांग के तहत नैतिक मतदान एवं श्रङ्क्रू ड्ड्ड्ढ्क्ष् के संबंध में जागरूक करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां ईवीएम वीवीपीएटी की पारदर्शिता के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बारी-बारी कर उक्त विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया। डमी ईवीएम एवं वीवीपीएटी के माध्यम से इसके कार्य प्रणाली की जानकारी दी गई और बताया गया कि कोई भी मतदाता ईवीएम के माध्यम से मतदान करते समय वीवीपीएटी मशीन पर रियल टाइम में दबाए गए बटन के सामने छपे चुनाव चिन्ह का मिलान कर सकता है। मतदान का यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है। इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों पर मतदाता ध्यान ना दें। स्वीप के पदाधिकारियों द्वारा एथिकल वोटिंग यानी नैतिक मतदान को लेकर बताया गया कि हमें अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल देश के विकास के लिए अवश्य करना चाहिए। हर एक वोट कीमती है, इसलिए मतदान दिवस के दिन अपने घरों से बाहर आयें और अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें तथा अन्य मतदाताओं को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें। अमीर हो चाहे गरीब सभी वर्ग के पास मतदान करने का अधिकार है, हर एक वोट कीमती है, इसे व्यर्थ न जाने दें। इस दौरान नैतिक मतदान को लेकर उपस्थित कॉलेज कर्मियों के बीच अपनी बातों को रखा गया। उनसे अपील किया कि सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश एवं राज्य के सर्वांगीण विकास में भागीदारी बने। किसी भी प्रकार के प्रलोभन में ना आए ना ही किसी के दबाव में आकर वोट करें। अपने मर्जी से पूरी सूझबूझ के साथ मतदान करें। इस दौरान ष्ट-1द्वद्दद्य श्चश्च, ह्र्यस्रूस्र श्चश्च एवं ड्क्शह्लद्गह्ल ॥द्गद्यश्चद्यद्बठ्ठद्ग श्चश्च की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि नए मतदाता वोटर हेल्पलाइन श्चश्च के माध्यम से मतदाता सूची में नाम दर्ज कर सकते हैं। साथ ही किसी भी प्रकार के सुधार या सहायता के लिए भी इस श्चश्च का इस्तेमाल कर सकते हैं। ष्ट-1द्वद्दद्य श्चश्च के माध्यम से आप चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। ष्ट-1द्वद्दद्य श्चश्च के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि चुनाव के दौरान किये जा रहे गड़बड़ी/धांधली आदि की शिकायत सरल तरीके से की जा सकती है, जिसमें शिकायतकर्ता की गोपनीयता भी भंग नहीं होती एवं त्वरित कार्रवाई की जाती है। सरकारी सेवक जो मतदान कार्य मे संलग्न हैं, को भी अपने मतों का उपयोग डाक मतपत्र के द्वारा अवश्य करने की अपील की गई। कार्यशाला में लोगों द्वारा मतदान एवं मतदाता आदि के बारे में कुछ प्रश्न किए गए, जिन्हें स्वीप के तहत कार्यशाला में उन्हें उनके प्रश्नों के उत्तर से अवगत कराया गया एवं संदेह को दूर किया गया। इसके अतिरिक्त उक्त महिला महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत श्वस्ट के सदस्यों के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6 भरने की प्रक्रिया, मतदाता पहचान पत्र में प्रविष्टियों की सुधार हेतु फॉर्म 8, मतदाता सूची में नाम हटाने हेतु फॉर्म 7 के बारे में विस्तार से बताया गया। सभी को स्वीप के तहत भावी मतदाता, चुनाव पाठशाला, वोटर अवेयरनेस फोरम, मतदाता जागरूकता समूह सहित विभिन्न विषयों के बारे में समझाया गया। शिक्षकों की मदद से डेमोक्रेसी रूम तैयार की गई। साथ ही साथ सभी छात्राओं को वोटर हेल्पलाइन एप, सक्षम एप, ष्ट-ड्ढ्ढद्बद्दरु एप्प सहित विभिन्न ऑनलाइन माध्यम का उपयोग कर समझाया गया। सभी छात्राओं को सांप सीढी, भुलभुलैया जैसे खेलो के माध्यम से जागरूक करने की जानकारी दी गई। उक्त मौके पर स्वीप के तहत उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा मतदाता जागरूकता का कार्य करने हेतु अपील की गई। उन्होंने युवा वर्ग को अवश्य मतदान में अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। इस बार मतदान का दर 80 प्रतिशत तक बढ़ाने हेतु मतदाताओं से अपील की गई। उन्होंने कॉलेज में उपस्थित लोंगों को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की बात कही। मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु विभिन्न आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने की बात कही गई। कार्यक्रम में मौके पर मास्टर ट्रेनर कौशल कुमार, जितेंद्र कुमार एवं छात्रायें प्रियंका कुमारी, मानसी कुमारी श्रीवास्तव, बेबी कुमारी, श्रेयसी कुमारी, सलमा खातून, सबाना प्रवीण इत्यादि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थें।

चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में कालीचरण सिंह को टिकट मिला

- **होली का उत्साह हुआ दुगुना पहली बार चतरा लोकसभा क्षेत्र को मिला स्थानीय उम्मीदवार**
- **कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल जमकर उड़े अबीर गुलाल**

प्रतिनिधि, इटखोरी (चतरा)। भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड के सभी सीटों से अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। चतरा और धनबाद लोकसभा सीट को लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी और अंतिम समय में पार्टी ने अपने प्रत्याशियों के नाम के आगे मोहर लगा दी है। झारखंड में चतरा लोकसभा से भाजपा की दावेदारी और उम्मीदवारी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म था, कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे खैर 24 मार्च को तमाम अटकलें और कयासों पर विराम लग गया। लगातार चतरा लोकसभा सीट पर दो बार प्रचंड वोट से विजयी रहे सांसद सुनील कुमार सिंह का टिकट काट दिया गया और उनके स्थान पर चतरा लोकसभा के स्थानीय निवासी कालीचरण सिंह को भारतीय जनता पार्टी की ओर से उम्मीदवार घोषित किया गया। चतरा लोकसभा में इस बार स्थानीय प्रत्याशी की मांग जोर पकड़ ली थी। केंद्रीय नेताओं और संगठन के समक्ष स्थानीय कार्यकर्ता कई बार अपनी नाराजगी और व्यथा प्रकट कर चुके थे। आखिरकार भाजपा ने कार्यकर्ताओं के जिद के आगे अपने हथियार डाल दिए और चतरा लोकसभा संसदीय इतिहास में पहली बार किसी स्थानीय को लोकसभा का टिकट दी है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह पहला अवसर है की चतरा जैसे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्थानीय उम्मीदवार के नाम का चयन हुआ।

चतरा निवासी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कालीचरण सिंह को टिकट मिल गया है। पार्टी ने मोहर लगा दी है। कालीचरण सिंह टिकट लेकर दिल्ली से चतरा लौट कर 25 मार्च को चतरा जिले के ऐतिहासिक मां भद्रकाली मंदिर अपने समर्थकों के साथ पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। यहां पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहली बार चतरा लोकसभा में किसी कार्यकर्ता को ही टिकट मिला है। यह यहां के जनता का आशीर्वाद है। वे लोगों के आदेश का पालन करने के लिए तत्पर हैं।

उन्होंने कहा कि मैं यहां पला हूं, बढ़ा हूं और यहां पढ़ा हूं। हर एक समस्या से वाकिफ हूं। बिना रुके हुए 24 घंटे काम करने का उनका प्रयास रहेगा। आम जनता, राज्य और केंद्र से समन्वय व सहयोग से क्षेत्र का विकास किया जाएगा।

युवाओं को रोजगार का ज्यादा सुविधा मिले इसका भी एक ख्याल रखेंगे। मौके पर सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास, जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता जीतन राम समेत हजारों कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थे। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में भारतीय जनता पार्टी के चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार कालीचरण सिंह ने कहा कि मेरा जुड़ाव यहां की मिट्टी से रहा है मैं यहां की एक-एक समस्याओं से वाकिफ हूं अगर मैं चुनाव जीत कर जाऊंगा तो निश्चित रूप से चतरा लोकसभा क्षेत्र जहां विकास से कोसों दूर है उसे विकास के पटरी पर लाने का हर संभव प्रयास करूंगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि, गढ़वा। 27 मार्च बुधवार को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी के क्रम में आज दिनांक 03 मार्च 2024 को आर के गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय गढ़वा में दो पालियों में कुल 1148 पीठासीन पदाधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम आहूत किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर, अपर समाहर्ता मतियस विजय टोप्पो तथा जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया तथा प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षण कमरे के निरीक्षण के दौरान चुनाव कार्य में लगने वाले पीठासीन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि इस बार सभी मतदान कर्मियों को मतदान केंद्र पर जाना है। क्लस्टर की व्यवस्था इस बार नहीं है। इसलिए आज सभी को पूरी तन्मयता के साथ प्रशिक्षण लेना आवश्यक है, ताकि मतदान सुगमतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण सत्र के दौरान ही डाक मतपत्र कोषांग द्वारा चुनाव कार्य में लगने वाले कर्मियों को फॉर्म 12, चुनाव ड्यूटी का पत्र तथा फोटो पहचान पत्र की छायाप्रति प्राप्त की गई ताकि ऐसे कर्मी भी चुनाव आयोग के निदेशानुसार अपना वोट दे सकें। वरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग -सह- अपर समाहर्ता द्वारा बताया गया कि दिनांक 28 मार्च 2024 को प्रथम मतदान पदाधिकारी का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा जबकि दिनांक 30 मार्च 2024 को द्वितीय मतदान पदाधिकारी तथा दिनांक 01 अप्रैल 2024 को तृतीय मतदान पदाधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस हेतु संबंधित कर्मियों को पत्र भी तामिला कराया जा चुका है। दिनांक 02 अप्रैल 2024 को महिला मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराना निर्धारित किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि, गढ़वा। आगामी लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी के क्रम में दिनांक 28 मार्च दिन गुरूवार को आर के गोविंद प्लस टू उच्च विद्यालय गढ़वा में दो पालियों में कुल 1148 प्रथम मतदान पदाधिकारी अर्थात पी-1 का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय द्वारा संयुक्त रूप से प्रशिक्षण स्थलों का निरीक्षण किया गया। मौके पर नोडल पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग -सह- अपर समाहर्ता मतियस विजय टोप्पो तथा प्रभारी पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग -सह- जिला भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद भी उपस्थित थें। उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को

आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षण कमरे के निरीक्षण के दौरान चुनाव कार्य में लगने वाले मतदान पदाधिकारियों को निदेशित किया गया कि इस बार सभी मतदान कर्मियों को मतदान केंद्र पर जाना है। क्लस्टर की व्यवस्था इस बार नहीं है। इसलिए आज सभी को पूरी तन्मयता के साथ प्रशिक्षण लेना आवश्यक है, ताकि मतदान सुगमतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। प्रशिक्षण सत्र के दौरान ही डाक मतपत्र कोषांग द्वारा चुनाव कार्य में लगने वाले कर्मियों को फॉर्म 12, चुनाव ड्यूटी का पत्र तथा फोटो पहचान पत्र की छायाप्रति प्राप्त की गई ताकि ऐसे कर्मी भी चुनाव आयोग के निदेशानुसार अपना वोट दे सकें। मौके पर उपायुक्त द्वारा प्रशिक्षण पा रहे मतदान पदाधिकारियों से ईवीएम एवम वीवीपीएटी आदि के व्यावहारिक जानकारी के बारे में पूछी गई। वरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग -सह- अपर समाहर्ता द्वारा बताया गया कि आज दिनांक- 28 मार्च 2024 को प्रथम मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें कुल 1148 प्रथम मतदान पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 01 बजे तक एवं द्वितीय पाली 02 बजे अपराह्न से 05 बजे अपराह्न तक आयोजित की गई। कुल 15 कमरों 40-40 की संख्या में मतदान पदाधिकारियों को कुल 43 मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक- 30 मार्च 2024 को द्वितीय मतदान पदाधिकारी तथा दिनांक 01 अप्रैल 2024 को तृतीय मतदान पदाधिकारी का प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस हेतु संबंधित कर्मियों को पत्र भी तामिला कराया जा चुका है। दिनांक- 02 अप्रैल 2024 को महिला मतदान पदाधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराना निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा स्थानीय जिला नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया गया। लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर संयुक्त रूप से जिला कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों को सुचारू रूप से नियंत्रण कक्ष के संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। साथ ही नियंत्रण कक्ष में सभी बुनियादी सुविधाओं यथा- शौचालय, पेयजल की व्यवस्था आदि को दुरुस्त करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया।

इमरजेंसी सेवाओं में संलग्न पदाधिकारियों/कर्मियों को पोस्टल बैलट के जरिए फॉर्म डी भरकर मतदान करने का निदेश

प्रतिनिधि, गढ़वा। पोस्टल बैलट के माध्यम से इमरजेंसी सेवाओं में लगे पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मतदान सुनिश्चित करने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा समाहरणालय गढ़वा के सभागार में बैठक किया गया। ऐसे लोगों को 12 डी फॉर्म के जरिए वोटिंग कराने की बात कही गई। हेल्थ डिपार्टमेंट, इलेक्ट्रिसिटी डिपार्टमेंट, रेलवे डिपार्टमेंट बीएसएल लिमिटेड, फायर एक्सटिंग्विश डिपार्टमेंट, जेल डिपार्टमेंट, डाकघर आदि विभागों में अनिवार्य सेवाओं में संलग्न कर्मियों एवं पदाधिकारियों को फॉर्म 12 ष्ठ का उपयोग करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करने की बात कही गई। पोस्टल बैलट के माध्यम से फॉर्म 12 ष्ठ अनिवार्य रूप से भरकर अगले दो दिनों के अंदर संबंधित कार्यालय में जमा करने हेतु उपस्थित विभिन्न अनिवार्य सेवा से संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को कहा गया। मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील किया गया कि 13 मई 2024 को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के दिन वैसे प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि जो अपने कार्यों के कारण मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने में असमर्थ है, वैसे मीडिया प्रतिनिधि फॉर्म 12 ष्ठ जरुर भरें। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, सिविल सर्जन, अशोक कुमार , जिला जनसंपर्क पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल, उत्पाद अधीक्षक समेत जेल, फायर ब्रिगेड, बीएसएनल, पोस्ट ऑफिस, रेलवे, मीडिया एवं अन्य के प्रतिनिधि उपस्थित थें।

राजमहल लोकसभा में एआईएमआई के प्रत्याशी होंगे पाल सोरेन

प्रतिनिधि, पाकुड़। शहर के बस स्टैंड के नजदीक में आयोजित पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में एआईएमआई झारखंड के जनरल सेक्रेटरी और राजमहल लोकसभा के संभावित प्रत्याशी पाल सोरेन ने भाग लिया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उसे फूल माला पहनाकर एवं पारंपरिक बाजा बजाकर उनका स्वागत किया। इस कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव को लेकर और पाकुड़ के समस्याओं को लेकर बहुत सारे मुद्दे पर चर्चा हुई और इस मीटिंग में तय किया गया के इस बार पार्टी झारखंड के 6 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जिसमें राजमहल भी शामिल है। इसमें मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर पार्टी के पाकुड़ जिला अध्यक्ष शमसाद आलम, जिले के प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज में से किसी भी एक दस्तावेज दिखाकर अपने मताधिकार का कर सकते हैं इस्तेमाल : उपायुक्त

प्रतिनिधि, पाकुड़। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के नेतृत्व में जिला प्रशासन सुगम, सहज, सुरक्षित एवं समावेशी चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 हेतु मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाताओं द्वारा निर्वाचक

फोटो पहचान पत्र (एपिक) या निम्नलिखित दस्तावेजों में से किसी भी दस्तावेज को दिखाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते है। जिनमे आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक/डाकघरों द्वारा जारी की गयी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय योजना अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, पैन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) अन्तर्गत भारत के महारजिस्ट्रार (आरजीआई) द्वारा निर्गत स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्रीय/राज्य सरकार/पीएसयू/ पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किया गया फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों /विधायकों/विधान पार्षदों को जारी किये गये आधिकारिक पहचान पत्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, और भारत सरकार द्वारा निर्गत विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र-यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) शामिल है।

शारीरिक रूप से अयोग्य कर्मियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति के लिए उपायुक्त ने दिया आदेश

प्रतिनिधि, पाकुड़। विगत 27 मार्च को पाकुड़ उपायुक्त मृत्युंजय बरनवाल ने जिला गोपनीय शाखा पत्रांक - 233/ गोश के द्वारा एक आदेश पारित कर जिले के लगभग 30 अयोग्य कर्मियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव 4 सप्ताह के अंदर सुनिश्चित करने का आदेश संबंधित विभाग को दिया है। पत्र में कहा गया है कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 में कई कर्मियों ने खराब स्वास्थ्य को आधार बनाते हुए निर्वाचन कार्य से विमुक्त करने हेतु अभ्यावेदन समर्पित किया था जिसे चिकित्सा दल द्वारा परीक्षण करने के बाद 30 कर्मियों को अयोग्य पाया गया जिसको लेकर उपायुक्त ने कहा कि वैसे कर्मी जो दैनिक सरकारी कार्यों का भी निर्वहन नहीं कर पाते वैसे कर्मी बिना कार्य किए प्रत्येक माह वेतन की राशि प्राप्त कर रहे हैं जिससे सरकारी खजाने पर वे वजह भार पड़ रहा है जो स्वीकार नहीं है। इसलिए वैसे खराब स्वास्थ्य कर्मियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव संबंधित विभाग को भेजा गया है।

ताला का चाबी रहेगा सांसद विजय हांसदा के पास - आदित्य तिवारी

प्रतिनिधि, पाकुड़। इन दोनों गांव से लेकर शहर तक चौक चौराहों में लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चाएं होना आम बात हो गई है। मतदाता और कार्यकर्ताओं में प्रत्याशियों को लेकर काफी हलचल सी दिखाई दे रही है। इसी से संबंधित राजमहल लोकसभा चुनाव को लेकर झामुमो के नगर उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी ने बताया कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र में फिर से झामुमो ही रिकॉर्ड तोड़ मत से विजय हासिल करेंगे। राजमहल लोकसभा क्षेत्र में भाजपा ने ताला मरांडी को अपना प्रत्याशी बनाया है वहीं झामुमो ने अपना प्रत्याशी की घोषणा अभी तक नहीं की है।

झामुमो के नगर उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी ने एक भेंट वार्ता में कई प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि राजमहल लोकसभा क्षेत्र झामुमो का गढ़ है। हालांकि पिछले दिनों कार्यकर्ताओं में असंतोष के वजह से नाराजगी चल रही थी लेकिन अब सब कुछ ठीक ठाक है। वर्तमान सांसद विजय हांसदा ने सभी की नाराजगी दूर कर क्षेत्र का विकास किया। प्रत्याशी के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ये आलाकमान तय करेगी कि प्रत्याशी किसे बनाया जाय। भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी मरांडी के बारे में कहा कि इस क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ेगा और ताला का चाभी सांसद विजय हांसदा के पास रहेगा। विधायक लोबिन हेंब्रम को लेकर उन्होंने कहा कि ये पार्टी को लेकर थोड़ा अनबन है जिसे गुरुजी शिबू सोरेन अपने स्तर से उन्हें मना लेंगे।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण

प्रतिनिधि, पाकुड़। गुरूवार को ईवीएम वेयर हाउस का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की जांच की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी उप निर्वाचन पदाधिकारी अभिषेक सिंह से लिया। उन्होंने वहां रखे ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख - रखाव का जायजा लिया। उल्लेखनीय हो कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी को प्रत्येक माह (बाहर) वेयर हाउस की स्थिति का निरीक्षण करना होता है एवं रखरखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को समर्पित करना होता है। इसी संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने निरीक्षण करते हुए उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक दिशा- निर्देश दिया तथा प्रतिवेदन मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजने का निर्देश दिया। मौके पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी प्रवीण केरकेट्टा एवं विभिन्न राजनीतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सशक्त और समर्पित कार्यकर्ता पलामू भारतीय जनता पार्टी के रीढ हैं : विष्णु दयाल राम

प्रतिनिधि, मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय जनता पार्टी की हुसैनाबाद नगर मंडल, हुसैनाबाद ग्रामीण मंडल एवं उर्धवार मंडल के मंडल एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओ की बैठक आज हुसैनाबाद के होटल रिद्धि सिद्धि में आयोजित की गई।

माननीय सांसद पलामू एवं पलामू लोकसभा से भाजपा सांसद प्रत्यासी विष्णु दयाल राम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा पलामू जिले का संगठन बहुत मजबूत है। यहां के कार्यकर्ता अनुभवी हैं। यही कारण है कि इस जिले का संगठन क्षमता के लिए प्रदेश ही नहीं देश में भी पहचाना जाता है। हमारे कार्यकर्ता बूथ पर मेहनत करते हैं और हम बूथ को जीतने के साथ ही चुनाव जीत जाते हैं। बीजेपी अपने बल पर 370 एवं सहयोगियों के साथ 400 पार करेगी हर बूथ पर 51 परसेंट वोट का लक्ष्य तय करे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो हमे वोट देने जरूर जाना है पहले हम मतदान करेंगे तब जलपान करेंगे। शहर के लोगो से खास निवेदन है की शहर में मतदान का प्रतिशत गिरता जा रहा है इसे बढ़ाने की जरूरत है।

कार्यकर्ता ही बूथ पर विरोधियों का सामना करते है और बूथ के कार्यकर्ता ही लोगो से कार्य करने का वादा करते है तो बूथ कार्यकर्ता सबसे महत्वपूर्ण कार्यकर्ता है और उनके किए वादे को जरूर पूरा करने की कोशिश करूंगा हमारा प्रत्याशी कमल का फूल छाप है हम सभी का यह कर्तव्य है। हुसैनाबाद में बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अजय गुप्ता ने एवं संचालन महामंत्री श्रवण गुप्ता एवं धन्यवाद ज्ञापन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह ने किया उर्धावार में अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष राम राज मेहता ने किया।

प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री कामेश्वर कुशवाहा एवं हुसैनाबाद से पूर्व विधायक प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह कर्नल संजय सिंह प्रफुल्ल कुमार सिंह रामप्रवेश सिंह सी बी रमन सिंह कामेश्वर सिंह रामेश्वर राम ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह डॉक्टर ईश्वरी पांडे सांसद निजी सचिव अलख दुबे अजय जायसवाल अरुण कुमार जे के पासवान रोशन सिंह महेंद्र सिंह अखिलेश मेहता रंजीत पासवान उदय विश्वकर्मा राकेश कुमार सिंह प्रशांत कुमार सिंह आनातू सिंह विमलेश सिंह मुन्ना सिंह राजेश कारण संतोष गुप्ता सुबोध कुमार कश्यप राजकुमार रामकुमार सिंह भूपेंद्र सिंह जितेंद्र सिंह उदेश राम रविचंद्रवंशी अरविंद पाठक अमरेंद्र यादव किरण कुमार विश्वनाथ सिंह विजय सिंह योगेंद्र सिंह राजेंद्र सिंह विजय राम संतोष कुमार अजय सिंह अशोक सिंह अरुण चौहान वीरेंद्र सिंह भोला सिंह एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माफिया अतीक का शूटर बल्ली पंडित गिरफ्तार

भारी मात्रा में बम के साथ पकड़ा

प्रयागराज, एजेंसी। उमेश पाल हत्याकांड के मामले में संदिग्ध चल रहे बल्ली पंडित को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से बमों का जखीरा बरामद हुआ है। रंगदारी के मामले में नाम आने के बाद पुलिस ने खोजबीन की तो वह पकड़ा गया। खुल्दाबाद में माफिया अतीक अहमद के शूटर बल्ली पंडित उर्फ सुधांशु त्रिवेदी ने बालू ठेकेदार को सरेराह तमंचा सटाकर दो लाख रंगदारी मांगी। 20 हजार रुपये भी ले लिए। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने रात में ही ताबड़तोड़ दबिश दी। साथ ही देर रात उसे चकिया से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 10 बम भी बरामद किए। थाने में देर रात तक उससे पूछताछ जारी थी। करेली के नयापूरा के रहने वाले श्याम पाल बालू-गिट्टी के ठेकेदार हैं। बुधवार शाम को वह खुल्दाबाद थाने पहुंचे। बताया कि 22 मार्च की रात लगभग आठ बजे वह दूध व खोवा लेने जा रहे थे। चौफटका पुल के नीचे उसे दो लोगों ने

जबरन रोक लिया। उनमें से एक ने खुद को अतीक का शूटर बल्ली पंडित बताया। फिर कहा कि मैंने पहले भी तुम्हे कहलवाया था कि धंधा करना है तो दो लाख रुपये देना पड़ेगा। इतना कहते हुए तमंचा निकालकर उसके सीने में सटा दिया। वादी का यह भी कहना है कि डरवश उसने अपने पास मौजूद 20 हजार रुपये आरोपी को दे दिए और हाथ जोड़कर माफी मांगते हुए जान बचाई। घर पहुंचकर उसने परिजनों को जानकारी दी लेकिन डरवश पुलिस के पास नहीं आ सका। बुधवार को हिम्मत करके थाने पहुंचा और शिकायत की।

उमेश की हत्या से पांच दिन पहले मिलने पहुंची थी शाइस्ता

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, धूमनगंज के नीवा का रहने वाला बल्ली पंडित हार्डकोर अपराधी है। वह धूमनगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिस पर कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं। साबरमती जेल में रहने के दौरान वह अतीक के इशारे पर जमीन पर कब्जे और रंगदारी मांगने की वारदातों को अंजाम देता रहा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उसका नाम तब चर्चा में आया जब उसका शाइस्ता परवीन के साथ वीडियो वायरल हुआ। हत्याकांड से महज पांच दिन पहले 19 फरवरी 2023 को शाइस्ता बल्ली से मिलने उसके घर पहुंची थी। वहां से निकलते वक्त सभी की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस दौरान शाइस्ता के साथ पांच लाख का इनामी फरार शूटर साबिर भी नजर आया था।

राजू पाल पर दागे थे 40 राउंड फायर

सूत्रों का कहना है कि बल्ली पंडित का नाम तब चर्चा में आया था जब वर्ष 2002 में उसने पूर्व विधायक राजू पाल पर हमला किया था। हालांकि तब राजू पाल विधायक नहीं थे। बल्ली के पिता सीबीआई में डिप्टी एसपी थे। जिनका धूमनगंज में ही एक चाय की दुकान पर राजू पाल से विवाद हुआ था। राजू के धक्के से साइलेंसर पर गिरने के कारण बल्ली के पिता का पैर जल गया था। इसकी जानकारी होने पर नाराज हो गया और उसने राजू पाल पर सरेआम गोलियां बरसाईं। उसने अपने दो साथियों संग मिलकर राजू पर 40 से ज्यादा राउंड फायर दागे थे। कुछ सालों बाद एक बार फिर उसने राजू पाल पर हमला किया था, जिसमें वह बाल-बाल बच गए थे। बाद में उसका घर जला दिया गया था और इसका आरोप राजू पाल पर लगा था। इसके बाद ही अतीक उसके घर पहुंचा था और रुपये-पैसों से मदद कर उसे अपने गैंग में शामिल कर लिया था।

चकिया इलाके से पुलिस ने किया गिरफ्तार

मामले की जानकारी पर अफसरों ने अलग-अलग टीमें लगाकर आरोपी की तलाश शुरू कराई। धूमनगंज से लेकर पूरामुफ्ती और खुल्दाबाद में ताबड़तोड़ दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान ही देर रात चकिया इलाके से बल्ली को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से एक झोला बरामद हुआ है जिसमें 10 बम मिले हैं। पुलिस देर रात तक उससे पूछताछ में जुटी रही जबकि अफसर कुछ बोलने से इंकार करते रहे। एक अफसर ने नाम न छापने की शर्त पर सिर्फ इतना बताया कि बल्ली पंडित की तलाश में टीमें लगाई गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के लिए बड़ी चुनौतियां!

पिछले चुनाव जैसा महागठबंधन नहीं, राम मंदिर निर्माण से फायदा, पर सवाल भी कई...

लखनऊ, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के लिए चुनौतियां भी कम नहीं है। 2014 और 2019 का प्रदर्शन अपनी जगह है। बेहतर परिणाम के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी। हारी और कम अंतर से जीती 20 से ज्यादा सीटों पर लड़ाई आसान नहीं है। विश्लेषक कहते हैं कि भाजपा यूपी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 में कर चुकी है। अब

सभी 80 सीटें जीत पाना तो दो पत्थरों के बीच दूब उगाने जैसा होगा। हालांकि, ऐसा करिश्मा आपातकाल के बाद हुए 1977 के आम चुनाव में हो चुका है। तब जनता पार्टी उस समय की सभी 85 सीटों पर अपना परचम फहराने में कामयाब हुई थी। सियासी पंडितों का तर्क है कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा 16 सीटें हार गई थी। उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर दो सीटें जीतीं जरूर, लेकिन मुकाबला कड़ा रहा। सपा के गढ़ वाली मैनपुरी और कांग्रेस का किला रही रायबरेली दो ऐसी सीटें हैं, जो भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण रही हैं। पिछले चुनाव में हारी और कड़े मुकाबले वाली 20 से ज्यादा सीटों के हालात अब भी पिछले आमचुनाव से ज्यादा भिन्न नहीं हैं। उल्टा कई सीटों पर मोदी फैक्टर की जगह प्रत्याशी फैक्टर हावी है। अब तक घोषित 63 सीटों में से करीब 10 ऐसी हैं, जहां मतदाता इस बार भाजपा से नए चेहरे की उम्मीद कर रहा था। पर, पार्टी ने रामलहर का प्रभाव मानकर पुराने को ही उतार दिया।

तिरंगे में लिपटा जवान का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो लोगों के छलके आंसू, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले के सीआरपीएफ जवान का पार्थिव शरीर गुरुवार को गांव पहुंचा तो घरवालों के साथ ही आसपास के लोगों की भी आंखों से आंसू छलक पड़े। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने नम आंखों से जवान को अंतिम विदाई दी। बलिया जिले के खेजुरी थाना

क्षेत्र के ग्राम भूड़ाडीह निवासी सीआरपीएफ जवान का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर गुरुवार को जैसे ही गांव पहुंचा लोगों की आंखे छलक पड़ीं। नम आंखों से लोगों ने जवान को अंतिम विदाई थी। सम्मान के साथ जवान के पार्थिव शरीर को सुपुर्द खाक किया गया। परिजनों और रिश्तेदारों के साथ ही आसपास के लोगों ने श्रद्धांजलि दी। खेजुरी थाना क्षेत्र के गांव भूड़ाडीह निवासी सीआरपीएफ के जवान अख्तर हुसैन खान (58) 1985 में सेना में भर्ती हुए थे। वर्तमान में सीआरपीएफ में एसआई के पद पर तैनात थे। इस समय उनकी तैनाती रांची में थी। ड्यूटी के दौरान बीमार होने के कारण उनको मुंबई के टाटा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024को लेकर

आपसी समन्वयन जरूरी --रिष्मा रमेशन।

प्रतिनिधि ,मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू के हरिहरगंज थाना में बिहार के औरंगाबाद और झारखंड की पलामू पुलिस की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में दोनों जिला के पुलिस अधीक्षक और पुलिस के वरीय अधिकारी, सीआरपीएफ कमांडेंट मौजूद रहे। इसमें चुनाव पूर्व तैयारी को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर पलामू एसपी रिशमा रमेशन ने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कार्य निष्पादन के लिए पालन जिले से लगी सीमावर्ती बिहार के औरंगाबाद थाने की पुलिस के बीच आपसी समन्वय की आवश्यकता है। इसके तहत उन्होंने सूचनाओं के आदान-प्रदान, आपसी तालमेल व अपराधियों के धर-पकड़ में सहयोग करने पर बल दिया। खासकर शराब तस्करी के खिलाफ उन्होंने दोनों तरफ के पुलिस अधिकारियों से आपसी तालमेल स्थापित कर विशेष अभियान चलाने की बात कही।

इस बैठक में पुलिस अधीक्षक, पलामू, पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकरी, सदर-2 औरंगाबाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकरी, हुसैनाबाद, पलामू, उप-समादेष्टा, सी0आर0पी0एफ0 -47 बटालियन / एस0एस0बी0-29 बटालियन, गया, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, छत्तरपुर, पलामू, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, हुसैनाबाद, पलामू, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, हरिहरगंज, पलामू, पुलिस निरीक्षक, छत्तरपुर अंचल पलामू, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, टण्डवा, औरंगाबाद, पुलिस निरीक्षक, नवीनगर अंचल, औरंगाबाद, थाना प्रभारी, नवीनगर, औरंगाबाद, थाना प्रभारी, कुटुम्बा औरंगाबाद, थाना प्रभारी, अम्बा औरंगाबाद, थाना प्रभारी, ढीबरा, औरंगाबाद, थाना प्रभारी, छत्तरपुर, पलामू, थाना प्रभारी, पीपरा पलामू, थाना प्रभारी, नौडीहा बाजार पलामू मौजूद रहे।

सीएम योगी ने मुजफ्फरनगर में मंच से चौधरी साहब को किया याद

बोले- एक वोट बदल सकता है देश की तकदीर

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मुजफ्फरनगर पहुंचे हैं। यहां वह प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत चौधरी चरणसिंह को याद करते हुए की। उन्होंने कहा कि जब से वोट सही हाथों में गया है, तब से अराजकता समाप्त हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज मुजफ्फरनगर लोकसभा के प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे। सीएम योगी के कार्यक्रम के लिए सुबह से ही कार्यकर्ता पहुंचने शुरू हो गए। जिले के जानसठ रोड स्थित लाला जगदीश प्रसाद स्कूल में आज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा-रालोद गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. संजीव बालियान के चुनाव के लिए कार्यक्रम आहूत किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सीएम योगी मंच पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारे लगाकर उनका स्वागत किया। सीएम योगी आदित्यनाथ मंच पर पहुंचे और चौधरी चरण सिंह को याद करते हुए अपना संबोधन शुरू किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भागवत की भूमि को दुनिया शुकतीर्थ के रूप में जानती है। शुकतीर्थ को पुराना वैभव लौटाने का काम भाजपा सरकार ने किया। जनभावना के अनुरूप काम किया। दुनिया में किसी के पास पांच हजार वर्ष पुराना इतिहास नहीं, लेकिन मुजफ्फरनगर के पास है। उन्होंने कहा कि चौधरी साहब को सम्मान पहले मिलना चाहिए था। वर्ष 2004 से 2014 के बीच की सरकारों ने उन्हें यह सम्मान नहीं दिया। देश के विकास का रास्ता गांव और खलिहान से होकर जाता है, यह बात चौधरी साहब ने ही कही थी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
rdsdgumla123@gmail.com.
शुद्धि पत्र
इस कार्यालय के पत्रांक 240 दिनांक 14.03.2024 द्वारा ई0-टेंडरिंग अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-**RDD/SD/GUMLA/22/2023-24(2nd Call)** जिसका पी०आर० (PR)सं०-322677 Rural Development (2023-24)*D है, में अपरिहार्य कारणों से निम्न संशोधन किया जाता है। ई-निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 20.03.2024 से दिनांक 27.03.2024 को अपराह्न 5:00 बजे के स्थान पर दिनांक 03.04.2024 से दिनांक 09.04.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक एवं ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.04.2024 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर 12.04.2024 अपराह्न 2:00 बजे तक पढ़ा जाय। शेष नियम यथावत् रहेगी।
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
गुमला।
PR 323397 Rural Development(23-24)D

जल्द गिरफ्तार होगे कौंग्रेस नेता पोलू और बिजली मिस्त्री के हत्यारे ,हत्यारो की हुई पहचान

प्रतिनिधि,डालटनगंज। कांग्रेस नेता रहे राजमोहन पोलू और बिजली मिस्त्री राकेश कुमार दास उर्फ टुनटुन की हत्या में शामिल आरोपियों का पता पुलिस ने लगा लिया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज किया गया है। घटना के पीछे बिजली कनेक्शन तार ले जाने का विवाद सामने आया है। राजमोहन पोलू का बिजली कनेक्शन का तार जिन घरों के उपर से गुजरा था, उन घरों के लोग इसका विरोध कर रहे थे और तीन दिन पहले कनेक्शन तार को काट दिया था। बुधवार को राजमोहन पोलू कटे हुए बिजली कनेक्शन को दोबारा बिजली मिस्त्री बुलाकर जोड़वा रहे थे। इसी क्रम में पुनः विवाद हुआ और दूसरे पक्ष के लोग मारपीट पर उतारू हो गए। जिस समय घटना हुई, उस वक्त पोलू एवं बिजली मिस्त्री के साथ दो और लोग थे। झगड़ा होने पर दोनों वहां से चले गए। एसडीपीओ मणिभूषण के अनुसार पोलू के साथ मौजूद दो प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि रोजमोहन पोलू बंदूक लेकर बिजली कनेक्शन करा रहे थे। दूसरे पक्ष के लोग लाठी डंडे से लैश होकर विवाद कर रहे थे। मारने पीटने पर उतारू थे। पोलू बंदूक के सहारे कनेक्शन जोड़वाने के लिए अड़े हुए थे। मामला काफी बढा, इसे देखते हुए वे वहां से चले गए। एसडीपीओ का कहना है कि इसी विवाद के दौरान विरोध कर रहे लोगों ने पोलू की बंदूक लूट ली और उसके बट से पीट पीटकर दोनों को मौत की नींद सुला दी। उन्होंने कहा कि आरोपी पहचान में आ गए हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। पूर्व में हुए जमीन विवाद से भी यह मामला जुड़ा हुआ है।

नहीं रहे साहिबगंज महाविद्यालय के भूतपूर्व अंग्रजी विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश प्रसाद सिन्हा

प्रतिनिधि,साहिबगंज। साहिबगंज महाविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर सह अंग्रेजी विभाग के पूर्व विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर दिनेश प्रसाद सिन्हा अब हमारे बीच नहीं रहे। बुधवार की रात लंबी बीमारी के बाद सकरूगढ़ के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित अपने आवास में उन्होंने अंतिम सांस ली। बता दें कि उन्होंने साहिबगंज महाविद्यालय में सन 1963 में योगदान दिया था और 2002 में सेवा निवृत हुए थे। राजमहल मॉडल महाविद्यालय के प्राचार्य रणजीत कुमार सिंह ने बताया कि वे समय के बड़े अनुशासित थे। कक्षा में समय से पहुंचना उनकी विशेषता थी। सेवा निवृत्ति के बाद उन्होंने 21 साल से अधिक समय अपने परिवार और बच्चों के साथ बिताए। भूङ्गगर्भ विज्ञान के प्रोफेसर रणजीत कुमार सिंह ने आगे बताया कि वे एक अच्छे शिक्षक के साथ ही मिलनसार व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। उनकी आत्मा को परम पिता परमेश्वर शांति प्रदान करें और भगवान उनको आपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। उनके शिष्य रहे प्रोफेसर सुबोध झा ने बताया कि वे सौम्य, सरल, सहज, शालीन और सहयोगी विचारधारा के थे। उन्हें शतङ्गशत शत नमन। राजमहल विधायक अनंत कुमार ओझा, समाजसेवी अनुराग राहुल ने भी मृत आत्मा कि शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। विधायक ने कहा कि स्वर्गीय पूर्व प्रोफेसर अपने कार्य गुण व व्यक्तित्व के कारण क्षेत्र में काफी चर्चित थे। वे सादा जीवन उच्च विचार के प्रखर ज्ञाता थे। वे आज हम लोगों के बीच नहीं रहे। जिसके कारण हम सभी काफी दुःखित हैं। वहीं, समाजसेवी अनुराग राहुल ने कहा कि गांव से लेकर जिला तक उनका नाम आज भी लोगों के जुबान से नहीं भूलता है।

ब-अदालत, आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची
प्रेस नोटिस
खूँटी SAR रिविजन वाद सं०-47/2021. बन्धु मुण्डा बनाम् शिव कुमार सिंह एवं अन्य
नोटिस बनाम् प्रतिवादी
(1) शिव कुमार सिंह (S.P.P.) प्रखण्ड-रनिया (खूँटी) वर्तमान B.E.O. प्रखण्ड-गेराल, जिला-गढ़वा (झारखण्ड)
(2) एरीइल संजय कुन्डलना, पिता-नेहमिया कुन्डलना, निवास रनिया अम्बाटोली. थाना-रनिया, वर्तमान राजकीय मध्य विद्यालय देहकेला, पो०+थाना-कर्रा, जिला-खूँटी।
(3) लेन्दा मुण्डा, पिता-स्व० दीला मुण्डा, निवास-बालानकेल, बन्दा टोली, पो०-खंरगा, थाना-रनिया (खूँटी)
(4) झारखण्ड सरकार अंचल अधिकारी खूँटी।
बजरिये प्रेस नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि उक्त वाद में अगली सुनवाई की तिथि 09.05.2024 को निर्धारित है। अतः इस तिथि को 10.30 बजे पूर्वाहन आप स्वयं अथवा अपने विद्वान अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे। उपस्थित नहीं होने पर अभिलेख में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आदेश पारित किया जायेगा।
यह नोटिस आयुक्त के आदेश से मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर द्वारा जारी की गयी।
अवर सचिव,
आयुक्त कार्यालय,
PR 323411 District (23-24)_D दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची

डॉ.आशा लकड़ा पहुंचीं एनसीएसटी के क्षेत्रीय कार्यालय

वरीय संवाददाता ,रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डा. आशा लकड़ा गुरुवार को न्यू एजी कालोनी स्थित एनसीएसटी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची। इस क्रम में उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित कर्मियों से मुलाकात की। साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय में लंबित मामलों की जानकारी ली। डा. आशा लकड़ा ने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय में आनलाइन मामलों की कुल संख्या 93 है। सभी केस एक्टिव हैं। आयोग का गठन नहीं होने के कारण संबंधित मामलों की सुनवाई नहीं हो पा रही थी। क्षेत्रीय कार्यालय में ही रांची जिले से संबंधित चार आफलाइन मामले भी आए हैं। इनमें खेलगांव से संबंधित एक, हवाई नगर से संबंधित दो व ईटकीसे संबंधित एक मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एनसीएसटी का क्षेत्रीय कार्यालय मुख्य मार्ग से अंदर है। इस कारण लोगों को यहां तक आने में कठिनाई होती है।जब मैं कार्यालय में बैठना शुरू करूंगी तो आफिस सेटअप चेंज करने का प्रयास करूंगी, ताकि आम लोगों को इस कार्यालय तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो और उनके केस का निष्पादन हो सके। रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश राज्य का जोनल कार्यालय है। इस दौरान ईटकी की दो महिलाएं भी एनसीएसटी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंची थीं। उन्होंने एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा के समक्ष अपनी बातें रखीं और न्याय दिलाने की मांग की। डा. आशा लकड़ा ने कहा कि आदिवासी समाज के लोगों को न्याय मिल सके, इसके लिए आपसी समन्वय बनाकर सभी मामलों को निष्पादित कर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर विभिन्न आदिवासी संगठन के लोग, निवर्तमान पार्षद अर्जुन राम व अरुण कुमार झा समेत केस के सिलसिले में बोकारो स्टील सिटी व ईटकी से आए लोग उपस्थित थे। उक्त जानकारी विवेक कुमार,निजी सहायक ने दी।

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER
RCD, Road Division, Ranchi
Dindayal Nagar, Behind Govt. Guest House, Morhabadi, Ranchi-834008
E-mail- eercdranchi-jhr@nic.in, Phone- 0651-2361018
CORRIGENDUM
E-Tender Reference no.: RCD/RANCHI/EPC/01/2023-24, Dated- 07-03-2024
(PREVIOUS PR No.- 321920(23-24)_D
Name of work :- "Construction of flyover from Bahubazar to Patel Chowk Connecting Siramtoli-Mecon Flyover at Patel Chowk and Kokar-Yogoda Satsang Ashram Flyover at Bahu Bazar (Length 1.25 KM) in Ranchi city in the state of Jharkhand on EPC mode" the revision in the particulars of which are as follows : -

	Estimated Cost (in Rs.)	Bid Security (in Rs.)
Published	175,72,14,948.00 (One hundred seventy-five crores seventy-two lakhs fourteen thousand nine hundred and forty eight only) (including LC & GST)	1,76,00,000
Amended	174,80,78,602.00 (One hundred seventy-four crores eighty lakhs seventy eight thousand six hundred and two only) (including Utility works, LC &GST)	1,75,00,000

	Availability of tender on-line (Date and Time)		Date and Time of Pre-bid meeting	Last date of Seeking clarification	Bid Submission (Date & Time)		Date & Time of opening of Technical bid
	From	To			Start Date	Close Date	
Published	18-03-2024 10.30 AM	18-04-2024 12.00 Noon	01-04-2024 3.00PM	10-04-2024 12.00 Noon	18-03-2024 10.30 AM	18-04-2024 12.00 Noon	22-04-2024 12.30 PM
Amended	16-04-2024 10.30 AM	16-05-2024 12.00 Noon	29-04-2024 3.00PM	06-05-2024 12.00 Noon	16-04-2024 10.30 AM	16-05-2024 12.00 Noon	20-05-2024 12.30 PM

- *The Estimated Cost and Bid Security amount are subject to change, which can be seen in Bid document to be uploaded online at http://jharkhandtenders.gov.in.*
- *For terms and conditions visit the website http://jharkhandtenders.gov.in*

Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Ranchi
PR 323373 Road Construction Dept
Road Division Ranchi(23-24)D

ये गर्मी कुछ कहती है

बढ़ती गर्मी आम आदमी के लिए एक सामान्य खबर हो सकती है, लेकिन इसको सामान्य दृष्टिकोण से देखना आने वाले बड़े खतरों की तरफ से मुंह मोड़ने जैसा है। वर्ल्ड मीटिअरलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि पिछले 10 सालों में धरती का तापमान औसत से ज्यादा ही रहा है। 2024 में तापमान के और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। इसका असर धरती के समूचे मौसम चक्र और कालांतर में मनुष्य के जीवन चक्र पर पड़ेगा और सब कुछ उलट-पलट कर रख देगा। इसके चलते कहीं बेमौसम बारिश और कहीं भयानक गर्मी पड़ने की आशंका है। दुनिया विकास के नाम पर संसाधनों का दोहन करते हुए जिस तरह आगे बढ़ रही है, अंदेशा है कि सन 2050 तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके बाद अगले पचास सालों में दुनिया का तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि औद्योगिकीकरण से पहले के काल की तुलना में 2023 में धरती का औसत तापमान 1.45 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि मौसम खुद को जितनी तेजी से बदल रहा है, हम मनुष्य उतनी तेजी से अपना व्यवहार और बर्ताव नहीं बदल पा रहे। शायद हम मनुष्य इस बात को नहीं समझ पा रहे कि मौसम हमारे द्वारा बनाई गई सीमाओं को नहीं मानता। मौसम का संकेत मौसम की चेतावनी पूरी धरती के लिए, अर्थात इस धरती पर रहने वाले, पलने वाले, फलने-फूलने वाले, हर चल-अचल के लिए है। इसलिए पर्यावरण के बारे में वर्ल्ड लीडरों की भाषणबाजी से ज्यादा प्रत्यक्ष रूप से अपने आचरण में ठोस बदलाव की जरूरत है। इस बात को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि अगर मौसम के बदलने की रफ्तार तेज है तो हमें भी अपने कार्बन उत्सर्जन के मानकों और उद्देश्यों को तेजी से नए सिरे से निर्धारित करना होगा। न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन, बल्कि मीथेन और नाइट्रेड ऑक्साइड भी नई चुनौती है। चीन के बाद भारत ही सबसे ज्यादा मीथेन का उत्सर्जन करता है। इसकी बड़ी वजह हमारा पशुधन है। पशुधन को बचाते हुए मीथेन को नियंत्रित करना होगा।

अदालत की बेंच की तरह काम करता है चुनाव आयोग

(प्रणब ढल सामंता)

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने अप्रत्याशित रूप से इस्तीफा दे दिया था। इस इस्तीफे ने आयोग के भीतर सर्वसम्मति से होने वाले कामकाज पर सवाल खड़े कर दिए। वैसे, कुछ बरसों के अंतराल में संस्था के भीतर गंभीर मतभेद सामने आते रहे हैं। इससे उस आयोग को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, जो कि सब कुछ ठीक होने पर कई उपलब्धियों को अपने हिस्से में डाल सकता है।

स्थिति गंभीर – हालिया मामले में स्थिति इस वजह से भी जटिल हुई क्योंकि चुनाव आयुक्त का एक पद पहले से खाली था। ऐसे में अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद शीर्ष पर केवल मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ही बचे रह गए थे। तकनीकी रूप से सीईसी अकेले भी चुनाव करा सकते हैं, लेकिन यह घटनाक्रम कुछ गंभीर मुद्दों को उजागर करता है, खासकर जब चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच मतभेद सामने आ रहे हों।

तीसरा खाली पद – अरुण गोयल के इस्तीफा देने से पहले इस बात की पूरी संभावना थी कि 2024 का आम चुनाव सिर्फ उनके और सीईसी राजीव कुमार के नेतृत्व में हो सकता है। तीसरे इलेक्शन कमिश्नर का पद 15 फरवरी से खाली था, लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर नियुक्ति में कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई। चुनावी तारीखों के ऐलान का समय नजदीक आ रहा था। ऐसे में इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि सरकार तीसरे ईसी को चुनने के लिए प्रक्रिया शुरू करेगी।

कहां था बहुमत – लेकिन, क्या होता अगर आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद ईसी और सीईसी के अनौपचारिक मतभेद गंभीर असहमति में बदलते बहुमत तय करने के लिए कोई तीसरा तो होता नहीं और ऐसे में फैसलों पर 1-1 से गतिरोध बन जाता। चुनावी प्रक्रिया पर इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते थे। ईसी ट्रांससेक्स्शन आफ बिजनस रुल्स में साफ लिखा है कि हर काम 'जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से किया जाएगा'। सीईसी और ईसी की 'राय अगर किसी मामले में अलग-अलग है, तो फैसला बहुमत से होगा'।

सोचने की जरूरत – साल 2019 में भी गंभीर मतभेद देखने को मिले थे। उस समय चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने आदर्श आचार संहिता से संबंधित प्रमुख निर्णयों पर असहमति जताई थी। लेकिन, उस असहमति का चुनावी प्रक्रिया पर असर नहीं पड़ा, क्योंकि तब के सीईसी सुनील अरोड़ा और ईसी सुशील चंद्रा ने बहुमत का विचार रखा था। इसी वजह से तीसरे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में हुई देरी पर सावधानी से विचार करने की जरूरत थी।

टकराव क्यों – चुनाव आयोग में पारस्परिक टकराव की शुरुआत टीएन शेषन बनाम एमएस गिल से हुई थी। तब गिल ने शिकायत की थी कि चुनाव आयुक्त के रूप में उनकी नियुक्ति के बावजूद उन्हें कोई काम नहीं दिया जा रहा। शेषन ने पीवी नरसिंह राव सरकार के चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के फैसले को चुनौती दी थी, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था।

होते रहे हैं विवाद – फिर 2009 में भी आम चुनाव से ठीक पहले विवाद सामने आया। मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी और चुनाव आयुक्त नवीन चावला के बीच गंभीर आरोपों को लेकर खींचतान हुई। बात यहां तक पहुंच गई कि गोपालस्वामी ने चावला को पद से हटाने की सिफारिश कर दी। यह सिफारिश अस्वीकार हो गई और चावला सीईसी बन गए। एक दशक बाद चुनाव आयोग ने अरोड़ा-लवासा विवाद देखा। और अब अरुण गोयल और राजीव कुमार के बीच रहस्यमय मतभेद उभरे और गोयल ने इस्तीफा दे दिया।

ईसी के काम – मोटे तौर पर चुनाव आयोग के तीन काम हैं। पहला काम है ़ स्र्द्धह्लस्र्द्बष्ठ्ठह्लश्व्र4। इसके तहत राजनीतिक दलों के बीच विवाद और चुनावी सिंबल वगैरह पर निर्णय लेना होता है। दूसरा काम रेग्युलेटरी है। इसमें नीतिगत मुद्दे आते हैं, जैसे डिजिटलीकरण और मतदाता सूची का डी-डुप्लिकेशन वगैरह। तीसरा काम है चुनाव कराना, जिसमें मतदान के चरण तय करना, चुनावी कर्मचारियों की तैनाती, आदर्श आचार संहिता लागू करना जैसी जिम्मेदारियां हैं। इन कामों में तीनों आयुक्त समान रूप से शामिल हैं।

कोर्ट की बेंच की तरह – चुनाव आयोग को सभी निर्णयों में सर्वसम्मति का प्रयास करना चाहिए। कुछ भूमिकाओं में तीनों कोर्ट की बेंच की तरह काम करते हैं, जहां असहमति हो सकती है। ये आयुक्त व्यक्तिगत रूप से सुनवाई नहीं कर सकते और सभी काम न्यायिक नहीं होते।

वरिष्ठता का बोलबाला – चुनाव आयोग में जब असहमति से निपटने की बात आती है, तो वरिष्ठता चलती है। चूंकि आमतौर पर चुनाव आयुक्त पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ही होते हैं, तो स्र्द्ध्रद्बश्वह्लद्वह्ल4 वाला पहलू स्वाभाविक है। लेकिन, समय-समय पर और विशेष रूप से जब अधिकारी एक ही या आसपास की बैच से होते हैं, तो समानता के पहलू को अधिक सख्ती से लागू किया जाता है। 1995 के टीएन शेषन बनाम भारत संघ के केस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश में इस पर बात है। आदेश में कहा गया है कि, 'अगर मुख्य चुनाव आयुक्त को इस मायने में श्रेष्ठ माना जाता है कि उसका शब्द अंतिम है, तो यह (आयुक्तों को) नॉन-फंक्शनल या सजावटी बना देगा।'

बिगड़ता पर्यावरण और हमारी जिम्मेदारी

वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित संकल्पों के अनुरूप भारत पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जी 20 देशों में भारत अकेला देश है जो समझौते का अनुपालन कर रहा है। इसके तहत वन क्षत्रों को बचाना और बढ़ाना शामिल है। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। वायु प्रदूषण के अलावा जल, ध्वनि, मिट्टी, अग्नि और अति प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी हैं, जिनके दुष्प्रभावों के असर से कई स्तरों पर समस्याएं पैदा हुई हैं।

(अखिलेश आर्येंदु)

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कई दशकों तक बना रहेगा।

जब से प्रदूषण से होने वाली समस्याएं बढ़ी हैं, केंद्र और राज्य सरकारों ने अपने स्तर से इससे छुटकारा पाने के लिए कदम उठाए हैं। सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से निजात पाने के लिए आबंटित धन और योजनाओं से पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है

पर्यावरण प्रदूषण ने मानव सभ्यता की तमाम गतिविधियों और विकास पर जो असर पिछले तीन दशकों में डाला है, उसका असर कितने दशकों तक बना रहेगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, यह ऐसा धीमा जहर है जिसका प्रभाव हमारी सेहत सहित तमाम दूसरी गतिविधियों पर पड़ता रहता है। कोरोना के पहले पर्यावरण प्रदूषण कई समस्याओं, संकटों, बीमारियों, विकास में रुकावट, आर्थिक प्रगति में रुकावट और संपूर्ण वायुमंडल को जहरीला बनाने का कारण समझा जाता था। इसका मतलब यह नहीं कि पर्यावरण प्रदूषण के कारण पड़ने वाले असर, इससे बढ़ रहीं समस्याएं, संकट, बीमारियां, ऋतु चक्र में बदलाव जैसे अनगिनत समस्याओं को प्राथमिकता की सूची से निकाल दिया जाए।

वर्ष 2015 में हुए पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित संकल्पों के अनुरूप भारत पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। जी 20 देशों में भारत अकेला देश है जो समझौते का अनुपालन कर रहा है। इसके तहत वन क्षत्रों को बचाना और बढ़ाना शामिल है। लेकिन बात इतनी ही नहीं है। वायु प्रदूषण के अलावा जल, ध्वनि, मिट्टी, अग्नि और अति प्रकाश प्रदूषण जैसी समस्याएं भी हैं, जिनके दुष्प्रभावों के असर से कई स्तरों पर समस्याएं पैदा हुई हैं।

पिछले छह महीनों से पर्यावरण प्रदूषण तीव्र गति से बढ़ा है। ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक विश्व में प्रदूषण के मामले में जिन तीस शहरों को शामिल किया गया, उनमें दिल्ली दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है। इसके अलावा भारत के बाईस दूसरे शहर भी सर्वाधिक दुनिया के प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। गौरतलब है कि पर्यावरण बेहतरी के संकल्पों को अमल में लाने के बावजूद प्रदूषण की समस्या में कोई खास तब्दीली नहीं आई है। इसके बावजूद हम पर्यावरण को बेहतर रखने के प्रति संवेदनशील नहीं हैं।

वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन, बढ़ती बीमारियों, ग्लोबल वार्मिंग, सुनामी और धरती के बढ़ते तापमान की बड़ी वजह बढ़ते वायु प्रदूषण को माना है। धरती का बढ़ता तापमान और ऋतु चक्र में आए बदलाव की सबसे बड़ी वजह विषैली कार्बन ऊर्जा है। हमारे देश में 2005 की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में इक्कीस प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन यह बहुत कम है। दिल्ली, गुरुग्राम, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर और दूसरे शहरों में हवा अति खराब श्रेणी में लगातार बने रहने का मतलब है पर्यावरण की बेहतरी के लिए और अधिक कारगर कदम उठाने की जरूरत है।

पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक देश में 2040 तक स्वच्छ ऊर्जा की मांग आज की तुलना में तीन गुना बढ़ जाएगी। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि देश के कई राज्य जहां यूरिया, अमोनिया, जिंक सल्फेट और कीटनाशक बनाने के कारखाने हैं, जिनकी चिमनियों से तरह-तरह की जहरीली गैसें निकलतीं हैं, इनसे बुरी तरह से पर्यावरण खराब होता है। फूलपुर और आंवला में यूरिया बनाने के बहुत बड़े कारखाने हैं।

इन कारखानों से निकले जहरीले पानी और गैस की वजह से तमाम समस्याओं से लोगों को रूबरू होना पड़ रहा है। बिहार में बहने वाली कई नदियों और कोलकाता में हुगली नदी डेढ़ सौ से ज्यादा चर्म, कपड़ा, कागज, पटसन, शराब और दूसरे आधुनिक उद्योगों के उच्छिष्टों की वजह से इतनी अधिक प्रदूषित हो गई है कि इसे हाथ से छूना बीमारी को बुलाने जैसा लगता है।

इसी तरह भारत-नेपाल को बांटने वाली सरीसवा नदी नेपाल के उद्योगों से निकले उच्छिष्टों के कारण बहुत अधिक प्रदूषित हो गई है। गौरतलब है कि सरीसावा नदी सदियों से सौ से अधिक गांवों के लिए जीवन यापन का साधन बनी हुई थी। लेकिन चर्मशोधक कारखानों, शराब फैक्ट्रियों और चीनी मिलों से निकले जहरीले पानी और उच्छिष्टों की वजह से अब यह मौत का कारण बन गई है।

पिछले पच्चीस सालों में दस हजार से ज्यादा जानवर इसके विषैले पानी के सेवन के कारण मौत का शिकार हुए हैं। यह जल प्रदूषण के कारण हुआ है। गंगा प्रदूषण निवारक समिति के मुताबिक 2033 किलोमीटर इस ऐतिहासिक नदी का 480 किलोमीटर हिस्सा उद्योगों के उच्छिष्टों और अवशिष्टों के लगातार मिलने की वजह से बुरी तरह प्रदूषित हो गया है। कृष्णा, कावेरी, गोदावरी, नर्मदा, तापी, भीमा, साबरमती और यमुना भी उद्योगों से निकलने वाले उच्छिष्टों के कारण बुरी तरह प्रदूषित है। केरल की चलियार नदी रेयान कारखाने से निकले विषैले पानी के कारण इतनी प्रदूषित हो गई है कि इसका पानी किसी इस्तेमाल के काबिल नहीं रह गया है।

प्रदूषण की समस्याओं में हवा और जल प्रदूषण सबसे अधिक मनुष्य को प्रभावित कर रही हैं। अगर हवा में घुली विषैली गैसों की बात करें तो दिल्ली में बेंजीन कारसिनोजन की तादाद तीन से नौ गुना तक बढ़ चुकी है। यह बेंजीन का खतरनाक स्तर है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इससे दिल्ली में कैंसर के मामले दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं।

इसी तरह बिहार और झारखंड में विद्युत ताप घरों से निकलने वाली जहरीली गैसों और प्रदूषित वाटी के इस्तेमाल से हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। वहीं दिल्ली, हरियाणा और आंध्र प्रदेश में हर साल हजारों की तादाद में सांस की बीमारियों और कैंसर से हजारों लोग मौत के शिकार हो जाते हैं। मध्य प्रदेश और झारखंड में चूना भट्ठों से निकलने वाली गैसों से सांस से संबंधित तमाम बीमारियां होने से हजारों लोग मौत के पंजे में फंस जाते हैं।

मुंबई, लुधियाना, सूरत, कोलकता और मुल्क की दूसरी तमाम कपड़ा मिलों के मजदूरों में आंख और श्वास संबंधी तमाम बीमारियां आम बात है। मध्य प्रदेश के सतना, बानमोर, कैमोर, गोपालनगर और जामुल में सीमेंट के बड़े-बड़े कारखाने हैं। कैमोर में देश का सबसे बड़ा सीमेंट का कारखाना है। इससे और दूसरे सीमेंट के कारखानों से चौबीसों घंटे धूल उड़ती रहती है। इनकी चिमनियों से धूल के विषैले कणों के अलावा कार्बन डाइआक्साइड, कार्बन मोनोआक्साइड और सल्फर डाइआक्साइड जैसी जहरीली गैसें निकलती हैं। इनकी वजह से दमा और टीबी के अलावा खून में होमोग्लोबिन की तादाद कम हो जाती है।

राजधानी दिल्ली में जितना प्रदूषण है, उसमें चौबीस फीसद फैक्ट्रियों के जरिए होता है। इसके अलावा राजधानी क्षेत्र फरीदाबाद, गुरुग्राम और नोएडा में सैकड़ों फैक्टरियों से जहरीली गैसें निकलतीं हैं। उनसे सौ किलोमीटर की परिधि में नाइट्रोजन, सल्फर डाइआक्साडड, कार्बन मोनो आक्साइड और दूसरी जहरीली गैसों की तादाद बढ़ जाने से आंख, नाक, दिमाग, फेफड़े ,गले, आंत और पाचन संबंधी बीमारियां आमतौर पर हो जाती हैं।

जब से प्रदूषण से होने वाली समस्याएं बढ़ी हैं, केंद्र और राज्य सरकारों ने अपने स्तर से इससे छुटकारा पाने के लिए कदम उठाएं हैं। सवाल उठता है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से निजात पाने के लिए आबंटित धन और योजनाओं से पर्यावरण को स्वच्छ बनाया जा सकता है जाहिर है, हवा और जल प्रदूषण से निजात पाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कारकों के संबंध में आम लोगों को भी समझाने की जरूरत है।

जब तक आम आदमी पर्यावरण पर लापरवाह बना रहेगा और हवा, पानी, मिट्टी और वातावरण में तेज आवाज के जरिए ध्वनि प्रदूषण करता रहेगा, तब तक प्रदूषण संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। मात्र कानून बना देने से बात बनने वाली नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की सलाह देते रहते हैं। पिछले तीस सालों में दिल्ली सहित भारत के छोटे-बड़े नगरों, शहरों और कस्बों में बढ़ती समस्याओं ने यह जाहिर कर दिया है कि अगर बेहतर जिंदगी जीना है तो प्रदूषण को कम करना होगा।

आवश्यकता इस बात की है कि हम पर्यावरण और अपने हित में प्रदूषण करने वाले कारकों को कम से कम उपयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। यानी बढ़ती विकट पर्यावरण की समस्याओं को जीवन-मरण के प्रश्न जैसा अति गंभीरता से लेना होगा। तभी हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और हम भी सुरक्षित रहेंगे।

मदरसा शिक्षा पर गहराते संकट के मायने को ऐसे समझिए

इस मामले में जस्टिस विवेक चौधरी व जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खण्डपीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए इस कानून को अधिकार से परे (अल्ट्रावायर्स) भी बताया। इसलिए सरकार का यह फर्ज बनता है कि ऐसे सभी प्रावधानों की पड़ताल करे और जनहित में सबकी एकरूपता सुनिश्चित करे। ऐसा किया जाना भारतीय धर्मनिरपेक्षता के हित में होगा। हालांकि, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। वहीं, यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि फैसले का अध्ययन करने के बाद अगले कदम पर फैसला होगा।

(कमलेश पांडे)

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यह कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ भी है, जो संविधान के मूल ढांचे का अंग है।

किसी भी धर्मनिरपेक्ष देश में अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं व परम्पराओं को संरक्षण और बढ़ावा देना कोई अनुचित बात नहीं है। लेकिन जब सत्ताधारी दल द्वारा वोट बैंक के नजरिए से किसी धर्म को शह दिया जाए और किसी धर्म को नजरअंदाज किया जाए, तो यह गलत बात है। वहीं, विपक्षी दल द्वारा भी ऐसा किया जाना ठीक नहीं है। इस नजरिए से भारतीय धर्मनिरपेक्षता सदैव शक के कठघरे में खड़ा रहती आई है।

खासकर धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जो कुछ पक्षपाती प्रावधान वक्त दर वक्त तय किए गए, वो जब न्यायालय के समक्ष किसी जनहित याचिका के माध्यम से प्रस्तुत किये जाते हैं तो तर्क और नियमन की कसौटी पर कदापि नहीं टिक पाते। कतिपय मामलों में बहुसंख्यक धर्मावलंबियों को भी जब टारगेट करने की कोशिश की गई, तो वो प्रावधान भी कोर्ट में टिक नहीं पाए।

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय, प्रयागराज ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यह कानून धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ भी है, जो संविधान के मूल ढांचे का अंग है। यही वजह है कि हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को योजना बनाकर इन मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को बुनियादी शिक्षा व्यवस्था में समायोजित करने का निर्देश दिया। इससे एक बात साफ हो चुकी है कि अब उत्तरप्रदेश में सरकारी सहायता प्राप्त 560 से अधिक मदरसों पर ताला लगेगा।

उल्लेखनीय है कि कोर्ट में याचिकाकर्ता अंशुमान सिंह राठौड़ ने मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए मदरसों का प्रबंधन केंद्र व राज्य सरकार के स्तर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की ओर से किये जाने के औचित्य पर सवाल उठाए थे। वहीं, याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि बोर्ड धार्मिक शिक्षा दे रहा है, पर राज्य सरकार को ऐसी शिक्षा देने का संवैधानिक अधिकार है। धार्मिक शिक्षा और निर्देश देना, वर्जित या अवैध नहीं है। हां, यह बात अलग है कि ऐसे धार्मिक शिक्षा के लिए अलग से बोर्ड जरूरी है, जिसमें उसी धर्म के लोग हों।

बता दें कि इस मामले में याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि मदरसा अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों व शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन करता है, जो संविधान की मूल संरचना है। उन्होंने सवालिया लहजे कहा कि मदरसों में इसे दीनी तालीम तक सीमित कर दिया गया है, जो छात्रों के मौलिक अधिकारों का हनन करता है। वहीं, बोर्ड में सिर्फ मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया गया, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। समझा जाता है कि इसी परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त न्यायिक आदेश मिला है।

इस मामले में जस्टिस विवेक चौधरी व जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खण्डपीठ ने अपना फैसला सुनाते हुए इस कानून को अधिकार से परे (अल्ट्रावायर्स) भी बताया। इसलिए सरकार का यह फर्ज बनता है कि ऐसे सभी प्रावधानों की पड़ताल करे और जनहित में सबकी एकरूपता सुनिश्चित करे। ऐसा किया जाना भारतीय धर्मनिरपेक्षता के हित में होगा। हालांकि, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

वहीं, यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि फैसले का अध्ययन करने के बाद अगले कदम पर फैसला होगा। इस बात में कोई दो राय नहीं कि 20 साल बाद इस पकानून को असंवैधानिक करार दिया गया है। इसमें कहीं चूक हुई है। हमारे वकील कोर्ट के समक्ष मामले को सही तरीके से नहीं रख सके। उन्होंने कहा, मदरसे बंद होंगे तो कई शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि उत्तरप्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बाद अगर अनुदानित मदरसे बन्द कर दिए जाते हैं तो वहां कार्यरत करीब 10,200 शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। बता दें कि वर्तमान में मदरसा शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त तहतानिया कक्षा 1 से 5, फौकानिया कक्षा 5 से 8 और आलिया व उच्च आलिया स्तर यानी हाई स्कूल या इससे ऊपर के लगभग 16,460 मदरसे हैं। जिनमें मुंशी मौलवी हाई स्कूल समकक्ष, आलिम इंटर समकक्ष, कामिल स्नातक और फाजिल परास्नातक के समकक्ष पढ़ाई होती है।

उल्लेखनीय है कि इन मदरसों को संचालित करने के लिए वर्ष 2004 में बने मदरसा एक्ट को हाई कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया है। जिसके बाद मदरसों में पढ़ाने वाले शिक्षकों व कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटक गई है। वहीं, इस बारे में मदरसा शिक्षा परिषद की रजिस्ट्रार डॉ प्रियंका अवस्थी ने बताया कि मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त 16,460 मदरसों में 13 लाख 83 हजार 107 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वहीं, इनमें शामिल 560 अनुदानित मदरसों में 1 लाख 92 हजार 317 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लिहाजा, हाई कोर्ट के आदेश के बाद मदरसों के शिक्षा पा रहे इन 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों के भविष्य पर अंधेरा छा गया है।

गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश में 25,000 मदरसे हैं। जिनमें मदरसा बोर्ड से 16,512 को मान्यता प्राप्त है। उनमें से 560 को सरकारी सहायता मिलती है। वहीं, लगभग 8500 मदरसे बिना मान्यता प्राप्त हैं। कहना न होगा कि उच्च न्यायालय का यह फैसला ऐसे वक्त पर आया है, जब राज्य सरकार के निर्देश पर एसआईटी राज्य में अवैध मदरसों की जांच कर रही है।

सर्वविदित है कि इन मदरसों को विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद की जांच के लिए पिछले साल अक्टूबर में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। इसकी जांच में अबतक 13000 मदरसे अवैध पाए गए हैं, जिन्हें बन्द करने की तैयारी चल रही है।

बहरहाल, उच्च न्यायालय के ताजा आदेश से सरकार के दृष्टिकोण को बल मिला है। बावजूद इसके, इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि सम्प्रदाय विशेष में कोई गलत संदेश नहीं जाए। बेहतर तो यह होगा कि ऐसे सभी कानूनों की जांच राष्ट्रीय स्तर पर की जाए और समय रहते ही उन्हें समनुरूप बनाया जाए, ताकि एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र में धार्मिक वैमनस्यता विकसित नहीं हो पाए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार)

कोलेस्ट्रॉल को दिल के पास पहुंचने से रोकते हैं 5 फूड

बाहर की चीजें खाना, ज्यादा तला-भुना खाना, एक्सरसाइज न करना और सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से सबसे कॉमन बीमारी है कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना। तो जानिए 5 ऐसी चीजों के बारे में, जो आपका बेड कोलेस्ट्रॉल कम करने में बेहद फायदेमंद हैं।

दिल तक नहीं पहुंचेगा कोलेस्ट्रॉल

दिल की बीमारियों का सीधा संबंध कोलेस्ट्रॉल से है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खानपान में थोड़ा सा बदलाव करके आप शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा सकते हैं।

ऑलिव ऑयल

कोलेस्ट्रॉल सबसे ज्यादा तेल की वजह से बढ़ता है। ऑलिव ऑयल के इस्तेमाल से सामान्य तेल के मुकाबले कई प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है।

ओट्स

ओट्स में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसमें बीटा ग्लूकॉन भी होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज से राहत दिलाता है। नियमित तौर पर नाश्ते में ओट्स खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल को लगभग 6 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए सप्ताह में दो बार स्टीम्ड या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी सहायक होती है।

अलसी

अलसी के बीज कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी मददगार होते हैं। बेहतर होगा कि आप साबुत बीज की जगह पर पिसे हुए बीज का सेवन करें।

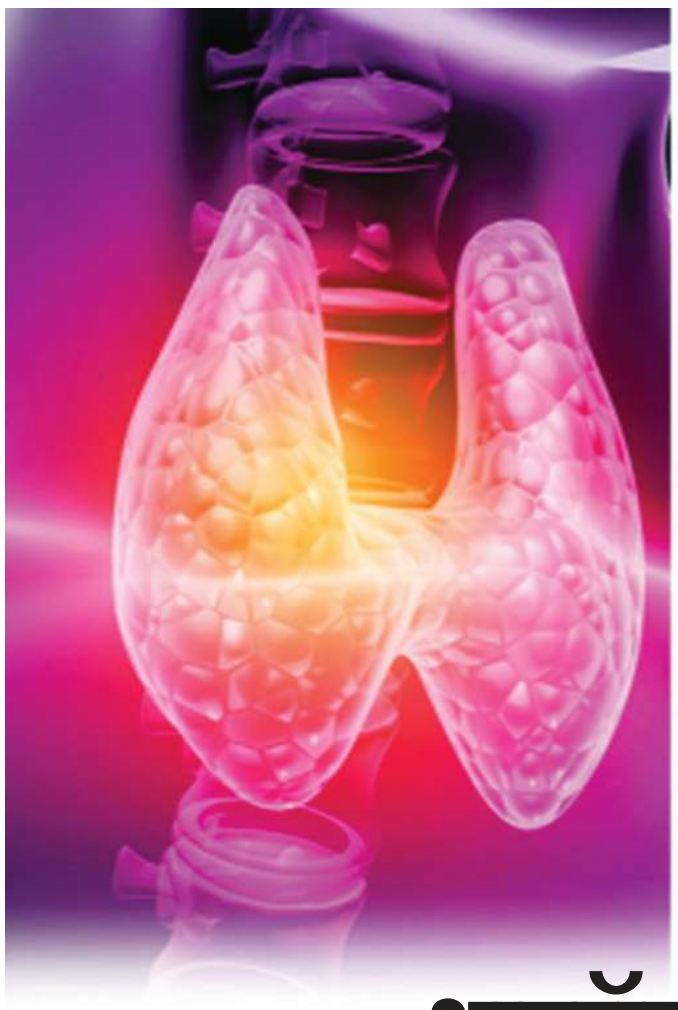

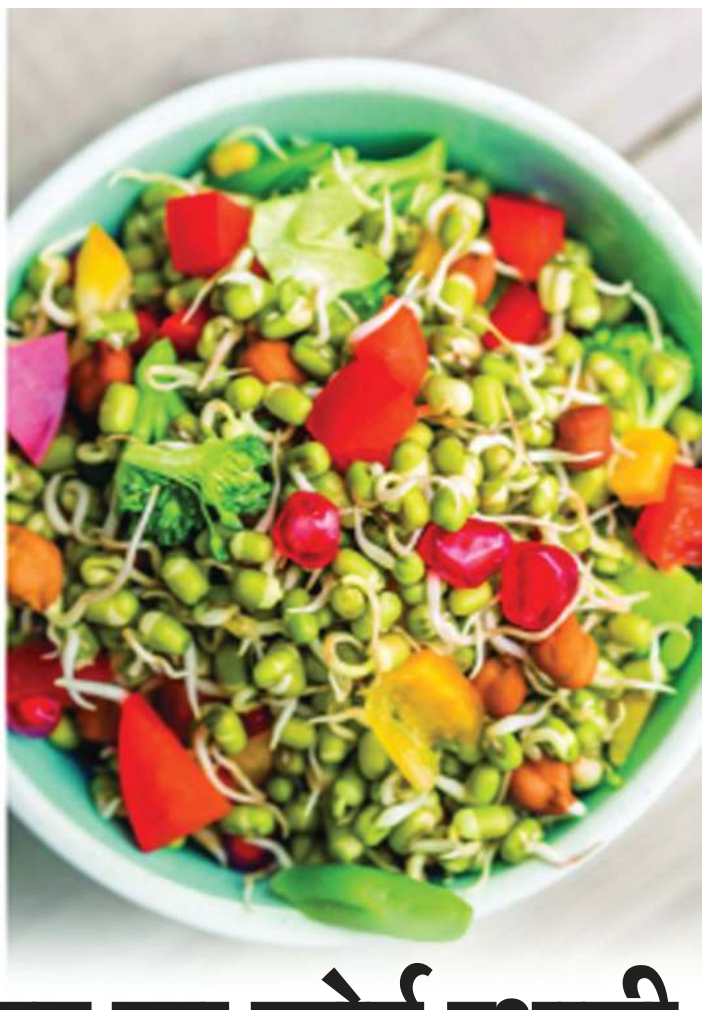

थाइरॉयड का कोई स्थायी इलाज नहीं, कंट्रोल रखकर ही रह सकते हैं स्वस्थ

थाइरॉयड एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। दुर्भाग्यवश इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। इसे सिर्फ कंट्रोल रखकर ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। थाइरॉयड एक हार्मोन होता है जिसे आपकी थाइरॉयड ग्रंथि बनाती है। इस हार्मोन के ज्यादा या कम बनने से आपके शरीर में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

हाइपरथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें यह हार्मोन ज्यादा बनता है जबकि हाइपोथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें ग्रंथि बहुत कम या इस हार्मोन को बनाना ही बंद कर देती है। थाइरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरूरी है। अवार्ड विनिंग नूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा आपको घर में आसानी से मिलने वाले कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में बता रही हैं, जो थाइरॉयड को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज जिंक का एक बढ़िया स्रोत हैं, जो T4 को एक्टिव T3 में बदलने के लिए जरूरी हैं। अगर आप थाइरॉयड के मरीज हैं, तो आपको इसे डाइट में शामिल करना चाहिए।

राजगीरा

राजगीरा सेलेनियम का एक बढ़िया स्रोत है, जो T4 को T3 में बदलने के लिए जरूरी है, क्योंकि डिओडिनेज एंजाइम (ऐसे एंजाइम जो T4 से आयोडीन एटॉमस को हटाते हैं) सेलेनियम पर निर्भर होते हैं।

दही

दही भी आयोडीन का एक बड़ा स्रोत है। यह एक प्रोबायोटिक सुपरफूड भी है, जो आंतों के स्वास्थ्य को भी बनाए रखता है। यह जरूरी है क्योंकि कई थायरॉयड समस्याएं ऑटोइम्यून बीमारी के कारण होते हैं। ध्यान रहे कि इम्यून पावर को ठीक करने के लिए जरूरी है कि पहले आप आंतों को ठीक करें।

करी पत्ता

करी पत्ता कॉपर का एक अच्छा स्रोत है जो थायरोक्सिन हार्मोन टी4 के उत्पादन को बढ़ाता है और शरीर के कैल्शियम लेवल को कंट्रोल करके ब्लड सेल्स में टी4 के अधिक अवशोषण को रोकता है।

सब्जा या तुलसी के बीज

सब्जा के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं जो अच्छे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, यह छोटे-छोटे बीज थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मूंग दाल

मूंग दाल बीन्स की तरह आयोडीन प्रदान करता है और मूंग के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे सभी बीन्स में पचाने में सबसे आसान हैं। यही वजह है कि यह थायराइड के लिए सबसे बेस्ट फूड है।

अनार

अनार में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सूजन कम होती है। अनार के सेवन से आपकी थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बढ़ावा मिलता है।

गंभीर बीमारी की जड़ है बैठकर काम करना

तकनीक ने जीवन आसान बना दिया है। अब किसी काम को करने के लिए ज्यादा शारीरिक मेहनत नहीं करनी पड़ती। लेकिन ये आराम नुकसानदायक भी हो सकता है। क्योंकि, इसने हमारे बैठे रहने के समय को बढ़ा दिया है और साथ में सिटिंग जॉब से गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि बैठे रहना धूम्रपान जितना खतरनाक है। इससे 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं, जिन्हें सिटिंग डिजीज कह सकते हैं। ये बीमारी इतनी खतरनाक हैं कि एक बार होने के बाद पीछा नहीं छोड़ती।

एक दिन में ज्यादा देर तक बैठे रहने से कई सारी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इन से बचने के लिए एक्सपर्ट ने कुछ काम के टिप्स दिए हैं।

सिटिंग डिजीज क्या है?

ज्यादा देर तक बैठे रहने से 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं। जो कि लाइफस्टाइल से जुड़ी हैं, कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं।

- हार्ट डिजीज
- टाइप 2 डायबिटीज
- हाई बीपी
- बेली फैट
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- अपच
- कब्ज, आदि

एक्सरसाइज से भी नहीं पड़ता असर

अगर आप सोचते हैं कि एक्सरसाइज करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है तो गलत हैं। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद भी ये बीमारी हो सकती हैं। क्योंकि, दिन के बाकी समय में हम बैठे ही रहते हैं। इसलिए इन बीमारियों का खतरा बिल्कुल खत्म नहीं हो जाता।

इतने घंटे बैठने से बचें

जो लोग 7-8 घंटे की सिटिंग जॉब करते हैं और उसके साथ 2-3 घंटे ट्रेवलिंग में बिताते हैं तो उनके बैठे रहने की अवधि 10 घंटे से ज्यादा हो जाती है। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, शोध कहता है कि एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बैठने से दिल की बीमारी और अन्य दिक्कतों का खतरा बढ़ सकता है।

ये टिप्स आएंगे काम

- अगर संभव हो तो स्टैंडिंग डेस्क का इस्तेमाल करें।
- संभव हो तो वॉल्किंग मिटिंग करें।
- काम के बीच में स्ट्रेचिंग करें।
- रोजाना डीप ब्रीदिंग करें।
- 20 मिनट बैठने के बाद 8 मिनट खड़े रहने और 2 मिनट चलने की कोशिश करें।

ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने और ब्रीदिंग एक्सरसाइज के लिए शंख बजाएं

आयुर्वेद और विज्ञान की माने तो शंखनाद से सकारात्मक ऊर्जा का सर्जन होता है जिससे आत्मबल में वृद्धि होती है। शंख में प्राकृतिक कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस की भरपूर मात्रा होती है। शंख से मुख के तमाम रोगों का नाश होता है। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्रोन पोजिशन को एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है तो वहीं अगर आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाना आपके लिए आसान तरीका हो सकता है।

- यदि आप पूजा स्थान पर रखे शंख को पूजा के अलावा अपने आप को स्वस्थ रखने हेतु प्राणायाम के साथ इस्तेमाल करते हैं तो आप दीर्घायु रह सकते हैं।
- शंख बजाने से हृदयाघात, रक्तचाप की अनियमितता, दमा, मंदाग्नि, शुगर, पेट संबंधित में लाभ होता है।
- शंख बजाने से फेफड़े पुष्ट होते हैं। प्रतिदिन शंख फूंकने वाले को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते।
- शंख में पानी रखकर पीने से मनोरोगी को लाभ होता है, उत्तेजना कम होती है।
- शंख की ध्वनि से दिमाग व स्नायु तंत्र सक्रिय रहता है।
- शंख बजाने से योग की 3 क्रियाएं एकसाथ होती हैं- कुंभक, रेचक, प्राणायाम।
- शंख की ध्वनि से नकारात्मक शक्तियां भी दूर होती हैं।
- शंख वादन से स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- शंख बजाने से चेहरे, श्वसन तंत्र, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों का व्यायाम होता है।
- अगर आपको खांसी, दमा, पीलिया, ब्लडप्रेशर या दिल से संबंधित मामूली से लेकर गंभीर बीमारी है तो इससे छुटकारा पाने का एक सरल-सा उपाय है। शंख बजाइए और रोगों से छुटकारा पाइए।

साइटिका के दर्द से परेशान हैं तो जरूर करें गोमुखासन

साइटिका का दर्द पैरों में नसों में दबाव पड़ने के कारण होने वाला दर्द है, जो कमर से संबंधित नसों में सूजन का कारण भी बन सकता है। साइटिका का दर्द होने पर चलने फिरने या पैरों को मोड़ने में समस्या हो सकती है। वहीं कंधे के आस-पास के नसों में खिंचाव होने के कारण कंधे में भी दर्द होने लगता है। शरीर के इन दोनों ही हिस्सों पर दर्द होने के कारण आपको काम करने में समस्या होना आम बात है। इंस्टाग्राम पेज पर योग प्रशिक्षक ने एक वीडियो शेयर कर साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए गोमुखासन करने की सलाह दी है। गोमुखासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, गो-मुख-आसन जहां गो का अर्थ गाय है, मुख का अर्थ चेहरे से है और आसन का अर्थ मुद्रा है। मुड़े हुए पैर गाय के मुंह की आकृति बनाते हैं जबकि कोहनियां गाय के कान की तरह दिखती हैं। इसलिए, इसे आमतौर पर गाय-मुख मुद्रा के रूप में जाना जाता है।

गोमुखासन करने का तरीका क्या है

- अपने पैरों को जमीन पर फैलाकर बैठ जाएं और दंडासन या स्टाफ पोज से शुरुआत करें।
- अब अपने पैरों को खोलें और फिर घुटनों को मोड़ लें।
- अपने बाएं पैर को अपने दाएं हिप्स के पास ले जाएं।
- अब अपने दाहिने पैर को अपने बाएं कूल्हे के पास ले जाएं।
- इस दौरान आपका दाहिना घुटना आपके बाएं घुटने के ऊपर होना चाहिए।
- इस प्रक्रिया के दौरान सांल लें और अपने दाहिने हाथ को छत की ओर सीधी स्थिति में रखें।
- सांस छोड़ें और अपनी कोहनी को ऊपर की ओर मोड़ें और दाहिने हाथ को पीछे की ओर लाएं।
- अब अपने बाएं हाथ को पीछे की ओर मोड़ कर अपने पीठ के केंद्र को छूते हुए कोहनी को धीरे से जमीन की ओर झुकाएं।
- पीठ के पीछे से अपने हाथों को एक साथ पकड़ने की कोशिश करें और जितना संभव हो सकें उंगलियों को मिलाएं।
- अगर हाथों को पकड़ना मुश्किल हो तो स्ट्रैप या बेल्ट को आप प्रोप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपनी रीढ़ को सीधी स्थिति में रखें और अपने सिर को आगे की ओर झुकने से बचाए।
- साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए इस आसन का अभ्यास रोजाना करें।

गोमुखासन करने के क्या फायदे हैं

- गोमुखासन हिप्स को फैलाता है, जो साइटिका नर्व पर दबाव को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे साइटिका के दर्द को कम किया जा सकता है।
- यह आसन कंधों को खोलने में मदद करता है, जिससे जकड़न दूर होती है और कंधे के दर्द से आराम मिलता है।
- गोमुखासन आपकी छाती को खोलकर पोश्चर में सुधार करता है और कंधों के तनाव से राहत देता है।
- यह मुद्रा रीढ़ की हड्डी को सही रखने में मदद करती है, जो रीढ़ की हड्डी में होने वाली असुविधा को कम कर सकती है।
- गोमुखासन के नियमित अभ्यास से हिप्स, कंधों और रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है, जिससे शरीर के इन हिस्सों में होने वाली असुविधा को कम करने में मदद मिलती है।
- गोमुखासन शरीर के मांसपेशियों की ताकत को संतुलित करने में मदद करता है, किसी भी असंतुलन को दूर करता है जो दर्द का कारण बन सकता है।
- गोमुखासन का अभ्यास आपके साइटिका और कंधे के दर्द से राहत दिला सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे अगर आप इसे पहली बार कर रहे हैं तो किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करें।

आग लगने से झोपड़ी हुई जलकर राख

➲ कालियाडिंगा फ्लाईओवर के समीप हुई घटना

पूसू प्रतिनिधि, बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कालियाडिंगा फ्लाईओवर के समीप सड़क किनारे बनी झोपड़ी में गुरुवार की अहिले सुबह आग लग जाने से झोपडी जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को मिलते ही अग्निशमन विभाग की कर्मचारी पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया । घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार हाड़िया बेचने वाले झोपड़ी अचानक धू-धू कर जलने लगा। जिसमें सड़क पर चलने वाले राहगीरों की नजर पड़ी तो उन लोगों ने अग्निशमन विभाग को दुरभाष से सूचना देने के साथ ही आस-पास के दुकानदारों को भी सूचित कर आग बुझाने में लग गये।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र में डबल मर्डर, पुलिस घटनास्थल पहुंच कर जांच में जुटी

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिले के गुदड़ी थाना क्षेत्र के बुरुगुरुकेला गांव में एक महिला और एक युवक की पीट पीटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच में जुट गई है। घटना मंगलवार शाम की बताई जा रही है, हंडिया पीने को लेकर हुए विवाद में यह डबल मर्डर हुआ। जानकारी अनुसार हंडिया पीने के दौरान एक महिला और एक युवक के बीच विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ा की गुस्से में आकर युवक ने महिला की जमकर पिटाई कर दी। युवक ने महिला को तव तक पिटता रहा जब तक हो मर नही गई। इस घटना के बाद घटनास्थल पर

मौजूद मौजूद ग्रामीणों ने भी गुस्से में युवक की जमकर लात घूंसे और लाठी डंडे से पिटाई कर दी। ग्रामीणों की पिटाई से युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया है कि हत्या आपसी विवाद में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पहुंच कर ग्रामीणों से घटना की जानकारी इकठ्ठा कर रही है। वहीं शवों का घटनास्थल पर पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक घायल

पूसू प्रतिनिधि, बहरागोड़ा। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एन एच 49 पर माटियाल के समीप गुरुवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से एक अज्ञात व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति सड़क के किनारे घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। जिसे स्थानीय लोगों ने सड़क से उठाकर 108 एंबुलेंस के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कै के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी लेने के बाद घायल व्यक्ति का पहचान करने में जुटी हुई है।

जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा जिला महामंत्री ने किया जनसंपर्क अभियान

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा की जिला मंत्री पुतुल पुर्ती ने गुरुवार को नोवामुंडी क्षेत्र के टोंटोपोसी व दनावली ब्रुथ में जाकर जन संपर्क किया। इस दौरान केंद्र सरकार के उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा। वही श्रीमति पूर्ती ने कहा कि विपक्षी दलों के पास नीति, नेता व नियत की भारी कमी है। भाजपा जहां राष्ट्र निर्माण के लिये राजनीति करती है, वहीं विपक्षी दल सत्ता का सुख पाने के लिये राजनीति करते है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य किया है। पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज के हर वर्ग की चिंता की। 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम चल

रहा है। आज भारत पूरे विश्व में एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। यह मोदी जी के दृढ़ संकल्प और दूरगामी सोच के कारण संभव हो पा रहा है। पहले लोगों को गैस का कनेक्शन के लिए पैरवी की जरूरत होती थी। लेकिन आज घर-घर कनेक्शन दिया जा रहा है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में एकलव्य आश्रम विद्यालय खोले जा रहे है। मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ चाहे उज्ज्वला हो, किसान सम्मान हो, शौचालय हो, पीएम आवास हो, के माध्यम से लोगों को मिल रहा है। यह सब एक सशक्त नेतृत्व के कारण ही संभव हुआ है। ऐसी ही प्रगति के लिए हमें तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार बनाना है। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मोदी जी को लाना है। इस दौरान सुकमीता गोप, सुष्मिता। गोप,सुकुरमानी, दमयंती गोप, पूर्णिमा देवी, सुखासनी गोप आदि उपास्थित थे।

बाहा मिलन समारोह का हुआ आयोजन

पूसू प्रतिनिधि, घाटशिला। घाटशिला जे। के। एम शैक्षणिक संस्थान में गुरुवार को बाहा मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाहा मिलन संथाली विभाग के प्रो। प्रामिला माझी एवं दूली रानी मुर्मू के द्वारा किया गया। बाहा मिलन समारोह में सभी संथाली के विद्यार्थियों ने साल के वृक्ष पर नायके की देखरेख में पूजा अर्चना किया। यह बाहा पर्व, प्रकृति से अच्छे बारिश की कामना करते हैं, जिससे की अच्छी फसल हो सके। इस बाहा मिलन समारोह में सभी एक दूसरे को साल के फूल देकर सभी एक दूसरे के जीवन में सुख, समृद्धि की कामना किया। संथाली विद्यार्थियों नें अपना सांस्कृतिक नृत्य एवं मांदर और नागडे के धुन से स्वयं गाना गाकर सबों का मन मोह लिया।इससे पता चलता है कि आने वाले भविष्य में यह संस्कृति चलता रहे। महाविद्यालय के सचिव

बाहा मिलन समिति को किया सम्मानित

घाटशिला कालेज के प्राचार्य डॉ। आर के चौधरी ने गुरुवार को बाहा मिलन समारोह के आयोजन समिति के सदस्यों एवं छात्रों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके प्राचार्य ने कहा कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव को लेकर लगे आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रखकर इन सदस्यों ने बहुत ही अनुशासित ढंग से बाहा मिलन समारोह के आयोजन में अपना बहुमूल्य योगदान दिया, जो दूसरों के लिए अनुकरणीय है। प्राचार्य डॉ चौधरी ने इस मौके पर संताली विभाग के प्राध्यापक मानिक मार्डी, बसंती मार्डी, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो। विकास मुंडा, कर्मचारियों में रघुनाथ मुर्मू, दीपक टोप्पो, अशोक दास सहित अन्य को अंग वस्त्र देकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

नारायण प्रसाद ने कहा कि इस तरह कार्यक्रम हमेशा होता रहे जिससे सभी विद्यार्थियों को अपने संस्कृति के प्रति सम्मान और प्रेम जगे।

संक्षिप्त खबरें

2 अप्रैल से आरंभ होगी माहुरी समाज की कुलदेवी मां मथुरासिनी की पूजा

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम से मनाई जाएगी मां मथुरासिनी पूजा, कल सुजीत राम की अध्यक्षता में एक बैठक करके यह निर्णय लिया गया, सुजीत राम ने कहा होली के आठवां दिन के बाद माहुरी समाज की कुलदेवी मां मथुरासिनी की पूजा की जाती है जिसमें समाज के सभी लोग शामिल होते है, बैठक में 2 अप्रैल से पूजा आरंभ होगी सुबह 9.00 बजे से मां की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की शुरुआत होगी। 12.30 बजे आरती होगी एवं संध्या आरती की जाएगी उसके बाद प्रसाद वितरण की जाएगी। 3 अप्रैल को सुबह 9.00 बजे से पूजा आरंभ होगी एक बजे 1.00 बजे भंडारा का आयोजन किया जाएगा एवं 3.00 बजे शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो सदर बाजार होते हुए दुर्गा मंदिर, पोस्ट ऑफिस चौक होते हुए कचहरी तलाव पहुंचेगी, इस शोभायात्रा में बच्चे, युवा महिलाएं समाज के सभी लोग शामिल होगें। कल इस बैठक में दिलीप राम, प्रमोद प्रसाद, केशव प्रसाद, उमेश प्रसाद, अनिल गुप्ता, अजय प्रसाद, पिंटू के अलावा भी समाज के लोग शामिल थे।

कमल किशोर नायक के नेतृत्व में चला लाभार्थी संपर्क अभियान

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। भारतीय जनता पार्टी झीकपानी मंडल अध्यक्ष कमल किशोर नायक के नेतृत्व में लाभार्थी संपर्क अभियान चलाया गया जिसमें बूथ संख्या 195,191 में सघन जनसंपर्क करते हुए अलग लाभार्थियों से संवाद हुआ संवाद करते हुए लाभार्थियों को केंद्र सरकार की किन-किन योजनाओं का लाभ मिला है इसकी जानकारी ली गई केंद्र सरकार के द्वारा की गई कारों का पत्रक दिया गया। और वर्तमान लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सांसद गीता कोड़ा के पक्ष में अपने मतदान देने की अपील किया गया। आज केंद्र सरकार के द्वारा महिलाओं को सम्मान देते हुए 33त्न आरक्षण दिया गया जिससे महिला वर्गों ने केंद्र सरकार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया साथ महिला समूह को स्वरोजगार से जोड़ते हुए स्वावलंबन किया जा रहा है जिस से महिलाएं सशक्त हो रही है लाभार्थी संपर्क अभियान में भाजपा जिला महामंत्री प्रताप कटियार महतो बुथअध्यक्ष दिवेश खान्डाईत,जय श्री मुण्डा मंडल महामंत्री पप्पू महतो बिंदेश खान्डाईत बाबू बागति संजय खंडाईत अजय खंडाईत शिवानी खंडाईत ममता खन्डिईत चंदू दास रौतू मुंडा रविंद्र पूर्ति बासमती टुडू समेत अनेक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

मीडिया कोषांग की बैठक में गाइड लाइन के पालन का निर्देश

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। सूचना भवन चाईबासा के सभागार में नोडल पदाधिकारी मीडिया कोषांग सुश्री ईशा खंडेलवाल की अध्यक्षता एवं प्रभारी पदाधिकारी मीडिया कोषांग की उपस्थिति में कोषांग में प्रतिनियुक्ति सभी कर्मियों के साथ प्रशिक्षण सह बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नोडल पदाधिकारी मीडिया कोषांग सुश्री ईशा खंडेलवाल के द्वारा प्रतिनियुक्ति कर्मियों को उनके कार्य दायित्व से अवगत कराया गया और उन्हें लोकसभा चुनाव में मीडिया कोषांग के द्वारा किए जाने वाले कार्य से अवगत भी कराया गया। नोडल पदाधिकारी के द्वारा चुनाव से संबंधित प्रेस कतरन, पेड न्यूज, फेक न्यूज़, गलत और भ्रामक सूचना, सेरोगेट एडवरटाइजमेंट, सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के साथ-साथ एमसीएमसी कोषांग के तहत किए जा रहे कार्यों के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी।

पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कोवाली का वार्षिक परीक्षा फल घोषित

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कोवाली में गुरुवार को वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। ज्ञात हो कि संस्कार युक्त शिक्षा देने वाली कोवाली के विद्या मंदिर तरुण ,उदय एवं वर्ग प्रथम से अष्टम तक की पढ़ाई होती है जिसमें 250 भैया बहानें अध्ययन करते हैं। इस अवसर पर प्रथम तीन स्थानों पर आने वाले भैया बहनों को स्कूल की ओर से प्रबंधन समिति के द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य श्रीमती सविता महतो ने सत्र का परीक्षा परिणाम सत प्रतिशत बताई साथी साथ उन्होंने विद्यालय के भैया बहनों एवं सभी आचार्यों तथा दीदी जिओं को उनकी मेहनत की बधाई दी। समिति के अध्यक्ष आशुतोष मंडल ने छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर पुरजोर मेहनत करने का संकल्प दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना के बाद परीक्षा फल का प्रकाशन विधिवत हुआ। कार्यक्रम में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर आने वाले भैया बहनों को भी सम्मानित किया गया।

डायट सभागार में महिला दिवस समारोह का आयोजन, 130 शिक्षिकाएं हुई शामिल

पूसू चाकुलिया। चाकुलिया के डायट सभागार में गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा महिला दिवस समारोह मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डीएसइ निरमला बरेलिया मौजूद थी । जिसमें 130 विभिन्न विद्यालयों की शिक्षिका शामिल हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर संबोधित करते हुए डीएसइ ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। आरटीकल लिखने पढ़ने से समय कटता है साथ ही कठिन समय भी बतता है। साथ ही उन्होंने ने यह भी कहा कि सभी जीवन का सम्मान करें, जीवन काफी महत्वपूर्ण है और जीवन का आनंद उठाएं जीवन को सकारात्मक जीवन जीए। महिलाएं परिवार, दोस्त और विद्यार्थियों का प्रेम प्राप्त करें, प्रेम हमें नई उर्जा देती है। सभी स्त्री खुद का सम्मान करें और पूरूषों का भी सम्मान करें। पुरूष और महिला एक है और एक दूसरे के बगैर अधूरे है। किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए जुनून होना चाहिए, कुछ करने के लिए जुनून और पागलपन होना चाहिए तभी सफल हो पायेंगे। साथ ही सभी शिक्षिकाएं विद्यार्थियों के कमजोरी को समझे और उनकी कमजोरी को ही उनकी शक्ति बनाएं। शिक्षक और अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षित बनाने के साथ साथ बेहतर इंसान बनाएं और उन्हें अच्छी परवरिश करें तभी बच्चें जीवन में सफलता पा सकते हैं। मौके पर विजय शर्मा, डीएसपी जमशेदपुर अरूणा मिश्रा, शिक्षिका अनिता शर्मा, डॉ त्रिपुरा झा, निरमला कुमारी, रामनाथ सिंह, ज्योतिका भकत विजय सामत समेत अन्य कई लोग मौजूद थे ।

सिंहभूम संसदीय सीट का बड़ा मुद्दा

बेटियों का प्रशिक्षण या शोषण!

अबुआ अखाड़ा

जीतेन्द्र ज्योतिषी

पूसू, चाईबासा। नर्सिंग ट्रेनिंग के नाम पर पश्चिम सिंहभूम की बेटियों के मत्थे 1.50 लाख का कर्ज हैं। यह पश्चिमी सिंहभूम के दूरदराज के इलाकों में रहने वाली सिंहभूम कि बेटियों की आवाज़ हैं! जिन्हें वर्ष 2018 में यह सब्ज बाग दिखाया गया था कि चाईबासा में नर्सिंग कालेज खुल रहा हैं यहाँ ट्रेनिंग ले लो नर्स बन जाओगी। युवतियों को ट्रेनिंग मिली वे नर्स भी बनी पर उन्हें अनुबंध पर झारखंड सरकार के अस्पतालों में नौकरी नहीं मिली। कारण तकनिकी और सर्टिफिकेट का न दिया जाना रहा। सूत्र बताते हैं कि उन्हें दक्षिण भारत की विभिन्न अस्पतालों में नौकरी दिलाई गईं मात्र सीमित तन्खावाह में। जो नौकरी कर रहीं हैं उनके माथे पर चाईबासा के एक निजी बैंक से लगभग 1.50 लाख का कर्ज भी चढ़ा हुआ हैं, यह कर्ज उन्हें जो कम या अधिक सैलेरी मिलेगी उससे ही अदा करनी हैं और जब तक ऋण अदा नहीं होता है प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र उनके हाथ नहीं आने वाला है। ऋण अदायगी को साफ शब्दों में समझे तो उसे मिलने वाली सैलरी से डिडेक्ट कर लिया जायेगा। इस संदर्भ में कुछ एक माननीयों ने एक दो सर्टिफिकेट के लिये पैरवी की, पर न हीं माननीयों की बात मानी गईं न ऑफिसियल लोगों जन-जातीय बहुल इस इलाके में इस स्कीम से नर्स बनने का ख्वाब सजाने वाली लड़कियो का कितना लाभ हुआ यह बात गंभीरता से सोचने वाली हैं पर कौशल विकास के नाम पर नर्स ट्रेनिंग चलाने वाली संस्था / संस्थान पुरे फायदे में रहा। नुकसान क्या हुआ अगर इसकी बात करें तो टेक्निकल सूत्रों के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली नर्सिंग छात्राओं का भविष्य यहाँ सरकारी स्वास्थ्य विभाग में नहीं दिखता हैं। इसका कारण है कि प्रशिक्षण देने वाली संस्था इस मामले में कई मानको को पूर्ण नहीं करती है। यही वो बड़ा कारण है। चाईबासा से नर्सिंग कौशल प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्लेसमेंट के नाम पर दूसरे बड़े शहर की अस्पतालों में भेज दिया जा रहा है। वह भी कम तन्खावाह और प्रशिक्षण के नाम पर लिये गये कर्ज के कारण सभी कार्यरत नर्स की परेशानी यहाँ बढ़ जाती हैं, कुछ तो मजबूरी में वहीं बड़े शहरों में रह जाती हैं जबकि कुछ टूट कर जब वापस आती हैं तो अपने गांव में गुमनामी की जिंदगी गुजारती हैं। लोक सभा का चुनाव लड़ने वाले बड़े-बड़े राजनितिक दल के प्रत्याशियों और जनप्रतिनिधियों से सिंहभूम की बेटियों के हक में यही बड़ा सवाल हैं और यही सबसे बड़ा मुद्दा। हालांकि पूर्व में कई जनप्रतिनिधियो से यह सवाल पूछ कर समाधान के लिये कहा गया था। इनमे कुछ तो राज्य स्तर के बड़े नेता हैं। ऐसे सभी लोग या तो चुप्पी साध गये या अपने चहेते ठेकेदारों के संग नफा नुकसान की बात करते हुये जनता के दर्द को ही भुल गये।

आज की स्थिति को समझे चाईबासा में जिला अस्पताल जिसे सदर अस्पताल भी कहा जाता है यहाँ वर्ष 2017 से एक भवन बनना शुरू हुआ डीएमएफटी मद से नर्सिंग ट्रेनिग के लिये चार करोड़ से अधिक की राशि का भवन बना। बदलते वक्त के साथ एक एनजीओ के साथ सरकार ने एमओयू किया। यहाँ सरकार का मकसद साफ हो सकता है, लेकिन एमओयू के बाद भवन बनने के बाद इसे लेने वाली संस्था/संस्थान ने यहाँ किस तरह की ट्रेनिग दी या दे रही इसकी परत दर परत चर्चा आगे होती रहेगी। इसमें आज की बड़ी और गम्भीर बात यह है कि अस्पताल प्रबंधन समिति जो अस्पताल परिसर में मौजूद दुकानों से भाड़ा कमा कर अपने चालक आदि का पेमेंट करती है, उसने इतने बड़े भवन का किराया रेंट या भवन शुल्क इतने दिनों/वर्षो से क्यों नही लिया और संस्था ने क्यो नही दिया! जबकि इतने बड़े भवन के इंगेज होने से विडम्बना अस्पताल प्रबन्ध के सामने भी खड़ी हो गई है विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार जीएनएम प्रशिक्षण के लिये भवन बनाने के लिए उसे अन्यत्र जगह ढूंढने की कवायद करनी पड़ रही है। सवाल तो अभी कई हैं। जिनका जवाब वर्तमान और भावी जन जनप्रतिनिधियों को जन हित और सिंहभूम की बेटियों के हित में ढूढ़ना ही चाहिये।

बड़ी बात

इस बार का यह बड़ा चुनावी मुद्दा बेटियों के हित में बनना ही चाहिये। पर ऐसे मुद्दे पर नेता जी मौन है दोषी कौन है पता नही। यह समझने और जांचने का विषय है। फिलहाल तो स्थिति यह है कि चुनावी माहौल में जनता के मुद्दों से दूर जन सम्पर्क में बहुत तेजी है। जबकि मानवीय आधार पर जनता के नुमाइंदों को सिंहभूम की बेटियों के विषय में दिल पर हाथ रख कर सोचना और बोलना चाहिये।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जिला निर्वाची पदाधिकारी ने की बैठक

सी-विजिल एप पर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की कर सकते हैं शिकायत

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। आईटीडीए के परियोजना निदेशक एवं एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने गुरुवार को जिले में आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हो इसे संबधित प्रत्याशी एवं राजनीतिक दल सुनिश्चित करेंगे। बैठक में निर्देशित किया गया कि लोकसभा चुनाव में सभी राजनैतिक दल एवं उम्मीदवार कहीं भी सरकारी भवन तथा निजी इमारतों पर बिना अनुमति के चुनाव प्रचार सामग्री नहीं लगाएंगे। संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत ऐसे मामले में प्रत्याशी या पार्टी के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। चुनाव की घोषणा के साथ ही जिला में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जिसका सभी पार्टियों व उम्मीदवारों को कड़ाई से पालन करना है। इस दौरान कोई भी उम्मीदवार किसी दूसरे प्रत्याशी पर कोई भी व्यक्तिगत, जातिगत, धार्मिक या पारिवारिक भावनाओं को ठेस पहुंटाने की कोशिश नहीं करेगा। परियोजना निदेशक आईटीडीए ने कहा कि चुनाव आयोग ने सी-विजिल के नाम से मोबाइल एप शुरू किया है। इस एप पर कोई भी नागरिक या उम्मीदवार चुनाव आचार संहिता की अवहेलना कहीं हो रही है तो उसकी फोटो खिंच कर भेज सकता है, जिस पर सौ मिनट में कार्रवाई की जाएगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1950 भी शुरू कर दिया गया है जिस पर किसी भी प्रकार की शिकायत या जानकारी ली जा सकती है। बैठक में बताया गया कि चुनाव में वाहनों का इस्तेमाल, रैली या जलसा करने, लाऊडस्पीकर बजाने आदि की प्रशासन से पहले अनुमति लेनी होगी। राजनीतिक दलों को बैनर, पोस्टर एवं अन्य सामग्रियों तथा मीडिया में प्रकाशन के लिए एमसीएमसी कोषांग से अनुमति लेना आवश्यक है। सामाजिक कार्यक्रम में दखल नहीं है परन्तु आदर्श आचार संहिता के दिशा-निर्देश के आलोक में कार्यक्रम संचालित किया जा सकता है। किसी भी पार्टी, प्रत्याशी या समर्थकों को रैली या जुलूस निकालने या चुनावी सभा करने से पहले अनुमति लेनी होगी। बैठक में बताया गया कि प्रचार-प्रसार में जो भी खर्च किया जाएगा उसका ब्यौरा व्यय लेखा कोषांग में जमा कराएंगे। नकारात्मक प्रचार-प्रसार एवं बिना प्रेस के नाम का बैनर, पोस्टर, आदि का मुद्रण नहीं करायेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपादन एवं आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से अनुपालन को लेकर अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश से बैठक में उपस्थित सदस्यों को बताया गया। बैठक में विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, एलआरडीसी घाटशिला, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, एसडीएम धालभूम, एसडीएम घाटशिला, सीओ धालभूमगढ़, बीडीओ पटमदा समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांग मतदाताओं को वोटिंग के दिन मिलेंगे व्हील चेयर

मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं के लिए सुनिश्चित न्यूनतम सुविधा की उपलब्धता के संदर्भ में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सामग्री कोषांग के पदाधिकारियों से मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए व्हीलचेयर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रों पर दिव्यांगजनों को मूलभूत सुविधाओं के तहत अनिवार्य रूप से व्हीलचेयर उपलब्ध कराया जाना है, इसलिए जिला में विभिन्न स्त्रोतों से उपलब्ध व्हीलचेयर का आकलन कर रिपोर्ट समर्पित करें। आवश्यकतानुसार सी.एस.आर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) से व्हीलचेयर की आपूर्ति सुनिश्चित करायें तथा मतदान केन्द्रों में दिव्यांग मतदाताओं को मैपिंग करने के कार्य को अंतिम रूप दे। बैठक में निदेशक एनईपी, जिला योजना पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मतदान केन्द्रों के वल्नरेबल मैपिंग को लेकर बैठक

मतदान केन्द्रों के वल्नरेबल मैपिंग के संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में बैठक हुई। समाहरणालय स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में एसएसपी किशोर कौशल, डीडीसी मनीष कुमार, सिटी एसपी मुकेश लुणायत, रूरल एसपी श्री ऋषभ गर्ग, पी.डी- आईटीडीए श्री दीपांकर चौधरी, एसडीएम धालभूम पारूल सिंह, एसडीएम घाटशिला सच्चिदानंद महतो समेत अन्य पदाधिकारी बैठक में मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों की समीक्षा में कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एनं भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने को लेकर वल्नरेबल बूथ की पहचान करने में किसी प्रकार का समझौता नहीं करें। उन्होंने कहा वल्नरेबल बूथ की पहचान अभी से कर लेंगे तो मतदान शांतिपूर्ण संपन्न कराने में सहायक होगा ताकि मैपिंग के मुताबिक पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जा सके। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा प्रशासन का काम है वल्नरेबल बूथ की पहचान करना और शांतिपूर्ण चुनाव को संपन्न कराना। दो दिनों के अंदर अतिम रूप से वल्नरेबल मैपिंग के काम को पूरा करें। वैसे बूथ की पहचान करने के लिए उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को संयुक्त रूप से समीक्षा कर बूथ का निर्धारण करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

शहर से दौड़कर अयोध्या श्री राम मंदिर दर्शन करने पहुंचे युवाओं का सम्मान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। विगत 11 मार्च को पारडीह काली मंदिर से पूजा अर्चना के बाद शहर से पांच युवा अयोध्या के लिए रवाना हुए थे। जिनमें विशाल कुमार तिवारी, सनी तिवारी, अमन कुमार सिंह (दौड़कर) और आयुष कुमार एवं मनीष ने फोर व्हीलर से इनका सहयोग प्रदान करने का काम किया। ये युवा 14 दिन दौड़ने के बाद 24 मार्च रात्रि 10.30 बजे अयोध्या मंदिर पहुंचे। रास्ते में जगह-जगह राम भक्तों ने इनके खाने पीने एवं गाड़ी में तेल की व्यवस्था कराई। ये युवा सेना में भर्ती होने की तैयारी करते हैं और एक खिलाड़ी के रूप में अपना कैरियर बनाने के लिये प्रयासरत हैं। इसकी जानकारी मिलने पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद पूर्वी सिंहभूम के प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ नागरिक समिति के अध्यक्ष शिवपूजन सिंह के संयुक्त सहयोग से अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। जबकि सहारा सिटी मानगो कॉलोनी के श्रीकांत मेहता अशोक नैय्यर एवं अशोक गुप्ता ने स्पोर्ट्स शु प्रदान करने का काम किया। तीनों सेना से सेवानिवृत सदस्यों ने माला पहनाकर मिठाई खिलाया और इन युवाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। युवाओं ने कहा कि उनके लिए अयोध्या धाम तक दौड़कर जाना एक अलग अनुभूति प्रदान करता है। रास्ते में लोगों का मिला अपार स्नेह व प्यार उनके इस प्रण को पूरा करने में सहायक बना। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुशील सिंह के नेतृत्व में जिला सचिव दिनेश सिंह, मानगो नगर संयोजक मिथिलेश सिंह, हंसराज सिंह, सतनाम सिंह, अशोक श्रीवास्तव, महेश कुमा,र प्रमोद कुमार, कन्हैया शर्मा, महेश कुमार, यूके सिंह आदि शामिल थे।

पिता की स्मृति में पुत्र ने ओल्ड एज होम में बांटा फल

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। समाजसेवी स्वर्गीय सतनारायण झा के स्मृति में उनके बेटे भोला झा के नेतृत्व में गुरुवार को बाराद्वारी आशीर्वाद भवन स्थित ओल्ड एज होम में 30 बुजुर्गों के बीच फल एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस दौरान भोला झा ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना पुण्य का काम है। उनके पिता भी समाजसेवक थे, उनके नहीं रहने की कमी की भरपाई नहीं हो सकती है, लेकिन उनकी स्मृति में बुजुर्गों की सेवा से उन्हें सुकून मिलता है। भोला झा ने ओल्ड एज होम में रह रहे बुजुर्गों से कहा कि किसी भी तरह की समस्या होने पर वे तत्परता से खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा किआने वाले दिनों में इन बुजुर्गों को जमशेदपुर के तमाम मंदिरों सहित तीर्थ यात्रा भी कराया जाएगा। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद, उप मुखिया संतोष ठाकुर समेत अन्य मौजूद थे।

मानगो नगर निगम ने टैंकर से की जलापूर्ति

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। मानगो नगर निगम क्षेत्र के डिमना बस्ती क्षेत्र में मोटर जलने के कारण जलापूर्ति बाधित होने की समस्या को देखते हुए टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति की गई। ताकि आसपास के लोगों को पानी की समस्या ना हो। मानगो नगर निगम के द्वारा अन्य जगहों में भी टैंकर से जलापूर्ति किया गया। जिसमें शंकोसाईं रोड नंबर 5 , बागान शाही, श्याम नगर, रामनगर, संकुसाई रोड नंबर 1 के आंतरिक भाग, लक्ष्मण नगर आदि क्षेत्र शामिल हैं।अपर नगर आयुक्त रंजीत लोहरा ने नगर निगम क्षेत्र में जलापूर्ति बाधित वाले क्षेत्र में तत्काल टैंकर से जलापूर्ति कराने का आदेश दिया है।

पेयजल से वंचित बस्तियों में जुस्को देगी पानी : भाजमो

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। पूर्वी विधानसभा के विधायक सरयू राय की अनुसंशा और लगातार प्रयास के बाद टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड सर्विसेज लिमिटेड (जुस्को) द्वारा निम्नलिखित बस्तियों में पानी देने की सहमति प्रदान की है। सबसे पहली बस्ती बर्मामाइंस चुना भट्टा बस्ती दूसरा मनीफिट 06 नंबर और 07 नंबर बस्ती शामिल है। गुरुवार भारतीय जनतंत्र मोर्चा बर्मामाइंस मंडल अध्यक्ष दुर्गा राव और महामंत्री बबलू कुमार के सहयोग से दोनों बस्तियों में जुस्को के अधिकारियों ने भ्रमण कर पेयजल आपूर्ति प्रारंभ करने के लिए निरक्षण किया। सहमति बनी की पहले चुना भट्टा बर्मामाइंस बस्ती और फिर मनीफित 06 और.07. नंबर में पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कारवाई जाएगी। इन सभी बस्तियों में विधायक सरयू राय के अथक प्रयास के बाद परमानेंट पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है जिसके लिए आज जुस्को की टीम ने स्थल का मुआयना कर लिया और आश्वासन दिया एक दो दिनों के अंदर में काम कर दिया जाएगा।

समाजसेवी अशोक चौधरी के घर पर हुआ शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी का पादुका पूजन

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। द्वारका शारदापीठ के नए शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज का जमशेदपुर प्रवास के दौरान समाजसेवी अशोक चौधरी के आवास पर आगमन हुआ। उनके आगमन पर आतिशबाजी, ढोल मंजीरा, पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। अशोक चौधरी के आवास पर मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने शंकराचार्य जी की आरती उतारी और पादुका पूजन किया। शंकराचार्य जी ने सभी भक्तों को अपने हाथों से फल स्वरुप प्रसाद प्रदान किया।

इस अवसर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष बसंत मित्तल, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश रिंगसिया, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक भालोटिया, कमल किशोर अग्रवाल, पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष संदीप मुरारका, महासचिव अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल अधिवक्ता, सचिव विनोद शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन जुगसलाई शाखा के अध्यक्ष लिपु शर्मा, साकची शाखा के अध्यक्ष सुरेश कांवटिया, निर्मल मित्तल, श्याम रिंगसिया, कमल अग्रवाल के पी, बिट्टू जवानपुरिया, प्रेम गढ़वाल, राहुल चौधरी, अनिल चौधरी, राजेश चौधरी, आंनद चौधरी, उमेश खीरवाल, टप्पू खीरवाल इत्यादि भक्त और भारी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

जमशेदपुर की सतरह महिलाएं राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने पहुंची पारसनाथ

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। मारवाड़ी महिला सम्मेलन का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 29 एवं 30 मार्च को पारसनाथ के विशाल गुणायतन सभागार (गिरिडीह जिला, झारखंड) में होने जा रहा हैं, जिसकी सभी तैयारियां पुरी कर ली गयी हैं। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए गुरूवार 28 मार्च को रेल एवं सड़क मार्ग से जमशेदपुर से 17 महिलाएं पारसनाथ पहुंच गयी हैं, जिसमें वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जया डोकानिया, लता अग्रवाल, राष्ट्रीय शाखा विस्तार प्रमुख बीना खीरवाल, प्रदेश सचिव प्रभा पड़िया, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुशीला खीरवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष विभा दुदानी, जमशेदपुर शाखा अध्यक्ष बीना अग्रवाल, सचिव सीमा अग्रवाल सहित मंजू मुसद्दी, सविता खीरवाल, सीमा सावा, सुनीता भालोटिया, मीरा अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, संतोष धुत, सुलभा अग्रवाल शामिल हैं।

इसमें शामिल होने के लिए पूरे भारतवर्ष से लगभग 800 महिलाएं आ रही हैं। इस संबंध में मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रांची निवासी नीरा बथवाल ने बताया कि इस अधिवेशन में विगत दो वर्षों में किये गये कामों की समीक्षा के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जायेगा साथ ही आगामी सत्र की राष्ट्रीय अध्यक्ष ओड़िशा की अंजू सरावगी को पदस्थापित किया जायेगा। सम्मेलन की राष्ट्रीय सचिव रूपा अग्रवाल ने बताया कि इस अधिवेशन की स्वागत अध्यक्ष काशीडीह निवासी मंजू खंडेलवाल को बनाया गया हैं।

मंत्री बन्ना गुप्ता का प्रचार बोर्ड हटाने की मांग, डीसी से शिकायत

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। झारखण्ड सरकार के मंत्री बन्ना गुप्ता द्वारा जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में कई स्थानों पर अपने नाम का प्रचार बोर्ड लगाए जाने की शिकायत जिला निर्वाचन पदाधिकारी से की गई। सर्वदलीय जन एकता मंच की ओर से कई गई शिकायत में आरोप लगाया गया कि जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक चौक-चौराहों पर बन्ना गुप्ता के नाम का संकेत बोर्ड लगा हुआ है। सैंकड़ों स्थानों पर पथों एवं चौराहों के किनारे अपने नाम का संकेत पट्ट लगा दिया गया है। उन पर अंकित है कि ये प्रचार सामग्रियां या साईन बोर्ड, जमशेदपुर में नगरपालिका के रूप में काम कर रही जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के सौजन्य से लगाई गयी है, जबकि यह सत्य नहीं है। मंत्री बन्ना गुप्ता ने स्वयं अपने खर्चे पर ये प्रचार सामग्रियां लगाई है। सर्वदलीय जन एकता मंच के संजीव आचार्या ने बताया कि जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक सरयू राय की ओर से इस बारे मे झारखंड विधानसभा में 09 मार्च 2022 को कि गए एक अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्वीकार किया था कि जमश्दपुर पश्चिम में ऐसे साईन बोर्ड जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति द्वारा अधिष्ठापित नहीं किये गए हैं।

साकची बंगाल क्लब में 2 अप्रैल को सजेगा जीण माता का भव्य दरबार, होगा मंगल पाठ

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। साकची बंगाल क्लब में आगामी 02 अप्रैल मंगलवार को श्री जीण माता का भव्य 18वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा, जिसकी सभी तैयारियां अंतिम चरण पर हैं। इस संबंध में श्री जीण माता परिवार जमशेदपुर के अध्यक्ष राजकुमार रिंगसिया और महोत्सव कार्यक्रम के संयोजक मनीष खन्ना ने गुरूवार को संयुक्त रूप से एक प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर बताया कि साकची बंगाल क्लब के एसी हॉल में दोपहर 03 बजे से मां भवानी जीण शक्ति का मंगल पाठ और संध्या साढ़े आठ (08.30) बजे से भजनों की अमृत वर्षा होगी। इससे पहले दोपहर 2 बजे से जीण माता की पूजा और अखंड ज्योत प्रज्जवलित की जायेगी।

संस्थापक शंभू खन्ना ने बताया कि मंगलपाठ का वाचन करने के लिए जयपुर से रविश-सोनम की जोड़ी और भजनों की अमृत वर्षा करने के लिए प्रसिद्ध गायक कोलकात्ता से जयशंकर चौधरी तथा चंडीगढ़ से आशीष देशवाल आ रहे हैं। स्थानीय भजन गायक महावीर अग्रवाल भी भक्तों को झूमाएंगें। साज पर प्रताप शर्मा की म्यूजिकल ग्रुप रहेगी साथ ही कोलकात्ता के कारीगरों द्धारा फूलों से माता का भव्य दरबार सजाया जायेगा। इस महोत्सव का यू ट्यूब पर सीधा प्रसारण होगा। मंगल पाठ का कूपन पहले आओ-पहले पाओं की तर्ज पर भक्तों के बीच बांट दिया गया हैं। महोत्सव को सफल बनाने में मुख्य रूप से शंभू खन्ना, बजरंग लाल अग्रवाल, राजकुमार रिंगसिया, बिनोद खन्ना, सुनील देबुका, जगदीश खेमका, तुलसी खेमका, प्रमोद खन्ना, सुशील अग्रवाल, अधिवक्ता कैलाश अग्रवाल, ललित अग्रवाल, सीताराम देबूका, प्रमोद अग्रवाल, आशीष शर्मा, पवन शर्मा, हितेश, ओमप्रकाश मूनका, गोपाल बेगराजका, पवन संघी, विजय अग्रवाल, मनीष खन्ना, आशीष खन्ना, अंकित अग्रवाल आदि लगे हुए हैं।

सिंहभूम चैम्बर ने इंडिया वन एयर की नई बैगेज नीति का किया विरोध

➲ नागरिक उड्डयन महानिदेशक से किया हस्तक्षेप का आग्रह

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सिंहभूम चैम्बर ने एयरलाइंस कंपनी इंडियावन एयर की नई बैगेज नीति पर आपत्ति जताते हुये इसके विरोध में नागरिक उडड्यन महानिदेशक, नई दिल्ली को पत्र लिखकर इसपर इंडियावन एयर को अपनी इस नई नीति पर फिर से समीक्षा करने हेतु हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुये इसपर उनका ध्यानाकृष्ट कराया है तथा इसकी प्रतिलिपि प्रधानमंत्री कार्यालय एवं नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी प्रेषित किया गया है। यह जानकारी अध्यक्ष विजय आनंद मूनका एवं मानद महासचिव मानव केडिया ने संयुक्त रूप से दी।

अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि यात्री अगर अपने गंतव्य तक जाने के लिये हवाई यात्रा करता है तो वह आसान और आरामदायक यात्रा के लिये स्वयं ही कम बैगेज ले जाने की कोशिश करता है। लेकिन कभी-कभी आवश्यकतानुरूप बैगेज के वजन की मात्रा बढ़ जाती है जिसके लिए पहले ये इंडियावन एयर के द्वारा उपलब्ध बैगेज नीति जो चेकइन में 15 किलोग्राम तथा हैण्ड/केबिन बैगेज की वजन की सीमा 7 किलोग्राम तक मुफ्त थी भी कम होती थी। इस नीति में बदलाव करते हुये इंडियावन एयर ने इसे लगभग आधा करते हुये चेकइन बैगेज की वजन सीमा को 15 से घटाकर 8 किलोग्राम तथा हैण्ड/केबिन बैगेज की वजन सीमा को 3 किलोग्राम कर दिया है, जो कहीं से भी तर्कसंगत और उपयुक्त नहीं है। इससे हवाई यात्रियों विशेषकर ऐसी हवाई यात्री जो अपने परिजन मरीजों को ईलाज हेतु बार-बार हवाई यात्रा करते हैं, आवश्यक कॉर्पोरेट बैठकों में शामिल होने जाते हैं, सेमिनार आदि हेतु हवाई यात्रा करते हैं उनपर अनावश्यक वित्तीय बोझ बढ़ेगा। इसलिये नागरिक उड्डयन महानिदेशक से आग्रह किया गया है कि वह इस नई नीति पर हस्तक्षेप करते हुये कंपनी को इसपर फिर से समीक्षा हेतु दबाव बनाये।

चैम्बर के अन्य पदाधिकारियों उपाध्यक्ष अनिल मोदी, अधिवक्ता राजीव अग्रवाल, पुनीत कांवटिया, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सचिव भरत मकानी, अधिवक्ता अंशुल रिंगसिया, बिनोद शर्मा, सुरेश शर्मा लिपु एवं कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया ने भी महानिदेशक से अनुरोध किया है। इस मुद्दे पर जल्द से जल्द हस्तक्षेप करते हुये एयरलाइंस कंपनी को इसपर समीक्षा करने हेतु दबाव बनाये।

पांच दिवसीय चैतन्य महाप्रभु की निकली भव्य कलश यात्रा

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। पोटका प्रखंड के कालिकापुर में माता शची ठाकुरानी सेवा समिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय चैतन्य महाप्रभु महामिलन उत्सव व अखंड महामंत्र जाप के लिए गुरुवार को भव्य कलशयात्रा व नगर कीर्तन परिक्रमा निकाली गई। कलश यात्रा स्थानीय दूध नदी से शुरू होकर गांव में स्थित हरि मंदिर पहुंची, जिसमें गाजे-बाजे के साथ हजारों की संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक संजीव सरदार, मुख्य संरक्षक मुखिया बाघराय, संरक्षक पंसस दीपक भकत व संयोजक हीतेश भकत सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। कलश यात्रा में पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले से श्रीखोल सम्राट तन्मय सरदार आकर्षक खोल बजाकर भक्तों का दिल जीता। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि कालिकापुर में इस बड़े धार्मिक आयोजन के लिए आयोजन समिति की सराहना करता हूं। धार्मिक आयोजन मानव जीवन में शांति और उर्जा का संचार करता है। धर्म का पालन जरूरी है। यहां कल शुक्रवार से तीन दिवसीय हरिनाम संकीर्तन सह महामंत्र जाप शुरू होगा। एक अप्रैल को नाम यज्ञ समापन व शाम को भोग वितरण कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर सोरेन, भगत बास्के,रजनी षाड़ंगी आदि उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सरस्वती भगत, रंजू दासगुप्ता, नूपुर भगत, कांचन भगत, संतोषी भगत, उर्मिला दास, कविता भगत, बाबली पाल, काजल भगत समेत सैकड़ों ग्रामीण योगदान दे रहे हैं, जिसमें नित्यानंद संकीर्तन सम्प्रदाय (पूर्व सिंहभूम), जय श्रीकृष्ण महिला संकीर्तन सम्प्रदाय (मेदिनीपुर),राधाकृष्ण महिला संकीर्तन सम्प्रदाय (मेदिनीपुर), गौरांग महाप्रभु सम्प्रदाय (पुरुलिया), सुकदेव दास गोस्वामी सम्प्रदाय (पुरुलिया), राधा माधव संकीर्तन सम्प्रदाय (मेदिनीपुर), श्री श्री विशेश्वर बाबा संकीर्तन सम्प्रदाय (कृष्ण नगर), माता शची ठाकुरानी संकीर्तन सम्प्रदाय (राधा गोविंद मन्दिर) शामिल हैं।

रवि और सरगुन के प्रोडक्शन उडारियां ने पूरे किए 1000 एपिसोड्स

रवि दुबे और सरगुन मेहता द्वारा प्रोड्यूस किया गया उडारियां ने अपने एंटरटेनिंग और दिलचस्प ट्विस्ट और टर्न से व्यूअर्स को अपनी तरफ खींचा है। शो ने दर्शकों को अपनी टेलीविजन स्क्रीन से बांधे रखा है और ऐसे में प्रोड्यूसर कोशिश कर रहे हैं कि दर्शकों को टेलीविजन से जुड़ा हुआ रखें। उडारियां ने अपनी शुरुआत से ही दर्शकों का प्यार और सम्मान हासिल किया है, चाहे वह एक्टर हो या प्रोड्यूसर-रवि दुबे और सरगुन मेहता-सभी को उनकी कड़ी मेहनत और दर्शकों को दिए गए कंटेंट की क्वालिटी के लिए तारीफें मिल रही हैं। उडारियां की शुरुआत 15 मार्च, 2021 को हुई थी। सरगुन मेहता और रवि दुबे के द्वारा प्रोड्यूस, इस प्रोजेक्ट में पहले प्रियंका चाहर चौधरी, ईशा मालवीय, अंकित गुप्ता, ट्विंकल अरोड़ा और हितेश भारद्वाज थे, और अब, लीप के बाद, इसमें अलीशा परवीन खान, अनुराज चहल और अदिति भगत हैं।

अब विदेश में रहेगी बच्चन फैमिली की जान

लाडली आराध्या के लिए ऐश-अभिषेक ने लिया बड़ा फैसला !

बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन साल 2007 में शादी की थी। कपल ने 2011 में प्यारी सी बेटी आराध्या का स्वागत किया था। आराध्या के जन्म के बाद से ही ऐश्वर्या अपनी लाडली की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं। ऐश ने अपनी लाडली को बेहद ही अच्छे संस्कार दिए हैं। वह जहां भी जाती हैं आराध्या को साथ लेकर जाती हैं। वहीं अब खबरें आ रही हैं कि बच्चन फैमिली की जान यानि आराध्या उन्हें छोड़कर विदेश जा रही हैं। जी हैं..रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की लाडली अपनी पढ़ाई के लिए लंदन या न्यूयॉर्क जा सकती हैं। खबर के मुताबिक सुत्र ने बताया ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने अपनी बेटी आराध्या के लिए एक स्पेशल होली पार्टी की मेजबानी की। स्टार्स के एक करीबी सूत्र ने पोर्टल को बताया कि इस साल की होली आराध्या के लिए भारत में रंगों का आखिरी त्योहार हो सकती है, क्योंकि वह अपनी आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जा सकती हैं। सूत्र के मुताबिक आराध्या धीरूभाई अंबानी स्कूल में पढ़ रही हैं और परीक्षा पूरी करने के बाद वह 10वीं कक्षा में होंगी। आराध्या आगे की पढ़ाई के लिए लंदन या न्यूयॉर्क शिफ्ट हो जाएंगी। हमें नहीं पता कि वह कब यात्रा करेंगी लेकिन यह तय है कि उनके माता-पिता उन्हें विदेश भेजना चाह रहे हैं। सूत्र ने कहा- ऐश्वर्या ने अपने दोस्तों व परिवार के लिए होली पार्टी की मेजबानी की और इसमें मुख्य रूप से आराध्या के दोस्त भी शामिल थे। सभी ने अपने दिन का भरपूर आनंद लिया। होली आराध्या के पसंदीदा उत्सवों में से एक है और इंटरनेट पर वायरल हो रही तस्वीरें साबित करती हैं कि उन्हें यह त्योहार मनाना बहुत पसंद है। अब आराध्या के विदेश जाने में कितनी सच्चाई है ये जल्द पता चल जाएगा।

इमरान हाशमी और प्रतीक गांधी के साथ

स्क्रीन शेयर करेंगी सई ताम्हणकर

एक्ट्रेस सई ताम्हणकर ग्राउंड जीरो और अग्नि में एक्टर इमरान हाशमी और प्रतीक गांधी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह अपने जैसे लोगों के लिए दरवाजे खोल रही हैं जो अपने सपनों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ एक बार फिर से काम करने को लेकर सई ने कहा, यह मेरे लिए बहुत ही शानदार एहसास है, क्योंकि एक्सेल एंटरटेनमेंट उन अग्रणी प्रोडक्शन हाउसों में से एक है जिसके साथ हर कोई काम करना चाहता है। मुझे उनके साथ तीन बार काम करने का मौका मिला, जिसमें डब्बा कार्टेल भी शामिल है। अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने इमरान हाशमी और प्रतीक गांधी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों ही कलाकार अद्भुत हैं। एक्ट्रेस सई ने कहा, उनके साथ काम करने का सौभाग्य पाकर मैं दर्शकों को वह जादू दिखाने के लिए उत्साहित हूं जो हमने साथ मिलकर बनाया है। यह आश्चर्यजनक लगता है और मुझे आशा है कि मैं अपने जैसे लोगों के लिए दरवाजे खोल रही हूं जो अपने सपने को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और मुझे आशा है कि मैं ऐसा करना जारी रखूंगी। ग्राउंड जीरो और अग्नि के अलावा, उनके पास डब्बा कार्टेल भी है, जो इस साल के अंत में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो जाएगी।

चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन ने ली 14 महीने की बॉक्सिंग ट्रेनिंग

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन जल्द ही अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा चंदू चैंपियन में नजर आएंगे। एक्टर ने इस फिल्म की तैयारी के लिए 14 महीने तक बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली। एक्टर फिल्म में पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता की भूमिका में नजर आएंगे। अपने किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए कार्तिक ने एक सख्त फिटनेस गाइडलाइन का पालन किया। इसके लिए एक्टर ने अपना 20 किलो तक वजन भी कम किया। इसके साथ ही उन्होंने अपने खाने-पीने का भी ध्यान रखा, जिसमें उन्होंने चीनी को पूरी तरह से छोड़ दिया। फिल्म का कैनवास भी काफी बड़ा है। इसकी शूटिंग भारत और यूके में की गई है। यह पहली बार है जब एक्टर ने इतनी शारीरिक रूप से मांग वाली भूमिका में कदम रखा है, यह देखते हुए कि यह मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है। चंदू चैंपियन का निर्देशन बजरंगी भाईजान, एक था टाइगर, न्यूयॉर्क और 83 जैसी फिल्मों के लिए मशहूर कबीर खान ने किया है। सत्यप्रेम की कथा पर उनके आखिरी सफल सहयोग के बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ कार्तिक फिर वापस आए हैं। साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, चंदू चैंपियन 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

पंजाबी मुटियार बन

रूबीना ने चुराया फैंस का दिल

इंडस्ट्री में नई मां बनीं रूबीना दिलाइक निस्संदेह एक स्टाइलिश मां के खिताब की हकदार हैं। मातृत्व के इस नए अध्याय को अपनाते हुए एक्ट्रेस स्टाइल और लविंग मॉम दोनों का परिचय दे रही हैं। बेटियों की देखभाल करते हुए रूबीना अपने करियर पर भी बखूबी से ध्यान दे रही हैं। रूबीना ने अब तक बोल्ड आउटफिट्स में कई तस्वीरें शेयर की लेकिन उनका हालिया फोटोशूट हर किसी का दिल जीत रहा है। सामने आईं तस्वीरों में रूबीना पंजाबी मुटियार बन लोगों का चैन चुराती नजर आ रही हैं। अपने एथनिक आउटफिट में से रूबीना ने ग्रीन कलर का मखमली सूट चुना जो उन्हें बला का खूबसूरत बना रहा है। इसके साथ उन्होंने खूबसूरत हरे दुपट्टा पेयर किया था। अपने लुक को पूरा करने के लिए रूबीना ने सुनहरे झुमके, एक अंगूठी और हरे रंग की मोजरी पहनी हुई थी जो उनके आउटफिट पर कढ़ाई के साथ पूरी तरह से मेल खा रही थी। उनका शानदार लुक गुलाबी मेकअप, फूले हुए गाल, हल्का गुलाबी लिप कलर और न्यूड आईशैडो के साथ पूरा हुआ। इसके साथ ही उनके घुंघराले बालों खुला छोड़ था। इन तस्वीरों को शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा-एहे जट्टी तुहानु मिलन आ रही, 5 अप्रैल नू... चल आपा भज्ज चलिए। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। रूबीना ने छोटी बहू से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह पुनर्विवाह - एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, और शक्ति - अस्तित्व के एहसास की में काम किया। रूबीना ने बिग बॉस 14 की ट्रॉफी भी अपने नाम की। इसके अलावा वह खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 और झलक दिखला जा सीजन 10 में नजर आ चुकी हैं।

दंगल गर्ल फातिमा सना शेख ने बॉलीवुड में पूरे किए 8 साल

2016 में आमिर खान स्टारर दंगल से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में आठ साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर में लूडो, अजीब दास्तां, थार, धक धक और सैम बहादुर जैसी शानदार फिल्में की हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला। अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में बात करते हुए फातिमा ने आईएएनएस से कहा, मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। बहुत से लोगों के लिए इंडस्ट्री में आना अभी भी सपना बना हुआ हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यह अवसर मिला। मैंने ऑडिशन दिया और मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई, मुझे कई शानदार फिल्में मिलीं। चाहे दंगल की गीता फोगाट हो या सैम बहादुर में शशि कुमार यादव, या फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका, फातिमा ने हमेशा स्क्रीन पर सशक्त महिलाओं का किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया है। एक्ट्रेस ने कहा, ऐसे किरदार मुझे उत्साहित करते हैं। मैं किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करते रहना चाहती हूं। एक्सप्लोर करना चाहती हूं लेकिन अगर मैं किसी रोल या करेक्टर या ग्राफ के बारे में एक्साइटिड नहीं हूं तो मैं उस पर बिल्कुल भी समय खर्च नहीं करती। एक्ट्रेस जल्द ही मेट्रो..इन दिनों और उल जलूल इश्क में नजर आएंगी।

प्रोड्यूसर ने किया खुलासा

अंकिता लोखंडे ने बिना पैसे लिए की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर'

अंकिता लोखंडे इस वक्त फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में रणदीप हुड्डा अहम किरदार में हैं और अंकिता लोखंडे ने वीर सावरकर की पत्नी यमुनाबाई की भूमिका निभाई है। फिल्म में रणदीप के साथ-साथ अंकिता के काम की भी तारीफ हो रही है। खबर आ रही है कि अंकिता ने ये फिल्म मुफ्त में की है, उन्होंने इसके लिए एक रुपये भी चार्ज नहीं किए। सभी के मन में सवाल खड़े हो रहे हैं कि अंकिता ने ऐसा क्यों किया? इसका जवाब खुद फिल्म के प्रोड्यूसर संदीप सिंह ने किया है। इंटरव्यू में संदीप ने बताया कि अंकिता उनकी अच्छी दोस्त हैं और बुरे वक्त में उनके साथ खड़ी रही हैं। संदीप ने कहा, इस मूवी से पहले मैं कई बड़ी मूवीज के साथ ही जुड़ चुका हूं। मैंने संघर्ष के दिनों को भी देखा है, लेकिन उस वक्त अगर कोई मेरा साथ था तो वह मेरी दोस्त अंकिता लोखंडे थीं। अंकिता और उनकी दोस्त कंगना रनौत ने हमेशा मेरा सपोर्ट किया है। संदीप ने बताया कि अंकिता ने उन्हें कहा था कि उन्हें डायरेक्टर बनना चाहिए और जब भी वह फिल्म बनाएंगे अंकिता उसमें एक्टिंग करेंगी। संदीप ने बताया कि जब उनके मन में इस फिल्म का विचार आया तो उनके साथ कोई काम नहीं करना चाहथा था। उन्होंने कई मीडिया ट्रायल को भी फेस किया।

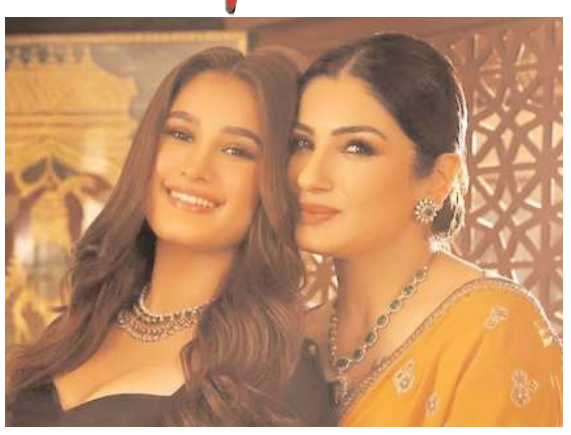

रवीना ने कहा मैं अपने बच्चों की सबसे अच्छी दोस्त हूं

शो पटना शुक्ला में नजर आने वाली एक्ट्रेस रवीना टंडन ने कहा कि वह अपने बच्चों की सबसे अच्छी दोस्त हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे इससे अपने अपकमिंग शो में अपने ऑन-स्क्रीन बेटे के साथ रिश्ता बनाने में मदद मिली। तन्वी शुक्ला का किरदार निभाने वाली रवीना टंडन ने कहा, फिल्म में एक सीन है जहां तन्वी का बेटा अपना लंचबॉक्स भूल जाता है, वह उसे पहुंचाने के लिए स्कूल बस का पीछा करती है।

मुझे लगता है कि यह एक ऐसा दृश्य है जिससे हर मां जुड़ाव महसूस करेगी। उन्होंने कहा, हर घर में सुबह व्यस्तता रहती है, लेकिन एक मां उस अव्यवस्था को तोड़कर अपने बच्चों के लिए आगे आती है और यह कुछ ऐसा है जो मैंने व्यक्तिगत रूप से तब किया है जब मेरे बच्चे स्कूल जाते थे।इसके बाद उन्होंने अपनी बेटी रिशा और बेटे रणबीर के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा, मैं अपने बच्चों की सबसे अच्छी दोस्त हूं, और शो में मेरा किरदार तन्वी भी ऐसी ही है।

पटना शुक्ला के साथ उस केमिस्ट्री को पर्दे पर लाने से मेरी अपने बच्चों से जुड़ी कुछ यादें ताजा हो गईं। मुझे यकीन है कि दर्शक तन्वी और उनके बेटे की दोस्ती को महसूस करेंगे। पटना शुक्ला शो एक निडर वकील पर आधारित है जो एक छात्रा को शिक्षा घोटाले में फंसता देखकर मामले को अपने हाथों में ले लेती है और जल्द ही उसे एहसास होता है कि वह एक व्यक्ति के खिलाफ खड़ी है जो सीएम का उम्मीदवार है। पटना शुक्ला 29 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होगी।

अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ संग

गुपचुप रचाई शादी !

अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग वेब सीरीज हिरामंडी को लेकर चर्चा में हैं, लेकिन इस बीच एक खबर सामने आई है, जिसने फैंस को चौंका दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अदिति ने हैदराबाद के एक मंदिर में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ के साथ शादी रचा ली है। सोशल मीडिया पर इस खबर के वायरल होते ही फैंस कपल को ढेर सारी शुभकामनाएं दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर सिद्धार्थ और अदिति राव हैदरी ने कथित तौर पर आज तेलंगाना के वानापर्थी जिले के श्रीरंगपुर में श्री रंगनायकस्वामी मंदिर में शादी कर ली है। बता दें कि पिछले काफी दिनों से दोनों की शादी की खबरें न्यूज हैडलाइन का हिस्सा बनी हुई थीं। अदिति राव और सिद्धार्थ काफी समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। वहीं दोनो को महा समुद्रम 2021 में आई फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें प्यार हो गया था। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ के अफेयर की खबरें काफी समय चली आ रही हैं। यहां तक कि बीते साल से यह अफवाह है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, इसके साथ ही कई बार दोनों कलाकारों को एक साथ देखा गया है। दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अब दोनों ने शादी कर अपने रिश्ते पर पक्की मुहर लगा दी है। खबरों की मानें तो परिवार वालों और करीबी रिश्तेदारों के बीच यह विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। खबरों की मानें तो अभिनेत्री अदिति और सिद्धार्थ ने अपनी शादी ट्रेडिशनल रीति-रिवाजों के अनुसार की है, कपल की शादी के लिए तमिलनाडु के पुजारियों को बुलाया गया था, जिस मंदिर में दोनों की शादी हुई है वानापर्थी में है और ऐसे में इस जगह से अदिति का खास कनेक्शन है।

16 गेंद में फिफ्टी ठोकने वाले को युवराज सिंह नहीं करेंगे माफ

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में बुधवार रात सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज मुंबई इंडियंस पर कहर बनकर टूटे। बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों- अभिषेक शर्मा (23 बॉल में 63 रन) और ट्रेविस हेड (24 बॉल में 62 रन) ने बल्ले से बवंडर लाया।

ऑस्ट्रेलिया को दो बार वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले ट्रेविस हेड ने जब 17 साल के मफाका को छक्का जड़ा तो फैंस को डेविड वॉर्नर की याद आई होगी। हेड ने 18 गेंद में अर्धशतक लगाकर स्त्रा के लिए सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा तो अभिषेक शर्मा ने कुछ मिनट बाद ही 16 गेंदों में इस रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया। ट्रेविस हेड ने अपनी पारी में 9 फोर और 3 सिक्स जड़े, तो वहीं अभिषेक ने कहीं ज्यादा कहर बरपाते हुए 3 फोर और 7 शानदार सिक्स लगाए। स्त्रा अब अपने अगले मैच में 31 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस से भिड़ेगी।

अंदाजा नहीं था कि मैंने रिकॉर्ड तोड़ दिया

सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि ट्रैविस हेड उनके पसंदीदा बल्लेबाजों में से एक हैं। अभिषेक और हेड ने केवल 3.4 ओवर में 68 रन जोड़े। इसी पार्टरनशिप ने सनराइजर्स हैदराबाद को 20 ओवर में 277 रन तक पहुंचाने की नींव रखी। 31 रन से जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अभिषेक ने कहा कि पैट कमिंस और डेनियल विटोरी का संदेश बाहर जाकर खुलकर खेलने का था। अभिषेक ने कहा, ट्रैविस हेड मेरे पसंदीदा बल्लेबाजों में से एक है।

मैंने वास्तव में उसके साथ बैटिंग का आनंद लिया। ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता था कि मैंने स्त्रा के लिए सबसे तेज अर्धशतक बना दिया है। मैं बस अपना नेचुरल खेल खेलना चाहता था। आउट होने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि यह सबसे तेज अर्धशतक था और हां, मैंने इसका आनंद लिया।

चप्पल से स्वागत करेंगे युवराज सिंह

भारतीय टीम के सिक्सर किंग युवराज सिंह के नाम टी-20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड है। 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ छह गेंद में छह छक्के जड़ते हुए सिर्फ 12 गेंद में फिफ्टी ठोकी थी। अब आईपीएल में 16 गेंद में फिफ्टी ठोककर अभिषेक शर्मा ने अपने गुरु को सलाम किया है।

मगर युवराज अपने चेले का स्वागत चप्पल से करना चाहते हैं। दरअसल, अभिषेक शर्मा की इस पारी को देखने के बाद युवराज ने ट्वीट किया, वाह सर अभिषेक वाह। कमाल की पारी लेकिन आउट होने के लिए क्या गजब शॉट लगाया। लातों के भूत बातों से नहीं मानते, अब खास चप्पल तुम्हारा इंतजार कर रही है। पंजाब से आने वाले अभिषेक शर्मा के खेल को निखारने में युवराज सिंह का बड़ा हाथ है। युवी को अभिषेक, शुभमन गिल और गुरकीरत मान का मेंटॉर माना जाता है।

क्वेना मफाका के लिए बुरा सपना बना IPL डेब्यू

हैदराबाद, एजेंसी । डेब्यू मैच में हर खिलाड़ी की कोशिश यही रहती है कि उसके लिए ये दिन यादगार रहे। हालांकि, हर खिलाड़ी का ये सपना पूरा नहीं होता। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस और हैदराबाद के बीच एक हाई स्कोरिंग मुकाबला खेला गया। जहां टीमों की ओर से रनों का अंबार लगा। इस रोमांचक मुकाबले एक अंडर-19 कैरेबियन स्टार क्वेना मफाका का आईपीएल डेब्यू भी हुआ। हालांकि, ये खिलाड़ी बुरी तरह फ्लॉप रहा।

मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने ल्यूक वुड की जगह क्वेना मफाका को प्लेइंग-11 में शामिल किया, जो 17 साल की उम्र में टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में से एक थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए अंडर-19 क्रिकेट के स्टार और साल की शुरुआत में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब हासिल करने वाले मफाका के लिए आईपीएल डेब्यू अच्छा नहीं रहा। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने उन्हें खूब टारगेट किया और उनके आईपीएल करियर के पहले मैच में उनके चार ओवर के स्पैल में 66 रन बटोरे।

ये आंकड़ा विदेशी गेंदबाजों के सबसे खराब स्पैल में गिना जाएगा। लेकिन मुंबई के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड और ब्रावो ने एसआरएच के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद युवा खिलाड़ी का समर्थन किया। ब्रावो ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा, अपना सिर ऊपर रखो चैंपियन!

क्वेना मफाका मुझे यकीन है कि आप कमबैक करेंगे और इस एकतरफा खेल के कारण अपने आप पर संदेह न करें, यह आपके लिए एक बड़ी चुनौती है और आप टूर्नामेंट के दौरान बेहतर होते जाएंगे! पोलार्ड ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, इस चीज से आगे बढ़ो चैंप, आपको अभी बहुत कुछ हासिल करना है। मुझे यकीन है कि आपके परिवार, दोस्तों को आप पर बहुत गर्व है। सफर में पहला दिन कठिन था, लेकिन आपने जिस तरह से हार नहीं मानी, वह अच्छा लगा।

बुमराह को इस्तेमाल करने की रणनीति समझ से परे : स्मिथ

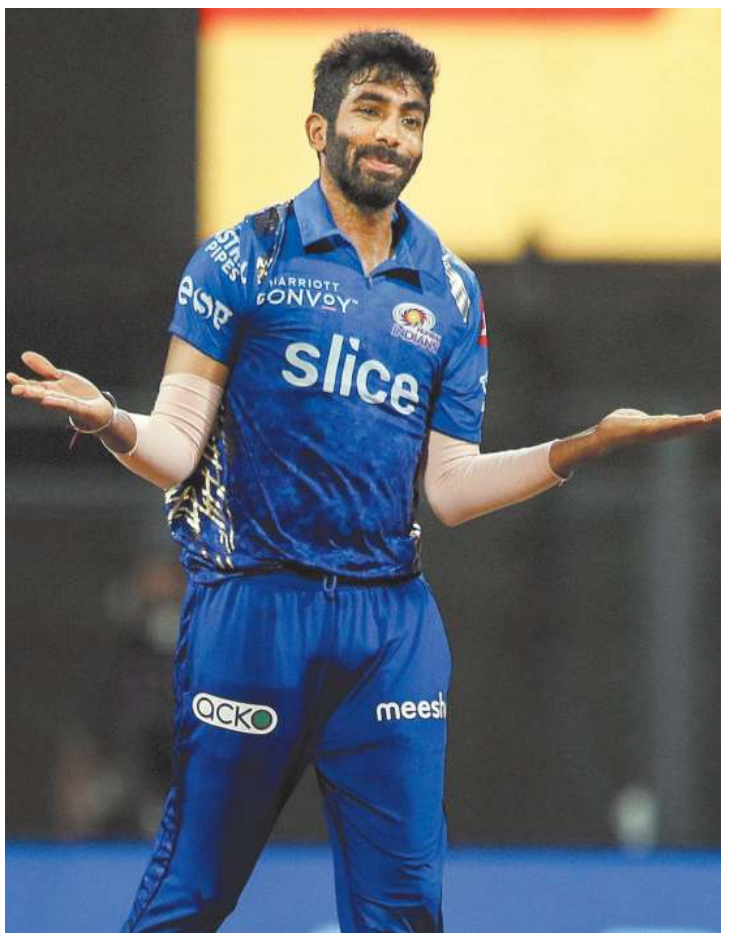

हैदराबाद, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के बुधवार रात आईपीएल 2024 मैच के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की पारी के 13वें ओवर तक जसप्रीत बुमराह को एक से ज्यादा ओवर न देने के फैसले की हर तरफ आलोचना हो रही है। मेजबान टीम ने 277/3 का स्कोर बनाया, जो आईपीएल के इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है। पावर-प्ले में एक ओवर फेंकने के बाद 13वें ओवर में ही बुमराह को दोबारा आक्रमण पर लगाया गया. इस समय तक, सनराइजर्स ने स्कोरबोर्ड पर 173-3 का मजबूत स्कोर बना लिया था, जिससे वे अपने स्कोरिंग में तेजी लाने के लिए मजबूत स्थिति में आ गए थे।

बुमराह ने 36 रन देकर अपना चार ओवर का कोटा पूरा किया, और 9 रन प्रति ओवर की इकॉनमी रेट के साथ एमआई के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे। क्रिकेट लाइव शो में स्टार स्पोर्ट्स से पांड्या की रणनीति के बारे में बात करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ ने कहा कि वह मैच में एमआई के लिए गेंदबाजी में बदलाव से हैरान थे।

स्मिथ ने कहा, मैं मुंबई के लिए पहली पारी में उनके गेंदबाजी में कुछ बदलावों से हैरान था। चौथे ओवर में बुमराह ने गेंदबाजी की, उन्होंने 5 रन दिए और फिर हमने उन्हें 13वें ओवर तक दोबारा नहीं देखा, जब वे 173 रन पर थे। सारा नुकसान हो चुका था, आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की जरूरत थी जो वापस आये और उस अवधि में कुछ विकेट ले और मुझे लगता है कि वे उसे 13वें ओवर में वापस लाये तब तक मौका हाथ से निकल चुका था। स्मिथ ने आगे कहा कि अगर बुमराह को पहले आक्रमण में लगाया गया होता, तो हैदराबाद 240 पर सिमट जाती। जब गेंद इस तरह घूम रही होती है, तो आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को अपनी इच्छा से पहले वापस लाना होता है। यह बस चलते-फिरते खुद को ढालने के बारे में है और मैं 15वें, 16वें ओवर तक बुमराह से पूरी गेंदबाजी करा चुका होता, कुछ विकेट लेने की कोशिश करता, अगर वह विकेट लेता है, तो आप वैसे भी गति धीमी कर देते हैं। अगर वह आदमी अंत में बल्लेबाजी कर रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन गेंदबाजी कर रहा है, हमने आखिरी दो ओवरों में बुमराह के साथ ऐसा देखा और उन्हें भी उनके आखिरी दो ओवरों में मार पड़ी।

तो अगर वह पहले वापस आते और कुछ जोखिम लेते, तो चीजें वास्तव में अलग होतीं और उन्हें 277 रन मिले और उन्हें 240 तक कम किया जा सकता था और हो सकता है कि वे उनका पीछा कर लेते, इसलिए मैं बस हैरान था कि उन्होंने केवल 1 ओवर ऊपर फेंका था 13वें ओवर तक। स्थानीय खिलाड़ी तिलक वर्मा ने रन चेज़ में 34 गेंदों में 64 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ गए क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस पर 31 रन से जीत दर्ज की।

स्मिथ ने कहा, यह अविश्वसनीय रूप से कठिन विकेट था, हमने टी20 मैच में अब तक सबसे अधिक रन देखे हैं, इसलिए आपको बल्लेबाजों को भी कुछ श्रेय देना होगा। मुझे लगता है कि उसने कुछ चीजें गलत कीं। मेरा मतलब है कि आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक को 1 ओवर गेंदबाजी नहीं करा सकते।

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान भी पांड्या की कप्तानी और जब एमआई मुश्किल स्थिति में थी तो बुमराह को आक्रमण से दूर रखने के फैसले की आलोचना करने से पीछे नहीं हटे। पठान ने एक्स पर लिखा, हार्दिक पांड्या की कप्तानी कम से कम सामान्य रही है। जब गेंदबाजों की पिटाई चल रही थी तो बुमराह को बहुत लंबे समय तक दूर रखना मेरी समझ से परे था। उन्होंने लक्ष्य का पीछा करने के दौरान हार्दिक के बल्लेबाजी स्ट्राइक रेट 120 की भी आलोचना की। पठान ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, अगर पूरी टीम 200 के स्ट्राइक के साथ खेल रही है, तो कप्तान 120 के स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी नहीं कर सकता।

संक्षिप्त समाचार

IPL 2024

मुंबई की हार के बाद सचिन तेंदुलकर ने संभाली कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की शुरुआत काफी खराब रही है। 5 बार की चैंपियन इस सीजन में लगातार दो मैच हार चुकी है। मुंबई को अपने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में दोनों टीमों ने मिलकर 528 रन बनाए और 38 छक्के जड़े। इस रिकॉर्ड तोड़ आईपीएल मैच मुंबई को हार का सामना करना। इस मुकाबले में मिली हार के बाद महान सचिन तेंदुलकर ने ड्रेसिंग रूम का मनोबल बढ़ाने की जिम्मेदारी ली।

मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सचिन तेंदुलकर ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए नजर आए। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि मुंबई इंडियंस की पारी के दूसरे हिस्से में जब हम 278 रन का टारगेट चेज कर रहे थे, 10 ओवर हो चुके थे और किसी को नहीं पता था कि ये मैच कौन जीतेगा। ये मैच पूरी तरह से खुला हुआ था और टारगेट अचीव करने जैसा था। ये बताता है कि हमने काफी अच्छी बल्लेबाजी की। आगे और भी चुनौती आएंगी, इसलिए एक ग्रुप के तौर पर हमें एकजुट रहना है।

हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि सबसे कठिन सैनिकों की सबसे कठिन परीक्षा होती है और हम टूर्नामेंट में सबसे कठिन टीम हैं। एक बल्लेबाजी समूह के रूप में हम जहां तक ??पहुंचे हैं, उसके करीब भी कोई आ सकता है तो वह हम हैं। जिस चीज पर मुझे वास्तव में गर्व है, वह हमारे गेंदबाज हैं। यहां तक कि जब दिन कठिन था, तब भी मैंने किसी को भागते हुए नहीं देखा। हर कोई गेंद अपने हाथों में चाहता था, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा दृश्य है।इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाए, जो इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में नया रिकॉर्ड है। इससे पहले किसी भी टीम ने आईपीएल मैच में इतना बड़ा स्कोर नहीं बनाया था। सनराइजर्स हैदराबाद ने भले ही 278 रनों का टारगेट दिया था। लेकिन मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया, मगर वह टारगेट से 31 रनों से दूर रह गए। मुंबई ने इस टारगेट के जवाब में 246 रन बनाए। इस मैच में फैंस को खूब चौके-छक्के देखने को मिले।

डेविड वॉर्नर के साथ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कर दिया खेल

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2024-25 के लिए अपने सेंट्रल कान्ट्रैक्ट का ऐलान किया और इसमें आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे ओपनर बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शामिल नहीं किया।

सिर्फ वॉर्नर ही नहीं इस बार सीए ने अपने इस अनुबंध में एस्टन एगर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खिलाड़ियों को भी इससे बाहर रखा। डेविड वॉर्नर ने कुछ दिनों पहले ही वनडे और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में खेल रहे हैं। इनके इलावा मार्कस हैरिस और माइकल नेसर को भी सालाना अनुबंध का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

मेदवेदेव ने जैरी को हराया, मियामी में सिनर से सेमीफाइनल में टक्कर

फ्लोरिडा, एजेंसी।। दानिल मेदवेदेव ने चिली के निकोलस जैरी के दूसरे सेट के संघर्ष पर काबू पाते हुए 6-2, 7-6(7) से जीत दर्ज की और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर से भिड़ेंगे जो ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल का रीमैच होगा। मेदवेदेव ने पहले सेट में जैरी के14 के मुकाबले केवल तीन अप्रत्याशित गलतियां कीं, इससे पहले कि जैरी ने मैच में वापसी की और एक रोलरकोस्टर टाई-ब्रेक में दूसरा सेट चुराने के दो अंक के भीतर आ गए।

रिपोर्ट के अनुसार, लेकिन मेदवेदेव ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी जीत का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ाने का साहस दिखाया और अपने करियर में पहली बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से दो जीत दूर रह गए हैं। यदि जैरी मेदवेदेव को हराते तो वह शीर्ष 20 में लौट आते और 2004 में फर्नांडो गोंजालेज के बाद मियामी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले चिलीवासी बन जाते। इससे पहले दिन में, सिनर ने वर्ष के अपने चौथे सेमीफाइनल में प्रवेश किया और मियामी ओपन में सीजन की अग्रणी 20वीं मैच जीत हासिल की। इटालियन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक खिलाड़ी टॉमस मचाक को 91 मिनट में 6-4, 6-2 से हरा दिया। सिनर, जो दो बार मियामी (2021, 2023) में फाइनल में पहुंच चुके हैं, तीसरी बार अंतिम चार में पहुंचे हैं।

अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब का लक्ष्य रखते हुए, एटीपी रैंकिंग में नंबर 3 खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोटरडम में खिताब के साथ 20-1 सीज़न रिकॉर्ड कर लिया है।

अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा : मेसी

वाशिंगटन, एजेंसी। । लियोनल मेसी ने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि जब वो संन्यास लेंगे तो इस फैसले के पीछे उम्र निर्णायक कारक नहीं होगी। लियोनल मेसी ने संन्यास को लेकर एकबार फिर अपना मन बदला है।

36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने करियर को तभी अलविदा कहेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह अब अपना बेस्ट नहीं दे सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने बुधवार को बिग टाइम पॉडकास्ट के साथ एक इंटरव्यू में कहा, मुझे पता है कि जिस क्षण मुझे लगेगा कि मैं अब अच्छा नहीं कर पा रहा हूं या मैं खेल का आनंद नहीं ले रहा हूं या अपने साथियों की मदद नहीं कर रहा हूं, तब मैं उसी क्षण संन्यास ले लूंगा। मुझे पता है कि मैं कब अच्छा और कब खराब खेलता हूं। जब मुझे लगेगा कि यह कदम उठाने का समय आ गया है, तो मैं उम्र के बारे में सोचे बिना ऐसा करूंगा। अगर मुझे अच्छा लगता है, तो मैं प्रतिस्पर्धा जारी रखने की कोशिश करूंगा।

यह वही है जो मुझे पसंद है और मैं जानता हूं कि इसे कैसे करना है। कतर में फीफा विश्व कप 2022 खिताब के लिए अर्जेंटीना का नेतृत्व करने के बाद, मेसी ने कहा कि उन्होंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी उन्हें उम्मीद थी। मेसी ने कहा, मैंने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। फिलहाल, मैं भविष्य के बारे में सोचे बिना हर दिन, हर पल का आनंद लेने की कोशिश करता हूं। इसलिए जब सही समय आएगा तब मैं इसके बारे में सोचूंगा।

मेसी ने इंटर मियामी के लिए 19 मैचों में 16 गोल किए हैं और सात सहायता प्रदान की है, जिसमें वह पिछले जुलाई में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर शामिल हुए थे।

आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता हैदराबाद

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग-2024 में पहली जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को मौजूदा सीजन के 8वें मैच में मुंबई इंडियंस को 31 रन से हराया।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में बुधवार को मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हैदराबाद ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 277 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने भी ताबड़तोड़ बैटिंग की लेकिन टीम टारगेट से 32 रन पीछे रही, टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 246 रन बनाए।अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द मैच रहे। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 23 बॉल पर 63, ट्रैविस हेड ने 24 बॉल पर 62 रन और हेनरिक क्लासन ने 34 बॉल पर 80 रन बनाए। ऐडन मार्करम ने 28 बॉल पर 42 रन का योगदान दिया।

हार्दिक पंड्या, जेराल्ड कूट्जी और पीयूष चावला को एक-एक विकेट मिला। मुंबई इंडियंस से तिलक वर्मा ने 34 बॉल पर 64 रन, टिम डेविड ने 22 बॉल पर 44 रन और ईशान किशन ने 13 बॉल पर 30 रन बनाए। पैट कमिंस और जयदेव उनादकट ने 2-2 विकेट लिए।

जोकोविच ने कोच इवानिसेविच से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 2024 सीज़न की चुनौतीपूर्ण शुरुआत के बाद क्रोएशियाई कोच गोरान इवानिसेविच के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर दी है। जोकोविच और इवानिसेविच, पूर्व विंबलडन चैंपियन, ने 2018 में जुड़ने के बाद से एक मजबूत बंधन बनाया है। इवानिसेविच के मार्गदर्शन में, जोकोविच ने अपने कौशल को निखारा और एक उल्लेखनीय यात्रा शुरू की, जिसने उन्हें टेनिस के दिग्गज रोजर फेडरर और राफेल नडाल को पीछे छोड़ते हुए ग्रैंड स्लैम इतिहास में सबसे सफल पुरुष एकल खिलाड़ी बनने में मदद की। बुधवार, 27 मार्च को इंस्टाग्राम पर जोकोविच ने अलगाव की पुष्टि की, यह स्वीकार करते हुए कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों की ऑन-कोर्ट केमिस्ट्री में उतार-चढ़ाव आया, लेकिन उन्होंने अपनी दोस्ती की स्थायी ताकत पर जोर दिया। जोकोविच ने कहा, गोरान और मैंने कुछ दिन पहले एक साथ काम करना बंद करने का फैसला किया। कोर्ट पर हमारी केमिस्ट्री में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन हमारी दोस्ती हमेशा मजबूत रही। मुझे वह क्षण स्पष्ट रूप से याद है जब मैंने गोरान को अपनी टीम का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था। यह 2018 की बात है, और मैरियन और मैं अपनी जोड़ी में कुछ नया करने और कुछ सर्व जादू लाने की सोच रहे थे। वास्तव में, हम न केवल सर्व लेकर आए, बल्कि ढेर सारी हँसी-मजाक, साल के अंत में नंबर 1 रैंकिंग, रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धियाँ और तब से अब तक गिनती के 12 और ग्रैंड स्लैम (और कुछ फाइनल)। क्या मैंने कुछ नाटक का भी जिक्र किया? उनके सफल सहयोग के बावजूद, जोकोविच के हालिया प्रदर्शन ने चिंताएँ बढ़ा दी हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद इंडियन वेल्स में दुनिया के 123वें नंबर के लुका नार्डी से तीसरे दौर में चौंकाने वाली हार हुई। मियामी ओपन से जोकोविच की वापसी ने कठिन कार्यक्रम के बीच अपने दृष्टिकोण को फिर से व्यवस्थित करने की उनकी आवश्यकता को रेखांकित किया। जोकोविच के करियर में इवानिसेविच के योगदान को व्यापक रूप से मान्यता मिली है, जोकोविच के चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से तीन पर विजयी कब्जा करने के बाद, क्रोएशियाई कोच को 2023 में एटीपी कोच ऑफ द ईयर के लिए भी नामांकित किया गया था। जोकोविच को टेनिस में अमरता की तलाश में एक महत्वपूर्ण मोड़ का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि फ्रेंच ओपन निकट है। जैसे-जैसे वह कोचिंग परिवर्तन की अनिश्चितताओं से निपटते हैं, जोकोविच आगे ग्रैंड स्लैम गौरव की खोज में दृढ़ रहते हैं, मार्गरेट कोर्ट के साथ सबसे अधिक ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का रिकॉर्ड साझा करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

24 साल बाद बसपा दूसरी बार अलीगढ़ में मुस्लिम कार्ड खेलने की तैयारी मे

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में सियासी महासमर में बसपा के पत्ते खुलने का हर किसी को इंतजार है। हालांकि गुरूवार को प्रत्याशी के नाम की घोषणा हो सकती है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बसपा 24 साल बाद मुस्लिम कार्ड खेल सकती है। इससे पहले 1996 में हुए चुनाव में पार्टी ने अब्दुल खालिक को चुनाव लड़ाया था। बसपा विधानसभा व निकाय चुनावों में तो मुस्लिम चेहरे पर कई बार दांव लगाती आई है। वहीं लोकसभा चुनाव के पुराने इतिहास की बात करें तो 1984 में कांशीराम ने बसपा का गठन किया था। पहली बार 1989 में हाथी चुनाव चिन्ह आवंटित हुआ था। हालांकि इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था। 1991 में भी प्रत्याशी को हार मिली थी। 1996 में बसपा ने अब्दुल खालिक को चुनाव लड़ाया था। इस चुनाव में बसपा रनर अप रही थी। हालांकि वोट प्रतिशत बढ़ा था। इस चुनाव में दलित-मुस्लिम गठजोड़ का फार्मूला काफी कामयाब हुआ था। बसपा का यह पिछले चुनावों के मुकाबले पार्टी का सर्वाधिक वोट प्रतिशत था। इस चुनाव के बाद से बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी को मैदान में नहीं उतारा। लेकिन अब मुस्लिम प्रत्याशी बसपा की टिकट से चुनाव मैदान में उतर सकता है। बसपा के राष्ट्रीय सचिव आज कर सकते हैं घोषणाः बसपा जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्रा ने बताया कि बसपा के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद मुनकाद अली, आगरा, अलीगढ़ व कानपुर मंडल प्रभारी सूरज सिंह प्रत्याशी की घोषणा करेंगे। पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनावी रण में उतरेगी।

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव को लेकर नाराज नेताओं को घर-घर मनाने पहुंच रही है। इस बीच कांग्रेस पार्टी की नाराज नेता और जगदलपुर की महापौर सफिरा साहू कांग्रेस पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो गई है। जगदलपुर की महापौर का बीजेपी में शामिल होना प्रदेश प्रभारी सचिन पायलेट की मुहम को बड़ा? झटका भी है। छत्तीसगढ़ में बस्तर लोकसभा सीट पर पहले चरण में मतदान होना है। जहां एक तरफ बस्तर सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं तो वहीं दूसरी तरफ जगदलपुर की महापौर सफिरा साहू ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता ले ली है। कांग्रेस पार्टी को चुनाव से पहले जगदलपुर से यह पहला बड़ा झटका लगा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय समेत उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरूण साव आज जगदलपुर में आज सभा को सम्बोधित करने पहुंचे थे। जहां जगदलपुर की महापौर सफिरा साहू ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री के सामने भाजपा में सामिल हो गई हैं। कांग्रेस से भाजपा प्रवेश करने वालों में कांग्रेस सरकार में युवा आयोग के सदस्य रहे अजय सिंह ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है। वहीं दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव को लेकर बस्तर सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी कोंटा से 6 बार के विधायक कवासी लखमा भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में नामांकन दाखिल करने पहुंचे हुए थे।

एल्विश की बढ़ेगी और मुश्किलें, 25 शिकायतों की जांच शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। बिग बॉस ओटीटी विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। नोएडा और गुरुग्राम में एल्विश के खिलाफ दर्ज मामलों में गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया पर उसके खिलाफ काफी लोगों ने टिप्पणी की है। कई लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर एल्विश का कटेंट और वीडियो भड़काऊ और आहत करने वाला होता है। लोगों ने इस बाबत पुलिस में शिकायत देनी शुरू कर दी है। गुरुग्राम के सेक्टर-53 थाने में ऑनलाइन माध्यम से 25 के लगभग शिकायतें पहुंची हैं। पुलिस ने इसकी जांच आरंभ कर दी है। जानकारी के अनुसार ज्यादातर शिकायतों में लोगों ने एल्विश के व्यवहार, उसके लहजे और टिप्पणी पर रोष जाहिर करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

सीएम सुक्खू के करीबियों को सौंपी कमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के छह पूर्व विधायकों के भाजपा में शामिल होने के सियासी घटनाक्रम के बाद कांग्रेस आलाकमान ने प्रदेश संगठन में अहम नियुक्तियां की हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पहले हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी में दो कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आदेश पर संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संजय अवस्थी और चंद्रशेखर को प्रदेश कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने का पत्र जारी किया है। सोलन जिला के अर्की से दूसरी बार के विधायक संजय अवस्थी वर्तमान सुक्खू सरकार में मुख्य संसदीय सचिव हैं। वहीं चंद्रशेखर मंडी जिला से कांग्रेस के एकमात्र विधायक हैं। वह धर्मपुर हल्के से पहली बार विधायक बने हैं।

संगठन की नियुक्तियों में सुक्खू की पसंद को तरजीहः हाईकमान ने इन नियुक्तियों में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की पसंद को तरजीह दी है। दोनों विधायक मुख्यमंत्री के बेहद करीबियों में

शामिल हैं। कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए संजय अवस्थी और चंद्रशेखर को विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का टिकट दिलाने में मुख्यमंत्री सुक्खु का अहम रोल रहा था। सुक्खू जब प्रदेश कांग्रेस के मुखिया थे, तब संजय अवस्थी और चंद्रशेखर को पहली बार कांग्रेस का टिकट मिला था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और मुख्यमंत्री सुक्खू के बीच चल रही सियासी तनातनी के बीच इन नियुक्तियों को बेहद अहम माना जा रहा है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी संगठन में सुक्खू के करीबियों को जगह देने से आलाकमान ने सरकार व संगठन में सामंजस्य बिठाने की कोशिश की है। इन नियुक्तियों के बहाने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने प्रतिभा सिंह को झटका दिया है, वहीं मुख्यमंत्री सुक्खू के सियासी कद को बढ़ाया है। प्रतिभा सिंह हॉट सीट मंडी से निवर्तमान लोकसभा सांसद हैं। इस सीट पर भाजपा ने सेलिब्रिटी कंगना रनौत को उतारा है। प्रतिभा सिंह ने पिछले दिनों मीडिया में बयान देते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने से इनकार किया था। उन्होंने सुक्खू पर निशाना साधते हुए कांग्रेस संगठन की अनदेखी का भी आरोप लगाया था।

हालांकि कांग्रेस आलाकमान कई मर्तबा सुक्खू और प्रतिभा को लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर चलने की हिदायत देती रही है। पिछले कल चंडीगढ़ में आयोजित हिमाचल प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति की बैठक के दौरान प्रतिभा सिंह और सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि पार्टी एकजुट होकर लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव लड़ेगी तथा कांग्रेस को जीत हासिल होगी।

कांग्रेस आलाकमान ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में तीन कार्यकारी अध्यक्ष तैनात किये थे। राजेन्द्र राणा, पवन काजल और हर्ष महाजन को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। दिलचस्प बात यह है कि ये तीनों भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पवन काजल और हर्ष महाजन विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस छोड़ भाजपा में आ गए थे। वर्तमान में पवन काजल भाजपा के विधायक हैं, तो हर्ष महाजन हाल ही में भाजपा से राज्यसभा सांसद के तौर पर निर्वाचित हुए हैं। कांग्रेस के विधायक रहे राजेन्द्र राणा ने पांच दिन पहले भाजपा का दामन थामा है। हिमाचल प्रदेश में कैबिनेट मंत्री चन्द्र कुमार और विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार भी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हैं।

कोटा में नहीं थम रहा स्टूडेंट सुसाइड का सिलसिला, नीट की तैयारी कर रही छात्रा ने लगाई फांसी

कोटा, एजेंसी। राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा इन दिनों छात्रों के सुसाइड से कलंकित होती जा रही है। 2 दिन पहले ही उत्तर प्रदेश निवासी मोहम्मद उरूज ने फांसी लगाकर जान दी थी। तो वहीं आज एक और कोचिंग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा की पहचान उत्तर प्रदेश लखनऊ निवासी सौम्या के रूप में हुई है। कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। छात्रा के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। जिनके कोटा पहुंचने के बाद मामले में आगे जांच की जाएगी। एक्सपर्ट की माने तो कोटा में इन दिनों स्टूडेंट्स मानसिक तनाव से लड़ रहे हैं। इनमें पढ़ाई को लेकर दवाब के अलावा फैमिली प्रेशर, सहित अन्य दवाब भी सामने आए हैं। जिसकी वजह से स्टूडेंट्स अपने भविष्य को उज्जवल करने की जगह अपना अंत कर रहे हैं। एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि पढ़ाई को लेकर कंपटीशन इतना बढ़ गया है कि जो स्टूडेंट्स अपने जिले में टॉपर हुआ करते थे। आज यहां पर अपने आप को भीड़ में पाकर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कई ऐसे स्टूडेंट्स के सुसाइड पर रिसर्च के दौरान सामने आया है कि परिजनों का भी दबाव ज्यादा देखने को मिला है। शिक्षा नगरी कोटा में छात्रों के सुसाइड के लगातार आंकड़े बढ़ने से अब चिंता सताने लगी है। साल 2024 में जनवरी से अब तक 8 छात्रों ने मानसिक तनाव के चलते सुसाइड किया है।

तेज धूप में दौसा की जनता को दंडवत प्रणाम, कांग्रेस के बागी नेता का अनोखा अंदाज

दौसा , एजेंसी।
लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। पार्टियां उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर रही हैं। जिससे कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल है। टिकट मिलने वाले उम्मीदवार भरोसे के लिए आभार जता रहे हैं तो टिकट नहीं मिलने से नाराज नेता नाराजगी जता रहे हैं। कुछ ऐसे भी हैं जो बागी बनकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसा ही कुछ नजारा राजस्थान की दौसा लोकसभा सीट पर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस ने यहां से मुरारी लाल मीणा को टिकट दिया है। आलाकमान के फैसले से नाराज नरेश मीणा ने निर्दलीय के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया। इसके बाद उन्होंने अनोखे अंदाज में लोगों से वोटों की अपील की। दौसा सीट से कांग्रेस के बागी नेता नरेश मीणा की एंट्री में मुकाबला काफी रोमांचक हो गया है। नामांकन दाखिल करन के बाद नरेश ने अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट के बाहर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्दलीय उम्मीदवार तेज धूप में कनक दंडवत करते हुए कलेक्ट्रेट से सोमनाथ महादेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने कहा कि दौसा लोकसभा में 18 लाख से मतदाता हैं। हर एक वोटर तक पहुंचना मुश्किल है इसलिए लोगों को दंडवत प्रणाम करके लोगों से वोटों की अपील कर रहे हैं। मीणा ने हाल ही में कांग्रेस में वापसी की थी। उन्होंने बताया कि उन्हें आश्वासन दिया गया था कि दौसा सीट से उन्हें ही कांग्रेस का उम्मीदवार बनाया जाएगा लेकिन मुरारी लाल मीणा को टिकट दे दिया गया। उन्होंने बताया कि वे परिवारवाद के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। मुरारी लाल अपनी पत्नी को सांसद और विधायक का चुनाव लड़ा चुके हैं। जबकि बेटी आरयू अध्यक्ष का चुनाव लड़ चुकी है। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें जनता का साथ मिल रहा है। आगामी चुनाव में जनता चाहेगी तो उन्हें ही यहां जीत मिलेगी। नरेश मीणा ने कांग्रेस से बगावत करके छिपाबड़ौद से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। बगावत करने की वजह से पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। हाल ही में जब उन्होंने दौसा से चुनाव लड़ने का ऐलान किया तो करीब छह दिन पहले उन्हें वापस पार्टी में शामिल किया गया।

सुभाष चंद्र बोस थे देश के पहले प्रधानमंत्री, मोदी सूरज तो उनके आगे विपक्षी नेता मोमबत्तीः कंगना रनौत

मंडी, एजेंसी।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जब से हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत को अपना उम्मीदवार बनाया है वह फिर से सुर्खियों में आ गई है। उनके खिलाफ कांग्रेस नेताओं ने विवादित बयान देकर आग में घी डालने जैसा काम किया है। कंगना ने उनपर जोरदार पलटवार किया है। इस पूरे प्रकरण पर कंगना का ताजा बयान सामने आया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सूर्य और विपक्षी पार्टी के नेताओं को मोमबत्ती करार दिया है।

एक इंटरव्यू में कंगना ने कहा, विपक्ष के तमाम बड़े नेता करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। वे सभी एक जगह इकट्ठा तक नहीं हो सकते हैं। अगर आप पीएम मोदी से उनकी तुलना करते हैं तो वह सूरज की तरह चमकेंगे और विपक्षी उनके सामने मोमबत्ती भी नहीं हैं।

इसके अलावा कंगना रनौत ने आजाद हिंद फौज के संस्थापक और महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस को देश का पहला प्रधानमंत्री करार दिया है। कंगना ने कहा, एक व्यक्ति जिसने हमें अपना खून बहाकर आजादी दिलाई। जर्मनी से जापान तक आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उन्हें इस देश का प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनाया गया? आखिर वह कहां गायब हो गए?

कंगना की उम्मीदवारी की घोषणा होते ही उनके पुराने बयान भी वायरल हो रहे हैं। एकबार उन्होंने कहा था कि देश को 2014 में

ही सही मायने में आजादी मिली है। इससे जुड़े एक सवाल के जवाब में कंगना रनौत ने कहा लोग उन्हें इस मामले पर ट्रोल कर सकते हैं, लेकिन ऐसे लोगों को मेरे से आकर बात करनी चाहिए। और मुझे यह बताना चाहिए कि मैंने कैसे यह गलत बोला है। कंगना ने कहा, क्या स्वतंत्रता सिर्फ जेल से बाहर निकलने तक ही होती है? नहीं, उन्होंने कोई न्याय व्यवस्था नहीं बनाई। कंगना ने आगे कहा, हमें अपनी विचारधारा से आजादी नहीं मिली। हमें सोचने की भी आजादी नहीं मिली। हमें अपने लिए लोग चुनने की आजादी नहीं मिली। हमें धार्मिक आजादी भी नहीं मिली।

कंगना ने इस सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की 10 वर्षों तक फिल्में नहीं चलीं। फिर पठान चली। मेरी भी 7-8 साल फिल्में नहीं चलीं। फिर क्वीन चली। फिर 3-4 वर्षों में मणिकर्निका चली। अभी भी इमरजेंसी आ रही है। हो सकता है कि वह बहुत हिट रहे। कंगना ने कहा है कि समय आब काफी बदल चुका है। ओटीटी का दौर है। कलाकारों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर और प्लेटफॉर्म है।

2.36 लाख में बिके सिर्फ 9 नींबू, शक्ति जानकर आप भी हो जाएंगे हैरान

विल्लुपुरम, एजेंसी। तमिलनाडु के विल्लुपुरम मंदिर में भगवान की मूर्ति के साथ लगे भाले पर नींबू चढ़ाया जाता है। इसके बाद इन नींबूओं की बोली लगाई जाती है। बीते मंगलवार को भी इसकी नीलामी की गई और 9 नींबू 2.36 लाख रुपये में बिके। ऐसी मान्यता है कि जिन दंपतियों को संतान नहीं होता है, उन्हें इसके पानी का सेवन करने से संतान की प्राप्ति होती है और परिवार में समृद्धि भी आती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक एक ग्रामीण ने कहा, मंदिर अपने पवित्र नींबूओं के लिए प्रसिद्ध है। लोगों का दृढ़ विश्वास है कि भगवान मुरुगा के भाले में लगे नींबू में जादुई शक्तियां हैं। आपको बता दें कि वार्षिक पंगुनी उथिरम उत्सव के दौरान विल्लुपुरम के तिरुवनैनल्लूर गांव में दो पहाड़ियों के संगम पर स्थित एक छोटे से मंदिर में सैकड़ों निःसंतान जोड़े भगवान मुरुगा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रबंधन द्वारा नीलाम किए गए नींबू के लिए बोली लगाते हैं। एक दूसरे ग्रामीण ने कहा, निःसंतान दंपति नींबू खरीदते हैं क्योंकि ऐसी दृढ़ मान्यता है कि नींबू बांझपन को ठीक करता है। व्यापारी और व्यवसायी अपने व्यापारिक उद्यमों में समृद्धि की तलाश में नींबू खरीदते हैं। यह त्योहार नौ दिनों तक चलता है। मंदिर के

पुजारी हर दिन एक नींबू काटते हैं। उत्सव के आखिरी दिन मंदिर प्रबंधन नींबू की नीलामी करता है। त्योहार के पहले दिन भाले पर लगा नींबू सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है। कुलाथुर गांव के एक कपल ने 50,500 रुपये में नींबू खरीदा। नींबू के लिए बोली लगाने के बाद उन्होंने स्नान किया और मंदिर के पुजारियों के सामने घुटने टेककर उन्हें प्राप्त किया।

पत्नी कांग्रेस उम्मीदवार, आईपीएस अफसर को दर-बदर करे सरकार; भाजपा की चुनाव आयोग से गुहार

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी की कर्नाटक इकाई ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर राज्य के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हेमंत निंबालकर को तत्काल सरकारी कामकाज से मुक्त करने और राज्य से दर-बदर करने की मांग की है। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है कि चूंकि निंबालकर की पत्नी अंजलि निंबालकर कांग्रेस के टिकट पर उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं, इसलिए उन्हें राज्य से बाहर किया जाय ताकि वह किसी को भी अपने पद और प्रभाव से प्रभावित ना कर सकें। आयोग को लिखी चिट्ठी में भाजपा ने कहा है कि निंबालकर को चुनाव संबंधी सभी कार्यों से मुक्त कर दिया जाए क्योंकि ऐसा नहीं करने से हितों का टकराव होगा। फिलहाल निंबालकर सूचना और जनसंपर्क विभाग के आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की वापसी के बाद उनकी नियुक्ति इस पद पर हुई है। उनकी पत्नी पिछले विधानसभा चुनाव में खानापुर सीट से भी चुनाव लड़ चुकी हैं, जहां उन्हें भाजपा के विट्ठल हलगेकर ने शिकस्त दी थी।

शिकायत दर्ज कराने वाले भाजपा के विधान पार्षद सी नारायणस्वामी ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से निंबालकर को किसी अन्य राज्य में तैनात करने का आग्रह किया है, क्योंकि वह आम चुनावों में अपनी शक्ति या प्रभाव का इस्तेमाल कर सकते हैं। भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा है, वह एक प्रभावशाली और सीनियर आईपीएस अफसर हैं।

विधायक को लोकसभा का टिकट मिलने से नाराज कांग्रेसी नेता बैठा धरने पर, कांग्रेस भवन के बाहर जमीन में मौन प्रदर्शन

बिलासपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के ठीक पहले कांग्रेसी नेताओं के विरोध के सुर देखने के लिए मिल रहे हैं। लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम के ऐलान के बाद कांग्रेस पार्टी में नाराजगी अब बाहर निकाल कर आने लगी है। इस बीच बिलासपुर लोकसभा सीट से दावेदारी कर रहे कांग्रेस के नेता को टिकट नहीं मिलने पर अब वह कांग्रेस भवन के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। कांग्रेस नेता का आरोप है कि बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से लोकल प्रत्याशी को ना उतारते हुए दूसरी लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी को चुनाव लड़ाया जा रहा है। उनका मानना है कि कांग्रेस बिलासपुर के नेताओं का अपमान कर रही है। देवेंद्र यादव को नाम का ऐलान हुए अभी 24 घंटे का वक्त भी पूरा नहीं हुआ था कि बिलासपुर में कांग्रेसी अब विरोध में उतर आए हैं। बिलासपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी देवेंद्र यादव का विरोध करते हुए कांग्रेस पार्टी के नेता नगर पंचायत बोदरी के पूर्व अध्यक्ष जगदीश कौशिक धरने पर बैठ गए हैं।

केजरीवाल को देना होगा इस्तीफा या लगेगा राष्ट्रपति शासन ?

नईदिल्ली, एजेंसी।
कथित शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद से ही राजधानी की सरकार को लेकर सस्पेंस और सवाल बढ़ गए हैं। केजरीवाल ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्हें पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया है या फिर यूं कहें कि वह ऐसे पहले सीएम हैं जिन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पहले पद से इस्तीफा नहीं दिया। केजरीवाल का कहना है कि वह जेल से ही सरकार चलाएंगे। इस बीच दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने उनके प्लान को खारिज करते हुए साफ कर दिया है कि दिल्ली की सरकार जेल से नहीं चलेगी। एलजी की ना के बाद अब इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि दिल्ली में अब क्या होगा? क्या केजरीवाल को इस्तीफा देना होगा? क्या उनके पद ना छोड़ने पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? या फिर इस खींचतान का परिणाम दिल्ली को भुगतना होगा? आइए देखते हैं आने वाले दिनों में क्या-क्या मुमकिन है।

आम आदमी पार्टी, दिल्ली सरकार और खुद केजरीवाल ने बार-बार कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद ही रहेंगे। आम आदमी पार्टी का कहना है कि केजरीवाल जेल में रहकर ही अपनी सरकार चलाते रहेंगे। संवैधानिक जानकारों का कहना है कि गिरफ्तारी की वजह से एक मुख्यमंत्री या मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। हां, 2 या 2 से अधिक साल की सजा मिलने पर सदन की सदस्यता छिन जाने का प्रावधान है। पूर्व विधानसभा सचिव एसके शर्मा ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा है कि कानून में कोई ऐसा प्रावधान नहीं है कि गिरफ्तारी पर किसी मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना होगा या नया मुख्यमंत्री बनाया जाए। हालांकि, जेल से सरकार कैसे चल पाएगी, इसको लेकर सभी जानकार एकमत में सवाल उठा रहे हैं। एक मुख्यमंत्री को हर दिन कई बैठकें करनी होती हैं, फाइलों का निपटारा करना होता है, अफसरों को निर्देश देने होते हैं, यह सब काम जेल में रहकर केजरीवाल कैसे कर पाएंगे यह सबसे बड़ा सवाल है। यही वजह है कि कुछ एक्सपर्ट मानते हैं कि शासन-प्रशासन में दिक्कत आने पर केजरीवाल को पद छोड़ने का फैसला करना पड़ सकता है। ऐसा इसलिए भी हो सकता है क्योंकि केजरीवाल को पीएमएलए केस में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें आसानी से जमानत नहीं मिलती। इसी केस में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राज्यसभा सांसद महीनों से जेल में बंद हैं। निचली से सबसे ऊपरी अदालत तक से उनकी जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। सिसोदिया और एक अन्य पीएमएलए केस में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन महीनों तक जेल में भी मंत्री रहे, लेकिन बाद में उनसे इस्तीफा ले लिया गया। ऐसे में माना जा रहा है कि यदि केजरीवाल को जल्दी जमानत नहीं मिली तो शासन-प्रशासन में दिक्कतों की वजह से उन्हें पद छोड़ने का फैसला भी लेना पड़ सकता है और दिल्ली को नया मुख्यमंत्री मिल सकता है। एलजी वीके सक्सेना ने कहा है कि दिल्ली की सरकार जेल से नहीं चलेगी। आम आदमी पार्टी और कुछ एक्सपर्ट एलजी की बात को इस बात का इशारा मान रहे हैं कि दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। वरिष्ठ वकील महिंदर सिंह कहते हैं।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)